नेशनल प्रेस टाइम्स

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

नई दिल्ली, सोमवार
07 अप्रैल 2025

नई दिल्ली। (राष्ट्रीय संस्करण) वर्ष : 11, अंक : 38 www.nationalpresstimes.com पृष्ठ : 10 मूल्य : 05 रुपया RNI No : UPHIN/2015/64579

आज देश के लोग भाजपा सरकारों का गुड गवर्नेंस देख रहे, पीएम मोदी

हमारी सॉफ्ट पावर ने भारत के प्रति बढ़ाया दुनिया का आकर्षण

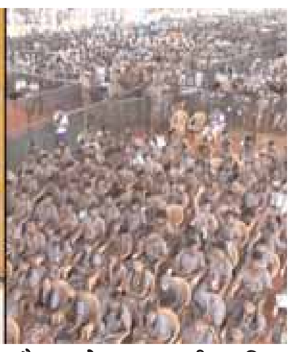

रामेश्वरम। सशक्त, समृद्ध और विकसित भारत के जिस लक्ष्य को लेकर हम चल रहे हैं, उसमें भाजपा के हर एक कार्यकर्ता का परिश्रम है। आज दुनिया में भारत के प्रति आकर्षण बढ़ा है, लोग भारत को जानना चाहते हैं, भारत को समझना चाहते हैं। इसमें भारत के कल्चर का, हमारी सॉफ्ट पावर का भी बड़ा रोल है।

पीएम मोदी ने तमिलनाडु के रामेश्वरम में विभिन्न विकास परियोजनाएं शुरू कीं। इस दौरान जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि तीन-तीन, चार-चार पीढ़ियां मां भारती के जय जयकार के लिए खप गई हैं। मेरे लिए गर्व की बात है कि भाजपा के उस विचार ने, भाजपा के लाखों कार्यकताओं के परिश्रम ने आज हमें देश की सेवा का अवसर दिया है। आज देश के लोग भाजपा सरकारों का गुड गर्वनेंस देख रहे हैं, राष्ट्रहित में लिए जा रहे निर्णय देख रहे हैं और हर हिंदुस्तानी का सीना चौड़ा हो रहा है। आज रामनवमी है, रामेश्वरम की पवित्र भूमि है, तो मेरे लिए कुछ भावुक पल भी है। आज भारतीय जनता पार्टी का स्थापना दिवस है। सशक्त, समृद्ध और विकसित भारत के जिस लक्ष्य को लेकर हम चल रहे हैं, उसमें भाजपा के हर एक कार्यकर्ता का परिश्रम है। आज दुनिया में भारत के प्रति आकर्षण बढ़ा है, लोग भारत को जानना चाहते हैं, भारत को समझना चाहते हैं। इसमें भारत के कल्चर का, हमारी सॉफ्ट पावर का भी बड़ा रोल है।

आयुष्मान भारत योजना के तहत तमिलनाडु में 1 करोड़ से ज्यादा उपचार उपलब्ध कराए गए हैं, जिसके परिणामस्वरूप राज्य भर के परिवारों को 8,000 करोड़ रुपये की बचत हुई है। इस पहल ने प्रभावी रूप से उनकी जेब में ज्यादा पैसे डाले हैं। इसके अलावा, तमिलनाडु में 1,400 से ज्यादा जन औषधि केंद्र हैं। ये केंद्र 80% छूट पर दवाइयाँ देते हैं, जिससे तमिलनाडु के लोगों को अनुमानित 700 करोड़ रुपये की बचत होती है। **शेष पेज 2 पर**

श्रीलंका से डिमांड रखते ही मिनटों में छूटे भारतीय मछुआरें

नई दिल्ली। श्रीलंका के राष्ट्रपति के साथ बातचीत के बाद अपने मीडिया बयान में पीएम मोदी ने कहा कि हमने मछुआरों की आजीविका से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की। हम इस बात पर सहमत हुए कि हमें इस मामले में मानवीय दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमने मछुआरों और उनकी नावों की तत्काल रिहाई पर भी जोर दिया। पीएम मोदी की श्रीलंका दौरे के दौरान एक दिलचस्प घटना घटी है। दरअसल, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और श्रीलंका के राष्ट्रपति दिसानायके के बीच जब ज्वाइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस हो रही थी तो उस दौरान भारत के प्रधानमंत्री ने श्रीलंका के राष्ट्रपति के सामने ये मांग कर दी कि भारतीय मछुआरों को तुरंत रिहा किया जाए। अब खबर है कि श्रीलंका ने एक विशेष कदम उठाते हुए 14 भारतीय मछुआरों को रिहा कर दिया।

शेष पेज 2 पर

राष्ट्र प्रथम भाव के साथ सेवा, सुशासन और जन कल्याण को समर्पित है भाजपा : योगी आदित्यनाथ

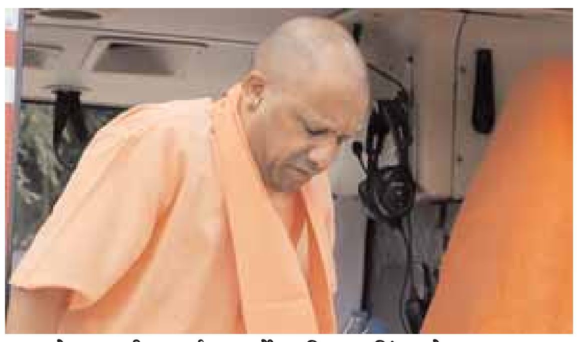

गोरखपुर। गोरखनाथ मंदिर परिसर में पार्टी का झंडा फहराने के अवसर पर सांसद रविकिशन, भाजपा की प्रदेश इकाई के उपाध्यक्ष और विधान पार्षद डॉ. धर्मेंद्र सिंह, महानगर अध्यक्ष देवेश श्रीवास्तव समेत कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के स्थापना दिवस पर कहा कि सत्तारूढ़ दल राष्ट्र प्रथम के भाव के साथ सेवा, सुशासन और जन कल्याण को समर्पित है।

मुख्यमंत्री योगी ने एक्सपर एक पोस्ट में कहा, राष्ट्र प्रथम भाव के साथ सेवा, सुशासन और जन-कल्याण को समर्पित भारतीय जनता पार्टी का ध्वज मेरा गौरव, मेरी प्रेरणा है।

उन्होंने कहा, आज (रविवार को) भाजपा के स्थापना दिवस के अवसर पर मेरा सभी कार्यकताओं से आान है कि अपने घर/कार्यालय पर भाजपा के ध्वज को फहराएं और भाजपा विकास भारत के साथ अपनी तस्वीर साझा करें।

योगी ने कहा, यह भाजपा के उन सभी महान विभूतियों को श्रद्धांजलि होगी, जिन्होंने अपने अथक परिश्रम, संघर्ष और त्याग से पार्टी को सींचकर इस ऊंचाई तक पहुंचाया है।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, योगी ने भाजपा के स्थापना दिवस पर गोरखनाथ मंदिर परिसर स्थित हिंदू सेवाश्रम भवन की छत पर पार्टी का झंडा फहराया। इस अवसर पर योगी ने पार्टी पदाधिकारियों के साथ तस्वीर खींची और सभी को स्थापना दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

गोरखनाथ मंदिर परिसर में पार्टी का झंडा फहराने के अवसर पर सांसद रविकिशन, भाजपा की प्रदेश इकाई के उपाध्यक्ष और विधान पार्षद डॉ. धर्मेंद्र सिंह, महानगर अध्यक्ष देवेश श्रीवास्तव समेत कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे। भाजपा की स्थापना छह अप्रैल 1980 को हुई थी।

एमए बेबी बने सीपीआईएम के नए महासचिव, येचुरी के निधन के बाद से खाली था पद

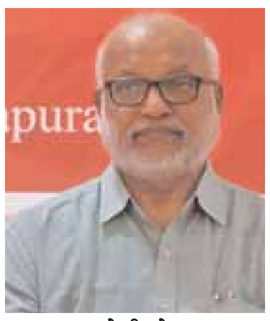

नई दिल्ली । एमए बेबी साल 1986 से 1998 तक सीपीआईएम की तरफ से राज्यसभा के सांसद रहे। सीपीआईएम महासचिव बनने की रेस में एमए बेबी के अलावा ऑल इंडिया किसान सभा के अध्यक्ष अशोक धवाले का भी नाम भी शामिल था।

केरल सरकार के पूर्व मंत्री एमए बेबी को सीपीआईएम पार्टी का नया महासचिव नियुक्ति किया गया है। सीपीआईएम पार्टी की 24वीं पार्टी कांग्रेस बैठक में ये फैसला लिया गया। सीताराम येचुरी के निधन के बाद से यह पद खाली था। सीपीआईएम पार्टी की कांग्रेस बैठक रविवार को तमिलनाडु के मदुरैइ में आयोजित हुई। इसी बैठक में पार्टी के अगले महासचिव के तौर पर एमए बेबी के नाम पर मुहर लगी।

कौन हैं एमए बेबी- 70 वर्षीय एमए बेबी (मरियम एलेक्जेंडर बेबी) ने सीपीआईएम की छात्र शाखा स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया से सक्रिय राजनीति की शुरूआत की थी। इसके बाद बेबी पार्टी की यूथ विंग डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया से जुड़े। वह साल 1986 से 1998 तक सीपीआईएम की तरफ से राज्यसभा के सांसद रहे। **शेष पेज 2 पर**

रामलला का हुआ सूर्य तिलक, श्रीराम के जयकारों से गुंजायमान हो उठी रामनगरी

अयोध्या। भगवान सूर्य ने बालक राम के ललाट पर तिलक किया। इस अवसर पर पूरी रामनगरी श्रीराम के जयकारों से गुंजायमान हो उठी। रामलला की एक झलक पाकर भक्तों ने खुद को धन्य माना। आगे तस्वीरों में देखें राम जन्मोत्सव की भव्य छटा...

रामनगरी में चहुंओर आराध्य के जन्मोत्सव की खुशी है। उत्सव मनाने के लिए अयोध्यावासी ही नहीं अपितु सकल प्रदेश और देशवासी उत्सुक रहे। रविवार को सुबह से राम मंदिर परिसर में विविध कार्यक्रम शुरू हो गए। दोपहर में ठीक 12 बजे भगवान सूर्य ने रामलला के ललाट पर तिलक किया।

इस मौके का साक्षी बनने के लिए देश ही नहीं विदेशों से भी श्रद्धालु रामनगरी पहुंचे। आने वाले भक्तों पर ड्रोन से सरयू के पवित्र जल की फुहारों से बारिश की गई। गली गली में भक्तों की कतारें दिखीं। इस दौरान पूरी नगरी श्रीराम के जयकारों से गुंजायमान रही।

मंदिर के ऊपरी हिस्से पर लगे दर्पण पर सूर्य की किरणें गिरीं। यहां से परावर्तित होकर पीतल के पाइप में पहुंचीं। पाइप में लगे दर्पण से टकराकर किरणें 90 डिग्री कोण में बदल गईं।

लंबवत पीतल के पाइप में लगे तीन लेंसों से किरणें आगे बढ़ते हुए गर्भगृह में लगे दर्पण से टकराईं। यहां से 90 डिग्री का कोण बनाकर 75 मिलीमीटर टीके के रूप में रामलला के ललाट को सुशोभित किया।

राम जन्मोत्सव पर रामलला ने रत्न जड़ित पीले वस्त्र और सोने का मुकुट धारण करके भक्तों को दर्शन दिए। दोपहर ठीक 12 बजे रामजन्म के साथ ही सूर्य की किरणों ने चार मिनट तक रामलला का 'सूर्य तिलक' किया। अध्यात्म व विज्ञान के इस अद्भुत संगम को हर कोई अपनी आंखों में बसाने को लालायित दिखा।

सुबह 3:30 बजे से मंदिर के कपाट खोल दिए गए। रामलला का श्रृंगार, राग-भोग, आरती व दर्शन का क्रम चलता रहा। बालक राम सहित उत्सव मूर्ति की मनमोहक छवि के दर्शनकर भक्त मंत्रमुग्ध होते रहे। भजन, स्तुति के बीच जैसे-जैसे घड़ी की सुइयां 12 बजे की ओर बढ़ीं। लोगों की आतुरता भी बढ़ती गई।

पुजारी ने मंदिर के कपाट खोले तो घंटा घड़ियाल बजने के साथ ही भक्तों ने भए प्रगट कृपाला दीनदयाला, कौशल्या हितकारी... छंद का गायन शुरू कर दिया। पूजन के साथ ही भगवान भास्कर ने रामलला का तिलक किया।

सूर्य तिलक और आरती के बाद दर्शन मिले तो भक्त उनकी भक्ति में पूरी तरह लीन हो गए। वह मंदिर परिसर में ही बैठकर उनकी आराधना में लीन दिखे।

रामनवमी पर 46 वर्ष बाद मंदिर में पूजन, जामा मस्जिद के सामने सत्यव्रत चौकी का लोकार्पण

मुरादाबाद। संभल में रामनवमी पर 46 वर्ष बाद मंदिर में पूजन हुआ। इसके साथ ही जामा मस्जिद के सामने सत्यव्रत पुलिस चौकी का लोकार्पण भी किया गया। इस पुलिस चौकी को सुरक्षा बढ़ाने के लिहाज से तैयार कराया गया है।

संभल में रामनवमी पर जहां एक तरफ खग्गू सराय स्थित मंदिर पर 46 वर्ष बाद पहली बार पूजा अर्चना की गई है। वहीं दूसरी ओर जामा मस्जिद के सामने निर्माण हुई सत्यव्रत पुलिस चौकी का लोकार्पण भी किया गया है। डीएम और एसपी ने पूजन कर लोकार्पण की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

मालूम हो 24 नवंबर को जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान बवाल के बाद मस्जिद के पास सत्यव्रत चौकी का निर्माण का निर्णय लिया गया था। यह जिले की पहली हाइटेक पुलिस चौकी है। जहां थाने के बराबर ही स्टाफ की तैनाती भी की जाएगी। अतिरिक्त फोर्स भी रहेगी।

शेष पेज 2 पर

लालू यादव को लेकर सशंकित है कांग्रेस, लोकसभा जैसी हालत बिहार विधानसभा चुनाव में न हो जाए

पटना। बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावरू ने शनिवार को एम्स दिल्ली में जाकर राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव का हालचाल लिया। कांग्रेस के अंदर लालू को लेकर जिस तरह की आशंका है, उसमें यह जरूरी हो गया था। क्यों, यहां समझें...

बिहार विधानसभा चुनाव में अभी करीब सात महीने का समय है, लेकिन राजनीतिक आयोजन शुरू हो गए हैं। देश के गृह मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह बिहार आकर लौट चुके हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसी महीने बिहार आ रहे हैं। लेकिन, उससे पहले 7 मार्च को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी बिहार आने वाले हैं। कांग्रेस जिले-जिले तक राहुल गांधी के दौरे के लिए भीड़ जुटाने में जुटी हुई है। इस बीच शनिवार को बिहार कांग्रेस के नए प्रभारी कृष्णा अल्लावरू ने दिल्ली एम्स में जाकर राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव से उनका हालचाल लिया। वह भले भलमनसाहत लिए गए हों, लेकिन बिहार की राजनीति और लालू प्रसाद को ठीक से जानने वाले कांग्रेसी राजद अध्यक्ष को लेकर बुरी तरह सशंकित हैं।

तेजस्वी यादव में छूटे थे पसीने, लालू तो टेढ़ी खीर- राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में जनता दल यूनाईटेड और भारतीय जनता पार्टी के बीच 'बड़ा भाई-छोटा भाई' की लड़ाई का मजा लेने वाले महागठबंधन के दोनों प्रमुख दलों कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल को पता है कि यहां कौन बड़ा है। **शेष पेज 2 पर**

पंबन पुल | समुद्र पर नया पंबन पुल

जहाज गुजरने पर पांच मिनट में 17 मी. तक ऊपर उठाया जा सकेगा, जानें खासियत

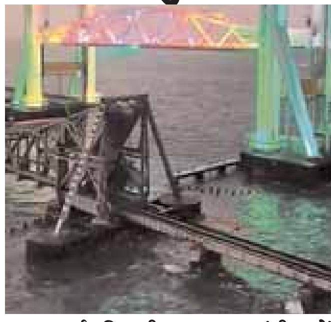

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तमिलनाडु के रामेश्वरम में भारत के पहले वर्टिकल लिफ्ट समुद्री ब्रिज पंबन का उद्घाटन करने वाले हैं। इस नए रेलवे ब्रिज को लेकर पूरे देश में चर्चा हो रही है। समुद्र के ऊपर बना यह रेलवे ब्रिज अतीत और भविष्य को जोड़ता है। इसे रामनवमी के दिन जनता को समर्पित किया जा रहा है। आइए जानते हैं इसकी खासियत...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को नए पंबन रेलवे पुल को देश को समर्पित किया। उन्होंने रामेश्वरम से तांब्रम (चेन्नई) के बीच एक नई ट्रेन सेवा को भी हरी झंडी दिखाई। साथ ही उन्होंने एक तटरक्षक जहाज को भी रवाना किया। जैसे ही पुल का वर्टिकल लिफ्ट हिस्सा ऊपर उठा, यह जहाज उसके नीचे से गुजरा। यह इस पुल के परिचालन तकनीक का प्रदर्शन था।

क्या है नए पंबन ब्रिज की खासियत?

यह 72.2 मीटर चौड़ा समुद्र मार्ग है। पुल के एक लेन में असानी से दो ट्रक एक साथ आ-जा सकेंगे। इस पुल को 17 मीटर ऊपर तक उठाया जा सकेगा।

यह पुल पुराने पुल के मुकाबले 3 मीटर ऊंचा बना है।

इस पुल को टिकाऊ बनाने के लिए इसमें स्टीलनेस स्टील का इस्तेमाल किया गया है। इसके साथ ही इसे सुरक्षित तरीके से पेंट भी किया गया है।

इस पुल के शुरू होने से रेलवे को भी अपने यातायात सुचारु बनाने में मदद मिलेगी। पुल से भारी व तेज रेलगाड़ियां भी आसानी से पार कर सकेंगी।

राम के बनाए रामसेतु की तरह है मजबूत- इस पंबन ब्रिज का सांस्कृतिक महत्व भी है। रामायण के अनुसार, भगवान राम की सेना ने राम सेतु का निर्माण रामेश्वरम के नजदीक धनुषकोडी से शुरू किया था। नया पंबन रेलवे ब्रिज रामेश्वरम द्वीप को भारत की मुख्य भूमि से जोड़ता है और यह वैश्विक मंच पर भारतीय इंजीनियरिंग की एक बड़ी उपलब्धि है।

इसकी लागत 550 करोड़ रुपये से अधिक है। यह ब्रिज 2.08 किलोमीटर लंबा है। इसमें 99 स्पैन (खंभों के बीच की दूरी) हैं और इसका लिफ्टिंग हिस्सा 72.5 मीटर लंबा है, जो 17 मीटर ऊंचाई तक उठ सकता है। **शेष पेज 2 पर**

जानें किस रूट पर चलेगी: दिल्ली में दौड़ेगी देश की पहली तीन कोच वाली मेट्रो

08 किलोमीटर की लाइन पर होंगे आठ स्टेशन

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

नई दिल्ली । दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) देश का पहला ऐसा मेट्रो कॉरिडोर शुरू करने जा रही है, जिसे तीन कोच वाली ट्रेनें चलाने के लिए तैयार किया जाएगा। यह कॉरिडोर देश के शहरी परिवहन नेटवर्क में महत्वपूर्ण उपलब्धि साबित होगा। फेज-4 के लाजपत नगर से साकेत जी ब्लॉक कॉरिडोर दिल्ली मेट्रो नेटवर्क में दूसरी सबसे छोटी मेट्रो लाइन (8 किलोमीटर) पर बनेगा। इसी कॉरिडोर पर तीन कोच वाली मेट्रो चलेगी।

यात्रियों के लिए काफी कारगर होगा

मौजूदा समय में मेट्रो की लाइनों पर 4, 6 या 8 कोच वाली ट्रेनों का इस्तेमाल किया जाता है। तीन कोच की ट्रेन को विशेष रूप से कम दूरी की यात्रा के लिए विकसित किया गया है। छोटी ट्रेनें दैनिक यात्रियों की पर्याप्त संख्या को समायोजित करते हुए बेहतर फ्रीक्वेंसी और परिचालन दक्षता सुनिश्चित करेंगी। मेट्रो अधिकारियों का कहना है कि यह कॉरिडोर केवल ट्रेन की लंबाई को कम करने के बारे में नहीं, बल्कि भविष्य के लिए कुशल और कम लागत वाली मेट्रो प्रणाली के साथ शहरी गतिशीलता के उपयोग को अपनाने की तरफ एक कदम है। राजधानी के संकरे क्षेत्रों में मेट्रो की पहुंच बढ़ाने में यह बेहतर साबित होगा। यात्री संख्या के आकलन को ध्यान में रखते हुए लाजपत नगर-साकेत जी ब्लॉक कॉरिडोर को विकसित किया जा रहा है। यह कॉरिडोर कम दूरी के यात्रियों के लिए काफी कारगर होगा।

ऊर्जा की होगी कम खपत

छोटी ट्रेन से यह भी फायदा होगा कि इसमें प्रति ट्रिप ऊर्जा की कम खपत होगी। 3-कोच प्रणाली में निवेश कर दिल्ली मेट्रो शीर्ष स्तरीय अर्बन ट्रांजिट सॉल्यूशन प्रदान करते हुए आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित कर रही है।

लाजपत नगर-साकेत जी ब्लॉक कॉरिडोर विशेष रूप से दक्षिण और मध्य दिल्ली के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए लास्ट-माइल कनेक्टिविटी में काफी सुधार करेगा। मौजूदा मेट्रो लाइनों पर भीड़भाड़ को कम कर और प्रमुख स्टेशनों पर निर्बाध इंटरचेंज प्रदान कर इस परियोजना से हजारों दैनिक यात्रियों के लिए यात्रा के समय को कम करने में मदद करेगा।

एक कोच में 300 यात्रियों की क्षमता

हर कोच की क्षमता लगभग 300 यात्रियों की होगी, ताकि कम खर्च के साथ पर्यावरण को भी नुकसान न हो। हर कोच में बैठने और खड़े होने की क्षमता लगभग 300 यात्री की होगी यानी 3 कोच में प्रति ट्रिप 900 यात्री यात्रा कर सकेंगे। कॉरिडोर में आठ महत्वपूर्ण स्टेशन हैं, जिसमें लाजपत नगर (पिंक और वायलेट लाइनों के साथ इंटरचेंज), एंड्रयूज गंज, जीके-1, चिराग दिल्ली (मजेंटा लाइन के साथ इंटरचेंज), पुष्पा भवन, साकेत कोर्ट, पुष्प विहार, साकेत जी ब्लॉक (गोल्डन लाइन के साथ इंटरचेंज) स्टेशन शामिल हैं।

वक्फ विधेयक बना कानून: सरकार के फैसले के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन का नेतृत्व करेगा AIMPLB, वापसी तक चलेगा अभियान

नई दिल्ली । एआईएमपीएलबी ने कहा है कि वह सभी धार्मिक, समुदाय-आधारित और सामाजिक संगठनों के साथ समन्वय करके वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन का नेतृत्व करेगा।

संसद के दोनों सदनों में मैराथन चर्चा के बाद यूनिफाइड वक्फ मैनेजमेंट एंपावरमेंट, एफिशिएंसी एंड डेवलपमेंट विधेयक (उम्मीद) 2025 राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद कानून बन गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस विधेयक को शनिवार देर रात अपनी मंजूरी दे दी। इस विधेयक को राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद सरकार ने अधिसूचना के माध्यम से अधिसूचित कर दिया। इस विधेयक को लोकसभा ने 3 अप्रैल और राज्यसभा ने चार अप्रैल को पारित किया था। उधर, ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) ने इसका विरोध किया है। एआईएमपीएलबी ने कहा है कि वह सभी धार्मिक, समुदाय-आधारित और सामाजिक संगठनों के साथ समन्वय करके वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन का नेतृत्व करेगा।

एआईएमपीएलबी का कहना है कि उनका यह आंदोलन तब तक जारी रहेगा जब तक कि कानून पूरी तरह से निरस्त नहीं हो जाता। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) ने कहा कि कुछ दलों द्वारा भाजपा के सांप्रदायिक एजेंडे को दिए गए समर्थन ने उनके तथाकथित धर्मनिरपेक्ष मुखौटे को पूरी तरह से उजागर कर दिया है।

एक बयान में एआईएमपीएलबी ने इस बात पर जोर दिया कि वह सभी धार्मिक, समुदाय-आधारित और सामाजिक संगठनों के साथ समन्वय करके इन संशोधनों के खिलाफ एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन का नेतृत्व करेगा और यह अभियान तब तक जारी रहेगा जब तक कि संशोधन पूरी तरह से निरस्त नहीं हो जाते। बोर्ड ने मुस्लिम समुदाय को आश्वस्त किया कि उन्हें हताश या निराश होने की कोई आवश्यकता नहीं है। एआईएमपीएलबी ने कहा कि नेतृत्व इस मामले में किसी भी बलिदान से पीछे नहीं हटेगा और देश में न्याय चाहने वाली सभी ताकतों के साथ मिलकर इसके खिलाफ संवैधानिक ढांचे के भीतर एक मजबूत आंदोलन शुरू करेगा।

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के महासचिव मौलाना मुहम्मद फजलुर रहीम मुजद्दिदी ने कहा कि बोर्ड बिल का विरोध करने के लिए सभी रास्ते अपनाएगा। उन्होंने कहा कि बोर्ड न केवल इन भेदभावपूर्ण और अन्यायपूर्ण संशोधनों को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती देने के लिए कानूनी रास्ता अपनाएगा, बल्कि विरोध के सभी लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीकों का भी इस्तेमाल करेगा, जिसमें प्रदर्शन, काली पट्टी बांधने जैसे प्रतीकात्मक विरोध, साथी नागरिकों के साथ बैठकें और प्रेस कॉन्फ्रेंस शामिल हैं।

राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद वक्फ बिल बना कानून

इस विधेयक को लोकसभा ने 3 अप्रैल और राज्यसभा ने चार अप्रैल को पारित किया था। इस कानून में कई नए प्रावधान जोड़े गए हैं। इस कानून में कई प्रावधानों में संशोधन किया गया है। इसके तहत वक्फ बोर्ड अब किसी भी संपत्ति पर मनमाने तरीके से दावा नहीं कर सकता है। विवाद की स्थिति में अदालत में भी चुनौती दी जा सकती है और पांच साल तक इस्लाम का पालन करने वाला ही वक्फ को संपत्ति दान कर सकता है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने वक्फ (संशोधन) बिल को शनिवार देर शाम मंजूरी दे दी।

पेज एक का शेष...

हमारी सॉफ्ट पावर ने भारत के प्रति बढ़ाया दुनिया का आकर्षण

हम उन युवाओं को प्रोत्साहित करना चाहते हैं जो डॉक्टर बनने की इच्छा रखते हैं और विदेश जाने के बजाय भारत में अपना करियर बनाना चाहते हैं। हाल के वर्षों में, तमिलनाडु में 11 नए मेडिकल कॉलेज स्थापित किए गए हैं।

तमिलनाडु का बुनियादी ढांचा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। पिछले एक दशक में राज्य का रेल बजट सात गुना से भी ज्यादा बढ़ गया है। इस महत्वपूर्ण वृद्धि के बावजूद, कुछ लोग बिना किसी औचित्य के शिकायत करना जारी रखते हैं। 2014 से पहले हर साल सिर्फ.900 करोड़ रुपये आवंटित किए जाते थे। हालाँकि, इस साल तमिलनाडु का रेल बजट 6000 करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया है। इसके अलावा, भारत सरकार 77 रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण कर रही है, जिसमें रामेश्वरम का स्टेशन भी शामिल है। विकसित भारत के सफर में तमिल का बहुत बड़ा रोल है। मैं प्रमाणित हूं, ?तमिलनाडु का अनुपात अनुपातिक घनत्व, भारत का अनुपात काफी तेजी से होगा। दशक में, 2014 के लिए तमिल के विकास की तुलना में तीन गुना पैसा केंद्र सरकार की ओर से दिया गया है। इसके बावजूद भी कुछ लोगों को बिना कारण रोते रहने की आदत है, वो रोते रहते हैं। 2014 से पहले रेल प्रोजेक्ट के लिए हर साल सिर्फ 900 ?करोड़ रुपये ही मिलते थे।

इस वर्ष तमिलनाडु का रेल बजट 6,000 करोड़ रुपये से ज्यादा है और भारत सरकार यहां के 77 रेलवे स्टेशन को मॉडर्न भी बना रही है। इसमें रामेश्वरम का रेलवे स्टेशन भी शामिल है। तमिलनाडु विकसित भारत या विकसित भारत की ओर बढ़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मेरा मानना ??है कि तमिलनाडु की क्षमता का एहसास होने पर देश का समग्र विकास बेहतर होगा। पिछले दशक में केंद्र सरकार ने 2014 से पहले की अवधि की तुलना में तमिलनाडु को तीन गुना अधिक धन आवंटित किया है। जब इंडी गठबंधन सत्ता में था, तब मोदी सरकार ने तमिलनाडु को तीन गुना धन मुहैया कराया था। इस समर्थन ने राज्य में अर्थव्यवस्था और उद्योग के विकास में योगदान दिया है।

श्रीलंका से डिमांड रखते ही मिनटों में छूटे भारतीय मछुआरें

श्रीलंका के राष्ट्रपति के साथ बातचीत के बाद अपने मीडिया बयान में पीएम मोदी ने कहा कि हमने मछुआरों की आजीविका से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की। हम इस बात पर सहमत हुए कि हमें इस मामले में मानवीय दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमने मछुआरों और उनकी नावों की तत्काल रिहाई पर भी जोर दिया। उल्लेखनीय है कि पहले भी श्रीलंकाई नौसेना के कर्मियों द्वारा पाक जलडमरूमध्य में भारतीय मछुआरों के विरुद्ध बल प्रयोग करने के कथित मामले सामने आ चुके हैं। पाक जलडमरूमध्य तमिलनाडु को श्रीलंका से अलग करने वाली एक संकरी जल पट्टी है।

मछुआरों के मुद्दे पर विदेश सचिव ने क्या कहा- विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने शनिवार को मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी-दिस्सानायके वार्ता में मछुआरों का मुद्दा छाया रहा। उन्होंने कहा कि जैसा कि प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में कहा, इन मुद्दों पर सहयोग के लिए मानवीय और रचनात्मक दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया, क्योंकि ये ऐसे मुद्दे हैं जो अंततः पाक खाड़ी के दोनों ओर के मछुआरों की आजीविका को प्रभावित करते हैं। मिसरी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि आखिरकार यह मछुआरों के लिए एक दैनिक मुद्दा है और हाल के दिनों में उठाए गए कुछ कदमों पर पुनर्विचार किया जा सकता है।

भारत, श्रीलंका मछुआरों के मुद्दे पर संस्थागत चर्चा को तेज करेंगे- मिसरी ने यह भी रेखांकित किया कि नई दिल्ली और कोलंबो इस मुद्दे पर संस्थागत चर्चा को तेज करने की आवश्यकता पर सहमत हुए। दिसानायके के साथ प्रधानमंत्री मोदी की वार्ता के बाद अपने बयान में विदेश सचिव ने कहा कि भारत और श्रीलंका मछुआरा संघ वार्ता के अगले दौर को आयोजित करने की संभावना पर एक दूसरे के संपर्क में हैं।

रामनवमी पर 46 वर्ष बाद मंदिर में पूजन, जामा मस्जिद के सामने सत्यव्रत चौकी का लोकार्पण

इस पुलिस चौकी को सुरक्षा बढ़ाने के लिहाज से तैयार कराया गया है। दो मंजिला इस इमारत में कई कक्ष बनाए गए हैं। जिससे पर्याप्त फोर्स के ठहरने की व्यवस्था भी रहे। भवन को सुसज्जित और हाईटेक बनाया जा रहा है।

जिले का कंट्रोल रूम भी इसी चौकी में बनेगा। पुलिस चौकी में महाभारत के रथ की आकृति मुख्य गेट के सामने तैयार कराई गई है। यह आकृति राजस्थानी पत्थर से तैयार हुई है और राजस्थान के कारीगर ने इसको संवारा है। इस आकृति में गीता के चौथे अध्याय से लिया गया भगवान श्री कृष्ण का प्रसिद्ध श्लोक भी लिखा गया है।

गीता का श्लोक महाभारत के रथ के साथ लिखा

पुराणों में उल्लेख मिलता है कि कलियुग में भगवान का अवतरण संभल में होगा। सत्यव्रत पुलिस चौकी में गीता के चौथे अध्याय से लिया गया श्लोक लिखा है। जिसमें भगवान श्रीकृष्ण अपने अवतार लेने के उद्देश्य और कारण अर्जुन को बताते हैं।

यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्गवति भारत, अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्। परित्राणाय साधूनां विनाशाय च दुष्कृताम्, धर्म संस्थापनार्थाय सम्भवामि युगे युगे ।।

इसका अर्थ है

जब-जब धर्म की हानि होती है, हे भारत, और अधर्म में वृद्धि होती है, तब-तब मैं अपने रूप को प्रकट करता हूं। साधुओं के उद्धार और दुष्कर्मियों के विनाश के लिए, तथा धर्म की पुनर्स्थापना के लिए, मैं हर युग में प्रकट होता हूं।

जहाज गुजरने पर पांच मिनट में 17 मी. तक ऊपर उठाया जा सकेगा, जानें खासियत

ताकत और उम्र कैसे बढ़ेगी?

इससे बड़े जहाज आसानी से गुजर सकते हैं और ट्रेन सेवा भी बिना बाधा जारी रह सकती है। ब्रिज को मजबूत बनाने के लिए इसमें स्टेनलेस स्टील, विशेष सुरक्षात्मक पेंट और वेल्डेड जोड़ का इस्तेमाल किया गया है। इससे इसकी ताकत और उम्र बढ़ गई है। भविष्य को ध्यान में रखते हुए इसमें दो रेलवे ट्रैक की व्यवस्था की गई है। समुद्री हवा से होने वाले जंग से बचाव के लिए इसमें खास पॉलीसिलोक्सेन कोटिंग की गई है।

111 साल पहले ब्रिटिश इंजीनियरों के बनाए ब्रिज की ली जगह

पहला पंबन ब्रिज 1914 में ब्रिटिश इंजीनियरों ने बनाया था। यह एक कैंटिलीवर (धातु या लकड़ी का एक लंबा टुकड़ा जो पुल के अंत को सहारा देने के लिए दीवार से बाहर निकलता है) डिजाइन का ब्रिज था। इसमें एक शेरजर रोलिंग लिफ्ट हिस्सा था। यह समुद्र में खुलकर जहाजों को रास्ता देता था। एक सदी से अधिक वक्त तक यह ब्रिज तीर्थ यात्रियों, पर्यटकों और व्यापारियों के लिए जीवनरेखा की तरह काम करता रहा। लेकिन समुद्री माहौल से नुकसान और बढ़ते ट्रैफिक को देखते हुए सरकार ने फरवरी 2019 में नए तकनीकी और मजबूत पंबन ब्रिज के निर्माण की मंजूरी दी।

दुनिया के प्रतिष्ठित ब्रिज्स की कतार शामिल हुआ देश का यह ब्रिज

नए पंबन ब्रिज का निर्माण रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) ने किया है। यह रेल मंत्रालय के अधीन एक नवरत्न कंपनी है। ब्रिज निर्माण के दौरान पर्यावरणीय प्रतिबंध, समुद्र की तेज लहरें, तेज हवाएं और खराब मौसम जैसी कई चुनौतियां आईं। यह इलाका चक्रवात और भूकंप के लिए संवेदनशील है, इसलिए इंजीनियरों ने बहुत सोच-समझकर मजबूत डिजाइन तैयार किया।अब यह नया ब्रिज अमेरिका के गोल्डन गेट ब्रिज, लंदन का टावर ब्रिज और डेनमार्क-स्वीडन को जोड़ने वाला ओरेसुंड ब्रिज जैसे दुनिया के अन्य मशहूर ब्रिज की श्रेणी में गिना जा रहा है। ये सब ब्रिज अपने तकनीकी डिजाइन और इंजीनियरिंग के लिए जाने जाते हैं। अब नया पंबन ब्रिज भी इन प्रतिष्ठित ब्रिज की कतार में शामिल हो गया है। इसमें आधुनिक तकनीक के साथ भारत के समुद्री और भूकंपीय हालात से कामयाबी के साथ निपटने की सामर्थ्य है।

क्या होता है वर्टिकल लिफ्ट पुल?

वर्टिकल लिफ्ट पुल ऐसा पुल होता है, जिसे जरूरत पड़ने पर पानी की सतह से ऊपर उठाया जा सके। वर्टिकल पुल को ऊपर उठाने पर उस जगह से पानी के बड़े जहाज आसानी से गुजर सकेंगे।

एमए बेबी बने सीपीआईएम के नए महासचिव, येचुरी के निधन के बाद से खाली था पद

सीपीआईएम महासचिव बनने की रेस में एमए बेबी के अलावा ऑल इंडिया किसान सभा के अध्यक्ष अशोक धवाले का भी नाम भी शामिल था। बीते साल सितंबर में ीताराम येचुरी के निधन के बाद से सीपीआईएम महासचिव का पद खाली था। अभी तक प्रकाश करात अस्थायी तौर पर पार्टी के महासचिव पद की जिम्मेदारी संभाल रहे थे।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सीपीआईएम के प्रमुख बनने वाले एमए बेबी केरल से दूसरे नेता हैं। इनसे पहले ईएम नंबूदरीपाद भी ये जिम्मेदारी निभा चुके हैं। पोलित ब्यूरो के 16 सदस्यों में से 11 सदस्यों ने एमए बेबी के नाम का समर्थन किया। एमए बेबी केरल के कोल्लम जिले के प्रक्कुलम इलाके के निवासी हैं।

लालू यादव को लेकर सशंकित है कांग्रेस, लोकसभा जैसी हालत बिहार विधानसभा चुनाव में न हो जाए

बीच में कांग्रेस ने तेवर दिखाने की कोशिश की थी, लेकिन फिर जगह पर आ गई। कांग्रेस नेताओं ने अलग-अलग तरह से बोलकर स्वीकार कर लिया कि बिहार में राजद ही बड़ा है। खैर, परेशानी यहां थी भी नहीं। परेशानी यह है कि कांग्रेस के लिए तेजस्वी यादव छोटी परेशानी और लालू प्रसाद तो बाकायदा टेढ़ी खीर हैं। जब 2024 के लोकसभा चुनाव के पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ विपक्षी दलों का जुटान हुआ था, तब कांग्रेस को तत्कालीन महागठबंधन सरकार में दो और मंत्रीपद चाहिए था। तब महागठबंधन के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कांग्रेस को तेजस्वी यादव से डील करने के लिए छोड़ दिया। सरकार चली गई, लेकिन कांग्रेस तेजस्वी यादव को मैनेज नहीं कर सकी। फिर लोकसभा चुनाव के पहले महागठबंधन से जनता दल यूनाईटेड अलग हो गया। लोकसभा चुनाव में नामांकन की तारीख आ गई, लेकिन कांग्रेस लालू प्रसाद यादव से डील नहीं कर सकी।

दिल्ली में राहुल गांधी के सामने इशारों में आई बात-कोर्ट में विचाराधीन कुछ मामलों में प्रगति के बीच लालू प्रसाद यादव को कंधे-हाथ पर जख्म, शुगर, बीपी आदि की परेशानी के साथ पटना से दिल्ली ले जाकर एम्स में भर्ती कराया गया है। वह अभी वहीं हैं। क्रिटिकल केयर यूनिट में रहते हुए भी उनका सोशल मीडिया हैंडल एक्टिव रहा और वक्फ बिल को लेकर उनकी तीखी प्रतिक्रिया आई तो बिहार के कांग्रेसियों को लोकसभा चुनाव याद आ गया। यह ऐसा डर है, जिसपर अभी कोई खुलकर बात नहीं कर रहा। हालांकि, दिल्ली में बिहार के 40 संगठन जिलो के अध्यक्ष-कार्यकारी अध्यक्ष की बैठक में राहुल गांधी के सामने यह डर इशारों जरूर सामने आया। कई जिलाध्यक्षों ने कहा कि कांग्रेस जहां से चुनाव लड़ेगी, उसकी जानकारी जल्दी दे दी जाए। दरअसल, इस बात ने लोकसभा चुनाव की याद दिला दी जब कांग्रेस देखती रह गई और लालू ने अपने हिसाब से सीटों पर राजद प्रत्याशियों को चुनाव लड़ने के लिए सिम्बल दे दिया था।

लालू यादव रौ में रहे तो लोकसभा चुनाव वाला डर-बिहार में जब लालू प्रसाद यादव सत्ता में आए थे, तभी से कांग्रेस की भूमिका लगातार सिमटती गई। मुख्यमंत्री राबड़ी देवी थीं, तब भी कांग्रेस को लालू ने नियंत्रित किए रखा था। लेकिन, अब तो लंबे समय से कांग्रेस लालू के इशारे पर ही चलने को मजबूर है। कांग्रेस के नए प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार के आने के पहले अखिलेश प्रसाद सिंह थे तो यह बात और ज्यादा जोर से कही जाती थी। नए अध्यक्ष की लालू के सामने क्या चल सकेगी, यह भविष्य के गर्त में है। फिलहाल लोकसभा चुनाव 2024 वाला डर कमोबेश सभी कांग्रेसियों को याद आ रहा है। दिल्ली में कांग्रेस राजद और वामदलों के साथ बिहार की लोकसभा सीटों के बंटवारे की चर्चा ही करती रही थी, इधर लालू ने अपने प्रत्याशियों को चुनाव चिह्न बांटना शुरू कर दिया था।

सीट बंटवारे से पहले कांग्रेस की दावेदारी निबटा दी थी-लालू प्रसाद यादव ने लोकसभा चुनाव में कांग्रेस और वामदलों से सीट बंटवारे के पहले ही अपने प्रत्याशियों को सिम्बल देना शुरू कर दिया था। कांग्रेस में तब नए-नए शामिल हुए राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव पूर्णिया लोकसभा सीट पर तैयारी करते ही रह गए थे और जदयू से इस्तीफा देकर आईं राज्य की पूर्व मंत्री बीमा भारती ने लालू के घर आकर इस सीट पर राजद का सिम्बल ले लिया। यह खबर खूब चर्चा में इसलिए भी रही कि कांग्रेस चाहकर भी पप्पू यादव के साथ नजर नहीं आई, हालांकि निर्दलीय उतर कर भी वह जीत गए। यह तो बाद के चुनावी चरण का मसला था। इसके पहले, शुरूआती चरण में भी जब सीट शेयरिंग का मामला दिल्ली में घूम रहा था, लालू ने घर बुलाकर गया से कुमार सर्वजीत, नवादा से श्रवण कुशवाहा, औरंगाबाद से अभय कुशवाहा, जमुई से अर्चना रविदास आदि को टिकट दे दिया।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष की अपील भी गई बेकार, नाम आते रहे-कांग्रेस से डील हुए बगैर ही उजियारपुर से आलोक मेहता, जहानाबाद से सुरेंद्र यादव, महाराजगंज से रणधीर सिंह, बक्सर से सुधाकर सिंह, सारण से रोहिणी आचार्या, पाटलिपुत्र से मीसा भारती, बांका से जय प्रकाश नारायण यादव, मुंगेर से कुमारी अनिता आदि का नाम घोषित कर दिया गया था। कई ने खुद ही सिम्बल मिलने की जानकारी दी थी। हालत यह थी कि तत्कालीन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह को ऐसे कई नामों और तस्वीरों को देखने के बाद राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद के पास जाकर अपील करनी पड़ी थी कि ऐसा नहीं करें, हालांकि उससे कोई अंतर नहीं पड़ा था। कांग्रेस सिर्फ 'महागठबंधन के लिए यह अच्छा नहीं है' बोलने से ज्यादा कुछ नहीं कर सकी थी।

रामनवमी पर लाखों दियों से जगमगाया सरयू घाट, मनाया प्रभु श्रीराम का जन्मदिन

एनपीटी ब्यूरो

अयोध्या । रामनवमी के अवसर पर अयोध्या में सरयू नदी का चौधरी चरण सिंह घाट लाखों दियों की रोशनी से जगमगा उठा।

रामनवमी के अवसर पर रविवार को अयोध्या में अलग ही छटा नजर आई। रामभक्तों ने सुबह ही सरयू में स्नान कर रामलला के दर्शन किए। वहीं, राम मंदिर में विराजमान रामलला का सूर्य की किरणों से भव्य अभिषेक किया गया जिसके गवाह दुनिया भर में फैले लाखों करोड़ों रामभक्त बने।

वहीं, शाम को सरयू नदी के चौधरी चरण सिंह घाट पर दो लाख 51 हजार दिये जलाए गए। दियों की रोशनी में पूरा सरयू घाट जगमगा गया।

सरयू घाट पर दीपोत्सव का आयोजन पर्यटन विभाग की ओर से किया गया था जिसमें 15 स्कूलों के बच्चों ने भाग लिया।

प्रभु श्री राम के जन्मोत्सव पर कैंट एरिया में निकली रामनवमी शोभा यात्रा

भगवान के सभी स्वरूपों का काजल किन्नर ने किया अभिनंदन

एनपीटी ब्यूरो

बरेली। मां भगवती को समर्पित चैत्र नवरात्र पर माता के नवे स्वरूप माता सिद्धिदात्री कि घर-घर पूजा अर्चना की गई। कन्याओं को जहां पूजन कर भोजन कराया गया वहीं मयार्दा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम का जन्मोत्सव भी उत्साह के साथ मनाया गया। इसी क्रम में कैंट स्थित श्री हरि मंदिर सत्संग भवन से रामनवमी के उपलक्ष में शोभायात्रा निकाली गई। भगवान के सभी स्वरूपों का कैंट विधायक संजीव अग्रवाल,

अर्बन कोऑपरेटिव बैंक की अध्यक्ष श्रुति गंगवार, काजल किन्नर, एससी एसटी आयोग के सदस्य उमेश कठेरिया , लोकतंत्र सेनानी वीरेंद्र कुमार अटल, पूर्व भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष इंदु सेठी ने पुरस्कृत कर अभिनंदन किया। सदर चौराहे पर काजल किन्नर के द्वारा कैंट विधायक संजीव अग्रवाल, भाजपा महानगर अध्यक्ष अधीर सक्सेना, भाजपा नेता अरुण कश्यप, विष्णु शर्मा, अर्बन कोऑपरेटिव बैंक के अध्यक्ष श्रुति गंगवार, भाजपा नेत्री इंदु सेठी, कैंट बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष शशिकांत जायसवाल, वैभव जायसवाल , अभिजीत कठेरिया गोलू , डॉक्टर सीपीएस चौहान , सामाजिक कार्यकर्ता राकेश कठेरिया को भी सम्मानित किया। बैंड बाजे के साथ निकली शोभायात्रा मे जय श्री राम का उद्घोष करते युवा चल रहे थे वहीं महिला मंडली के द्वारा प्रभु श्री राम को समर्पित संकेतन किया जा रहा था। शोभा यात्रा कैंट में भ्रमण करती हुई गोपेश्वर नाथ मंदिर से होते हुए हरि मंदिर जाकर समाप्त हुई

फर्जी दस्तावेज पर विनायक ग्रुप ने ली 113 करोड़ की छूट, होगी वसूली, सपा विधायक हैं पार्टनर

लखनऊ ।विनायक ग्रुप ने वरुणा गार्डन प्रोजेक्ट का फर्जी पूर्णता प्रमाणपत्र लगाकर आयकर छूट ली थी। अब आयकर विभाग जुमार्ना और ब्याज वसूलेगा। इसकी जानकारी ईडी से भी साझा की जाएगी। फर्जी पूर्णता प्रमाणपत्र देकर आयकर विभाग से 113 करोड़ रुपये की छूट लेने वाले वाराणसी के विनायक ग्रुप से अब वसूली होगी। आयकर विभाग के सूत्रों के मुताबिक विनायक ग्रुप से जुमार्ने और ब्याज के साथ करीब 200 करोड़ रुपये वसूले जाएंगे। इसकी जानकारी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से भी साझा की जाएगी। दरअसल, ईडी भी विनायक ग्रुप के खिलाफ जांच कर रहा है। ईडी ने हाल ही में आयकर विभाग से पूछा था कि ग्रुप के प्रोजेक्ट वरुणा गार्डन का फर्जी पूर्णता प्रमाणपत्र जमा करने से कितने राजस्व का नुकसान हुआ है ताकि उसी आधार पर कंपनी के संचालकों की संपत्तियों को जब्त किया जा सके।

प्रभु श्री राम के जन्मोत्सव पर कैंट एरिया में निकली रामनवमी पर शोभा यात्रा

भगवान के सभी स्वरूपों का काजल किन्नर ने किया अभिनंदन

एनपीटी ब्यूरो

बरेली। मां भगवती को समर्पित चैत्र नवरात्र पर माता के नवे स्वरूप माता सिद्धिदात्री कि घर-घर पूजा अर्चना की गई। कन्याओं को जहां पूजन कर भोजन कराया गया वहीं मयार्दा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम का जन्मोत्सव भी उत्साह के साथ मनाया गया। इसी क्रम में कैंट स्थित श्री हरि मंदिर सत्संग भवन से रामनवमी के उपलक्ष में शोभायात्रा निकाली गई। भगवान के सभी स्वरूपों का कैंट विधायक संजीव अग्रवाल, अर्बन कोऑपरेटिव बैंक की अध्यक्ष श्रुति गंगवार, काजल किन्नर, एससी एसटी आयोग के सदस्य उमेश कठेरिया , लोकतंत्र सेनानी वीरेंद्र कुमार अटल, पूर्व भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष इंदु सेठी ने पुरस्कृत कर अभिनंदन किया। सदर चौराहे पर काजल किन्नर के द्वारा कैंट विधायक संजीव अग्रवाल, भाजपा महानगर अध्यक्ष अधीर सक्सेना, भाजपा नेता अरुण कश्यप, विष्णु शर्मा, अर्बन कोऑपरेटिव बैंक के अध्यक्ष श्रुति गंगवार, भाजपा नेत्री इंदु सेठी, कैंट बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष शशिकांत जायसवाल, वैभव जायसवाल , अभिजीत कठेरिया गोलू , डॉक्टर सीपीएस चौहान , सामाजिक कार्यकर्ता राकेश कठेरिया को भी सम्मानित किया।

बैंड बाजे के साथ निकली शोभायात्रा मे जय श्री राम का उद्घोष करते युवा चल रहे थे वहीं महिला मंडली के द्वारा प्रभु श्री राम को समर्पित संकेतन किया जा रहा था। शोभा यात्रा कैंट में भ्रमण करती हुई गोपेश्वर नाथ मंदिर से होते हुए हरि मंदिर जाकर समाप्त हुई

अग्निवीर भर्ती की सामान्य प्रवेश परीक्षा के पंजीकरण 10 तक होंगे, 12 जिलों के अभ्यर्थियों को मिलेगा मौका

एनपीटी ब्यूरो

लखनऊ । सामान्य ड्यूटी, अग्निवीर तकनीकी व अग्निवीर की भर्ती के लिए ऑनलाइन पंजीकरण चल रहे हैं। कार्यालय के तहत आने वाले 12 जिलों के अभ्यर्थियों को मौका दिया जाएगा।

सेना भर्ती कार्यालय आगरा के तहत अग्निवीर भर्ती की सामान्य प्रवेश परीक्षा के ऑनलाइन पंजीकरण 10 अप्रैल तक होंगे। वर्ष 2025-26 से ऑनलाइन सामान्य प्रवेश परीक्षा और रैली के आयोजन में कुछ बदलाव किए गए हैं। भर्ती रैली वर्ष के अंत में होगी।

मध्य कमान के जनसंपर्क अधिकारी शांतनु प्रताप सिंह ने बताया कि सामान्य ड्यूटी, अग्निवीर तकनीकी व अग्निवीर की भर्ती के लिए ऑनलाइन पंजीकरण गत माह से चल रहे हैं। साढ़े सत्रह से 21 वर्ष आयुवर्ग के अभ्यर्थी पंजीकरण के पात्र हैं। अग्निवीर तकनीकी ट्रेड में प्रवेश के लिए पॉलिटेक्निक या आईटीआई डिप्लोमा होना जरूरी है।

परीक्षा में शामिल होने के लिए joinindian-army.nic.in पर जाकर ऑनलाइन पंजीकरण कराना होगा। इसके बाद एडमिट जारी होंगे। इस वर्ष से अभ्यर्थी अपनी पात्रता के आधार पर अग्निवीर प्रविष्टि की किसी भी दो श्रेणियों के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें फॉर्म अलग-अलग भरने होंगे। शारीरिक फिटनेस टेस्ट और शारीरिक माप परीक्षण पास करने वाले अभ्यर्थियों का परीक्षण होगा।

परीक्षण उत्तीर्ण करने वाले अभ्यर्थी मेडिकल परीक्षा और आगे की भर्ती प्रक्रिया के लिए पात्र होंगे। भर्ती में आगरा कार्यालय के तहत आने वाले अलीगढ़, एटा, इटावा, फिरोजाबाद, हाथरस, जालौन, झांसी, कासगंज, ललितपुर, मैनपुरी, मथुरा व आगरा जिलों के ही अभ्यर्थी शामिल हो सकते हैं।

अब पांच पुलिस कर्मियों पर गिरी गाज एसएसपी ने किया निलंबित

एनपीटी ब्यूरो

बरेली। बरेली जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अनुराग आर्य ने ड्यूटी में लापरवाही और गैरहाजिरी के आरोप में दो हेड कांस्टेबल सहित पांच पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है।

एसएसपी अनुराग आर्य ने साफ शब्दों में कहा है कि पुलिस विभाग में अनुशासन सर्वोपरि है। ड्यूटी के दौरान लापरवाही या बिना सूचना के अनुपस्थित रहना किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसी के तहत पांच पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है और उनके खिलाफ विभागीय जांच के आदेश भी दिए गए हैं।

रोडवेज में होगी महिला परिचालकों की भर्ती, जल्द शुरू होगी प्रक्रिया

एनपीटी ब्यूरो

बरेली । महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए परिवहन निगम अनुबंध पर महिलाओं को परिचालक के पद पर रखेगा। इसमें राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, कौशल विकास मिशन, एनएसएस, एनसीसी कैडेट, स्काउट-गाइड को वरीयता मिलेगी। उन्हें पांच फीसदी अलग से आरक्षण दिया है।

भर्ती प्रक्रिया 8 अप्रैल को क्षेत्रीय कार्यशाला सेटेलाइट बस अड्डे पर रोजगार मेला लगाकर की जाएगी। आरएम दीपक चौधरी ने बताया कि शासन के निर्देश पर परिवहन निगम ने आउट सोर्सिंग के माध्यम से परिचालक भर्ती प्रक्रिया शुरू की है। पहले यह प्रक्रिया जनवरी से फरवरी माह के बीच होनी थी, लेकिन कुंभ के चलते यह पूरी नहीं हो सकी। अब शासन से इसे पूरा करने के लिए फिर से हरी झंडी मिल गई है।

आठ अप्रैल से भरे जाएंगे स्नातक सेमेस्टर परीक्षा के ऑनलाइन फॉर्म

एनपीटी ब्यूरो

बरेली। स्नातक विषम सेमेस्टर के परिणाम जारी होते ही रुहेलखंड विश्वविद्यालय ने सेमेस्टर की परीक्षा की तैयारी शुरू कर दी है। विश्वविद्यालय ने परीक्षा फार्म भरने की तिथि तय कर दी है। परीक्षा मई मध्य के बाद या फिर जून में शुरू हो सकती हैं।

परीक्षा नियंत्रक संजीव कुमार के मुताबिक नई शिक्षा नीति के तहत स्नातक स्तर पर संचालित बीए, बीएससी और

बीकॉम के द्वितीय, चतुर्थ और षष्टम सेमेस्टर के संस्थागत और बैक परीक्षा के फार्म 8 अप्रैल से ऑनलाइन भरे जाएंगे।

विद्यार्थी 24 अप्रैल तक फार्म भरने के साथ शुल्क जमा कर सकेंगे। 26 अप्रैल तक विद्यार्थियों को भरे हुए फार्म महाविद्यालय में जमा करने होंगे और महाविद्यालयों को ऑनलाइन फार्म सत्यापित करने होंगे

ई-केवाईस नही कराई तो राशन कार्ड से कट सकता है नाम

बरेली। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के तहत आच्छादित राशन कार्ड धारकों को 30 अप्रैल तक ई-केवाईसी करानी है। अब तक बरेली जिले के बहुत से लोगों ने ई-केवाईसी नहीं कराई है। 30 अप्रैल के बाद उनके नाम राशन कार्ड से हटाए जा सकते हैं। पूर्ति विभाग कोटेदारों के जरिये सत्यापन करवाकर ऐसे लोगों की सूची तैयार कर रहा है। राशन कार्ड का उपयोग सिर्फ राशन लेने तक सीमित नहीं। यह आपका पहचानपत्र होता है। इससे कई सरकारी योजनाओं का लाभ मिलता है। कई राज्यों में फर्जी तरह से बीपीएल कार्ड बनवाकर सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के मामले आए तो बरेली में भी दो वर्ष पूर्व सत्यापन की मुहिम चलाई गई थी। करीब दो हजार लोगों के राशन कार्ड काटे गए थे। कई जिलों से ऐसे मामले सामने आने पर केंद्र सरकार ने ई-केवाईसी की कवायद शुरू की।

हाईवे पर फ्लाईओवर का निर्माण शुरू, दो महीने से बंद पड़ा था काम

एनपीटी ब्यूरो

बरेली। सितारगंज हाईवे पर लभेड़ा में करीब दो महीने से बंद फ्लाईओवर का निर्माण फिर शुरू हो गया है। पिछले महीने एनएचएआई के सदस्य विशाल चौहान ने समीक्षा के दौरान फ्लाईओवर का निर्माण बंद होने की वजह पूछी थी तो बताया था कि फ्लाईओवर का काम रोककर सड़क चौड़ीकरण पर फोकस किया जा रहा है। इस पर सदस्य ने सड़क चौड़ीकरण के साथ ही फ्लाईओवर का काम भी शीघ्र शुरू कराने के निर्देश दिए थे।

वहीं रिठौरा में मुआवजे की वजह से फंसे अंडरपास की रिटेनिंग वॉल का निर्माण कार्य जारी है। एनएचएआई के पीडी प्रशांत दुबे ने बताया कि बरेली से सितारगंज तक 71 किलोमीटर हाईवे को टू से फोर लेन किया जाना है। खेतों से मिट्टी मिलने में दिक्कत की वजह से रिठौरा और हाफिजगंज में काम की रफ्तार धीमी होने पर ठेकेदार को निर्देश थे कि पहले अधिग्रहीत जमीन पर काम को आगे बढ़ाएं।

स्थापना दिवसः

भाजपा का स्थापना दिवसः प्रदेश अध्यक्ष बोले-

कार्यकताओं की मेहनत ने भाजपा को बनाया सबसे बड़ी पार्टी

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

लखनऊ । रविवार को भाजपा का स्थापना दिवस पार्टी कार्यकताओं ने पूरे उल्लास से मनाया। इस मौके पर संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि पार्टी अपने उद्देश्यों को पूरा करने में सफल रही है।

भाजपा का 45वां स्थापना दिवस रविवार को पार्टी के राज्य मुख्यालय समेत पूरे प्रदेश में धूमधाम से मनाया गया। कार्यकताओं ने जिला से लेकर बूथ स्तर तक भाजपा का झंडा फहराकर कार्यक्रम आयोजित किए। इन कार्यक्रमों में सांसद, विधायक और पदाधिकारियों व कार्यकताओं ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीन दयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया।

पार्टी के राज्य मुख्यालय में प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी और महामंत्री संगठन धर्मपाल समेत अन्य पदाधिकारियों ने झंडा फहराया और एक दूसरे को स्थापना दिवस की बधाई देकर मिठाई खिलाई। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि करोड़ो कार्यकताओं की मेहनत और बलिदान से आज भाजपा की पहचान विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक दल के रूप में है। उन्होंने राम नवमी और पार्टी के स्थापना दिवस की बधाई देते हुए कहा कि पार्टी कार्यकर्ता की सर्वोच्च प्राथमिकता राष्ट्र प्रथम और जन सेवा की है।

महामंत्री संगठन धर्मपाल ने कहा कि भाजपा का गठन जिन उद्देश्यों और संकल्पों के साथ हुआ था, उन्हें पूरा करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ हमने कार्य किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को खत्म करने का फैसला हो या अयोध्या में भव्य राममंदिर का निर्माण, पार्टी ने अपने संकल्पों को पूरा किया और जनता से किए वादों से पीछे नहीं हटे। उन्होंने कार्यकताओं का आह्वान किया कि वे पार्टी की विचारधारा के अनुरूप राष्ट्र सेवा व जनसेवा में सदैव अपनी भूमिका निभाते रहें।

कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष ब्रज बहादुर भारद्वाज, प्रदेश महामंत्री गोविंद नारायण शुक्ल, अनूप गुप्ता, संजय राय, प्रदेश मंत्री शंकर गिरी, अर्चना मिश्रा, शिवभूषण सिंह, प्रदेश मीडिया प्रभारी मनीष दीक्षित, प्रदेश प्रवक्ता मनीष शुक्ल, कार्यालय प्रभारी भारत दीक्षित, सह प्रभारी लक्ष्मण चौधरी, अतुल अवस्थी, राज्य मंत्री विजयलक्ष्मी गौतम, राज्यसभा सांसद बृजलाल सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता शामिल हुए।

संपादकीय

अनिवार्य सार्वजनिक प्रकटीकरण वक्त की मांग

ऐसे वक्त में जब न्यायपालिका में अधिक पारदर्शिता की मांग सार्वजनिक विमर्श में है, सुप्रीम कोर्ट के सभी वर्तमान न्यायाधीशों के द्वारा न्यायालय की वेबसाइट पर विवरण प्रकाशित करके अपनी संपत्ति का सार्वजनिक रूप से खुलासा करने पर सहमति व्यक्त करना सुखद ही है। निश्चय ही यह एक सार्थक पहल ही कही जाएगी। दरअसल, यह कदम न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के आवास में लगी आग में नोटों का जखीरा जलने के समाचार प्रकाश में आने के कुछ समय बाद उठाया गया है। उल्लेखनीय है घटना के समय वे दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश थे। निश्चय ही इस घटनाक्रम से समाज में अच्छा संदेश नहीं गया। दरअसल, वर्तमान परिपाटी के अनुसार न्यायाधीशों के लिये निजी संपत्ति का घोषणा पत्र प्रस्तुत करना एक स्वैच्छिक परंपरा है। जिसे अनिवार्य बनाने की मांग की जाती रही है। निश्चय ही न्याय व्यवस्था के संरक्षक होने के कारण इसके स्वैच्छिक रहने पर तमाम किंतु-परंतु हो सकते हैं। जनता हमेशा से ही पंच-परमेश्वरों की स्वच्छ-धवल छवि की आकांक्षा रखती है। दरअसल, न्यायाधीशों द्वारा संपत्ति के खुलासे का मुद्दा दशकों तक सार्वजनिक विमर्श में उठता रहा है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1997 में, सुप्रीम कोर्ट ने एक प्रस्ताव पारित किया था, जिसके अनुसार उसके सभी न्यायाधीशों को अपनी संपत्ति और देनदारियों की घोषणा देश की शीर्ष अदालत के मुख्य न्यायाधीश के समक्ष करनी थी। इसी प्रकार उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों को ये विवरण उनके राज्य के मुख्य न्यायाधीशों के समक्ष पेश करने थे। यहां ये उल्लेखनीय है कि इस प्रस्ताव के साथ एक शर्त भी जुड़ी थी कि ये घोषणाएं स्वैच्छिक और गोपनीय रहेंगी। लेकिन साथ ही सार्वजनिक विमर्श में यह मुद्दा भी रहा कि जनता भी इन जानकारियों को जानने की इच्छुक रहती है। वहीं दूसरी ओर वर्ष 2005 में सूचना के अधिकार अधिनियम को एक उम्मीद की किरण के रूप में देखा गया। लेकिन सूचना के अधिकार अधिनियम के एक प्रावधान में व्यक्तिगत जानकारी सार्वजनिक करने में छूट दी गई थी। तर्क दिया गया था कि जब तक व्यापक सार्वजनिक हित में जरूरी न हो, प्रकटीकरण में छूट दी जाए। दरअसल, इन प्रावधानों से न्यायाधीशों की संपत्ति की घोषणाओं की मांग करने वाले याचिकाकताओं के लिए एक अवरोध पैदा हुआ। यहां उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में अदालती कार्यवाही की लाइव स्ट्रीमिंग की अनुमति देते हुए कहा था कि सूर्य का प्रकाश वास्तव में सबसे अच्छा कीटाणुनाशक है। इस वक्तव्य के आलोक में न्यायाधीशों को भी अपनी संपत्ति के बारे में वास्तविक जानकारी सार्वजनिक परिदृश्य में रखने में कोई संकोच नहीं होना चाहिए। अन्यथा तथ्यों की परदादारी जनमानस के मन में कतिपय संशयों को भी जन्म दे सकती है। न्यायिक परिदृश्य में पारदर्शिता उजागर करने में विधायिका की सक्रिय भूमिका भी वक्त की मांग है। यहां उल्लेख करना समीचीन होगा कि विधि एवं न्याय विभाग की संसदीय समिति ने वर्ष 2023 में न्यायाधीशों के लिये अनिवार्य रूप से संपत्ति की घोषणा की सिफारिश की थी। लेकिन इस बाबत अभी तक कोई वैधानिक नियम नहीं बनाए गए हैं। निर्वाचित प्रतिनिधियों और नौकरशाहों को अपनी संपत्ति का सार्वजनिक खुलासा करना कानूनन अनिवार्य किया जा चुका है। ऐसे में आम जनमानस में धारणा बनी रहती है कि न्यायपालिका के बाबत भी कोई व्यवस्था होनी चाहिए। यह प्रश्न न्याय व्यवस्था की विश्वसनीयता और जबावदेही से भी जुड़ा है। यह सुखद होगा कि यदि ऐसी कोई पहल स्वयं न्यायपालिका की तरफ से होती है। न्यायपालिका हमेशा से समाज में पारदर्शिता व व्यावसायिक शुचिता की पक्षधर रही है। जनता इस कसौटी पर अपने पंच परमेश्वरों को भी खरा उतरता देखना चाहती है। निस्संदेह इस तरह के फैसले का दूरगामी प्रभाव भी होगा। इस दिशा में किसी भी पारदर्शी व्यवस्था का समाज में स्वागत ही होगा। ऐसे किसी भी कदम से उस आम आदमी के विश्वास को भी बल मिलेगा जो हर तरह के अन्याय व भ्रष्टाचार से तंग आकर उम्मीद की अंतिम किरण के रूप में न्यायालयों का रुख करता है। वह न्यायाधीशों को सत्य व सदाचारिता के प्रतीक के रूप में देखता है। वो न्याय देने वालों को न्याय की हर कसौटी पर खरा उतरना देखना चाहता है। यह न्याय की शुचिता की भी अनिवार्य शर्त है।

वक्फ विधेयक पर संसद ने अपनी मुहर लगा दी

यह स्पष्ट है कि वक्फ इस्लाम की व्यवस्था है, लेकिन अगर ऐसा है भी, तो यह देश के कानून पर बिल्कुल भी लागू नहीं होता है। वक्फ की संपत्ति या अन्य लेनदेन को संभालने के इतिहास में कई बार समझौता किया गया है, और कई उच्च न्यायालयों ने वक्फ के खिलाफ फैसला सुनाया है। अभी भी जरूरत पड़ने पर वक्फ बोर्ड को भंग करने और उसके मामलों को प्रशासक को सौंपने की वैधानिक सुविधा है। अर्थात, वक्फ विनियमन के लिए कानून पर्याप्त हैं। लेकिन एक नए कानून की आवश्यकता के पीछे का मकसद निस्संदेह राजनीतिक है। यह इतना स्पष्ट लगता है कि सरकार वक्फ का नाम भी बदलना चाहती है।

वक्फ विधेयक पर संसद ने अपनी मुहर लगा दी है। लोकसभा के बाद राज्यसभा में भी गुरुवार को 12 घंटे से अधिक चली मैराथन बहस के बाद इसे पारित कर दिया गया। विधेयक के समर्थन में 128 और विरोध में 95 वोट पड़े। राज्यसभा में विधेयक को लेकर वैसे तो भारी हंगामा और विपक्ष के कड़े विरोध की उम्मीद थी, लेकिन लोकसभा में विधेयक पारित होने और सरकार की ओर से विधेयक को मुस्लिमों के हित में होने को लेकर जिस तरह के तर्क दिए गए, उससे शायद विपक्ष के हौसले थोड़े पस्त थे। यही वजह थी कि सदन में विधेयक पेश होने के दौरान विपक्ष ने किसी तरह की टोकाटाकी या शोरशराबे से भी परहेज किया।

लोकसभा व राज्यसभा की कार्यवाही में जो बातें निकल कर सामने आई उनके अनुसार वक्फ बोर्ड के पास देश के विभिन्न राज्यों में लाखों एकड़ भूमि और संपत्ति है, जिसकी कीमत कई लाख करोड़ रुपये है। संपत्ति का आदान-प्रदान कैसे किया गया था? उसे कौन फायदा पहुंचाता है, इससे आम लोगों को कैसे फायदा होता है, वक्फ जमीन कौन खरीदता है और उसका कारोबार कैसे होता है, यह वर्षों से एक रहस्य बना हुआ था। अब, वक्फ संशोधन विधेयक के साथ, सरकार द्वारा इसकी निगरानी की जाएगी। मुट्ठी भर लोग मनमाने ढंग से करोड़ों रुपये की संपत्ति का लेन-देन नहीं कर सकते। अब तक, वक्फ बोर्ड की संपत्ति पर किसी का नियंत्रण नहीं था। वक्फ बोर्ड ने भी अपनी जमीन पर दावा किया। वक्फ बोर्ड द्वारा दावा की गई भूमि और वक्फ बोर्ड के कब्जे के सैकड़ों मामले आज अदालत में लंबित हैं। कांग्रेस जब सत्ता में थी तो उसने हमेशा वक्फ बोर्ड के पक्ष में ऐसे फैसले लिए थे ताकि मुस्लिम वोट बैंक नाराज न हो। वक्फ बोर्ड के कामकाज को अनुशासित करने, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने और इसके कामकाज में पारदर्शिता लाने के लिए, केंद्र ने वक्फ संशोधन विधेयक लाया और इसे चर्चा के लिए संसद के समक्ष रखा। संशोधन विधेयक का उद्देश्य वक्फ बोर्ड की संपत्ति की रक्षा और उचित निपटान करना है। एक बार संशोधन विधेयक कानून बन जाने के बाद, वक्फ बोर्ड सरकारी मशीनरी के माध्यम से अपनी संपत्ति के रिकॉर्ड को डिजिटाइज करने के लिए बाध्य होगा। रखा जाएगा। वक्फ बोर्ड

को अपनी वित्तीय और प्रशासनिक रिपोर्ट नियमित रूप से प्रस्तुत करनी होगी। जब संशोधन विधेयक में ये सभी अच्छी बातें हैं तो विपक्षी दल विशेषकर कांग्रेस, सपा, तृणमूल कांग्रेस, द्रमुक, सपा सांप की तरह जमीन क्यों खोद रहे हैं?

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने बार-बार कहा है कि सरकार किसी की धार्मिक भावनाओं को आहत करने की कोशिश नहीं कर रही है। वहां गैर-मुस्लिमों की नियुक्ति नहीं की जाएगी। फिर भी भाजपा विरोधी कह रहे थे कि वक्फ संशोधन विधेयक मुसलमानों के खिलाफ है। सरकार ने बार-बार कहा है कि धार्मिक संबंधों को उनसे नहीं जोड़ा जाना चाहिए, लेकिन असदुद्दीन ओवैसी से लेकर अखिलेश यादव तक विपक्षी दलों के नेता मुस्लिम वोट बैंक को ध्यान में रखते हुए ताहो तोड़ते देखे गए।

उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि मुसलमानों का गुस्सा सड़कों पर प्रकट होगा। वास्तव में, कुछ भी नहीं हुआ। मुसलमान बेहतर शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य देखभाल चाहते हैं। विपक्ष इसके बारे में एक शब्द नहीं बोलता है। यहां तक कि जब केंद्र सरकार ने सीएए लागू किया, तब भी विपक्षी दलों को डर था कि मुसलमान अपनी नागरिकता खो देंगे। लोकसभा में ही जब अमित शाह ने यह सवाल पूछा तो हर कोई विपक्ष की बेंच पर चुपचाप बैठा दिखाई दिया। यहां तक कि जब तीन तलाक प्रथा को खत्म कर दिया गया था, तब भी विपक्षी दलों ने मोदी सरकार और भाजपा पर मुस्लिम विरोधी होने और मुसलमानों के धार्मिक मुद्दों में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया था। वक्फ संशोधन विधेयक इस बात का एक और उदाहरण है कि वे कैसे एकजुट होते हैं।

सरकारी संपत्ति पर अब वक्फ का स्वामित्व नहीं रहेगा। यदि संपत्ति का विवाद है, तो जिला मजिस्ट्रेट के पास अब इसे हल करने की शक्ति होगी। केंद्र सरकार वक्फ के पंजीकरण, लेखांकन और लेखा परीक्षा के लिए नियम बनाएगी। सरकार को सरकारी संपत्ति सरकार को वापस करनी होगी। हम वक्फ अधिनियम के संशोधन को स्वीकार नहीं करेंगे। विपक्ष के कुछ नेताओं ने इस तरह के बेतुके बयान दिए हैं। लेकिन अमित शाह ने साफ कर दिया है कि कानून संसद ने बनाया है और यह देश में सभी के लिए बाध्यकारी होगा। चंद्रबाबू नायडू के तेलुगू देशम और नीतीश कुमार के जनता दल (यूनाइटेड) ने सरकार से आग्रह किया है कि वह पूर्वव्यापी प्रभाव न रखे, कि सरकार को मस्जिदों, दरगाहों और मुस्लिम धार्मिक स्थलों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए और राज्यों को विश्वास में लिया जाना चाहिए क्योंकि भूमि राज्य का विषय है।असदुद्दीन ओवैसी ने लोकसभा में बहस के दौरान बिल की कॉपी फाड़ते हुए कहा कि वक्फ संशोधन बिल मुस्लिम विरोधी है, मुस्लिमों को गौण नागरिकता देने से बीजेपी देश को बांटना चाहती है।यह देश के लिए खतरनाक है। सरकार को ऐसी प्रवृत्तियों से समयबद्ध तरीके से निपटना चाहिए।

इसका एक दूसरा पहलू भी है । 'वक्फ' का अर्थ है कि इस्लाम के विश्वासी अपनी संपत्ति का एक हिस्सा अल्लाह के नाम पर दान करते हैं। यह नकद या अचल संपत्ति के रूप में भी किया जा सकता है। एक बार जब यह दान अल्लाह के नाम पर दिया जाता है, तो किसी और को दान, विरासत आदि के रूप में इसका अधिकार नहीं है। यह परंपरा सैकड़ों साल पुरानी है। इससे अंदाजा होगा कि यह उन मुसलमानों के बीच कितना होगा जो सुधार की हवा में नहीं हैं। इसमें कोई आश्चर्य नहीं है कि वक्फ मंडल, हालांकि, उत्तरोत्तर अमीर हो गए, चाहे उनका धर्म कुछ भी हो, एक बार जब वे जमा हो गए, धन पैदा हो गया, अनियमितताएं हुईं। यही बात वक्फ बोर्ड में भी हुई। आज, कितने लोग जो इस बिल को लाने के लिए सरकार को कोस रहे थे, उन्होंने वक्फ को रोक दिया जब इसे अंबानी की 27 मंजिला संपत्ति के लिए उपलब्ध कराया गया था? या कम से कम इसे रोकने की कोशिश की? यह उदाहरण इसलिए दिया जाता है क्योंकि जब धन, धन, जमीन और जुमला की बात आती है, तो अनियमितताओं के मुद्दे पर सभी धर्मों की समानता इतनी स्पष्ट है कि सरकार इन जमीनों को नियंत्रित करने के उद्देश्य से वक्फ संशोधन विधेयक लेकर आई, जो सत्तारूढ़ अभिजात वर्ग के सभी शक्ति केंद्रों को अपने हाथों में रखने के रवैये को दर्शाता है। यह बिल निश्चित रूप से इस्लाम धर्म में हस्तक्षेप नहीं करता है, लेकिन यह इस्लाम धर्म के धन प्रबंधन में हस्तक्षेप करता है। लेकिन बस के रूप में यकीन है। यदि हां, तो इस्लाम इस बिल का विरोध क्यों कर रहा है? इस सवाल का जवाब है दूसरे धर्मों और उनके इतिहास के प्रति सरकार का रवैया । इस तथ्य को देखते हुए दोनों पक्षों की दुविधा से बचना जरूरी है।

यह स्पष्ट है कि वक्फ इस्लाम की व्यवस्था है, लेकिन अगर ऐसा है भी, तो यह देश के कानून पर बिल्कुल भी लागू नहीं होता है। वक्फ की संपत्ति या अन्य लेनदेन को संभालने के इतिहास में कई बार समझौता किया गया है, और कई उच्च न्यायालयों ने वक्फ के खिलाफ फैसला सुनाया है। अभी भी जरूरत पड़ने पर वक्फ बोर्ड को भंग करने और उसके मामलों को प्रशासक को सौंपने की वैधानिक सुविधा है। अर्थात, वक्फ विनियमन के लिए कानून पर्याप्त हैं। लेकिन एक नए कानून की आवश्यकता के पीछे का मकसद निस्संदेह राजनीतिक है। यह इतना स्पष्ट लगता है कि सरकार वक्फ का नाम भी बदलना चाहती है।

यह सरकार छोटे रूपों की आदी है। यह नए 'वटएऊ' (एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तिकरण, दक्षता और विकास) भी नाम में दिखाई देता है। यह भारतीय दंड संहिता के स्थान पर न्याय संहिता, योजना आयोग और नीति आयोग लाने के समान है। वैसे भी, इस बात पर असहमति है कि क्या गैर-इस्लामी व्यक्ति इस नए कानून में वक्फ को विनियमित कर सकते हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्ष के आरोप को खारिज कर दिया। हालांकि, इस मुद्दे की विवादास्पद स्थिति से इनकार नहीं किया जा सकता है। सरल प्रश्न यह है कि कल को तिरुपति में बालाजी या केदारनाथ या किसी अन्य हिंदू मंदिर का प्रबंधन होगा। यह जाएगा या क्या? यह मुद्दा केवल हिंदुओं पर लागू नहीं होता है। पारसियों या ईसाइयों के बारे में क्या? क्या यही अधिकार उनकी संस्थाओं को दिया जाएगा? शैक्षणिक प्रणाली में भी, वक्फ बोर्ड के सदस्यों को सरकार द्वारा नियुक्त किया जाता है। वर्तमान में, यह उप सचिव रैंक के एक अधिकारी द्वारा विनियमित किया जाता है। नए कानून के तहत, यह जिम्मेदारी संयुक्त सचिव रैंक के एक अधिकारी को दी जाएगी। तो इस नए बदलाव के साथ क्या होगा?

नए कानून के बारे में वास्तव में आपत्तिजनक बात यह है कि गैर-मुस्लिम व्यक्तियों द्वारा वक्फ के लिए दान करने पर प्रतिबंध है। क्यों? अगर कोई मुसलमान या ईसाई या पारसी या बौद्ध हिंदू संस्थाओं को कुछ दे सकता है, तो क्या सरकार यह सोचती है कि इस्लाम की संस्था को इसकी अनुमति नहीं है। क्या सरकार सोचती है कि एक गैर-इस्लामी व्यक्ति वक्फ के लिए कुछ नहीं करना चाहता? अगर आप इतना सख्त रेगुलेशन बनाना चाहते हैं तो एक नियम बना दीजिए कि मुसलमान अब हिंदू देवी-देवताओं को कोई तोहफा नहीं दे पाएंगे। ऐसा नहीं है। हिंदू हर किसी से सब कुछ पा सकते हैं। मुसलमान नहीं। यह संविधान द्वारा गारंटीकृत स्वतंत्रता का उल्लंघन भी प्रतीत होता है।

कल, अगर अदालत इस प्रावधान को अवैध घोषित करती है, तो अदालतें हिंदू विरोधी के कई बेवकूफ आरोप लगाएंगी। लेकिन ऐसे स्वतंत्र नियम क्यों बनाए जाने चाहिए? साथ ही, अगर कोई धर्मांतरण करता है, तो उसे वक्फ के लिए कुछ समय इंतजार करना होगा और अपनी इस्लामी वफादारी साबित करनी होगी। क्या सरकार मंदिरों या अन्य धार्मिक संस्थानों में नियुक्तियां करते समय उनकी धार्मिक अखंडता की जांच करती है? यदि नहीं, तो यह नियम केवल मुसलमानों के लिए ही क्यों है? कल वह भी कोर्ट का दरवाजा खटखटा सकते हैं।

नवीय रचनात्मकता को एआई टूल्स की चुनौती

कार्टून या एनिमेशन स्ट्रिप बनाने में सैकड़ों घंटों की मेहनत खपती है। इसलिए, श्रेय और पैसा सृजनकारों का नैसर्गिक हक है। एआई कंपनियां वह करने में लगी हैं, जिसे आलोचक डाटा-चोरी कहते हैं और ऐसा करके वे सृजनकर्ता के श्रेय और पैसा, दोनों पर डाका डाल रही हैं।

डिजिटल दुनिया में एक नया चलन जोर पकड़ रहा है। उपयोगकताओं ने एक्स, इंस्टाग्राम और फेसबुक जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एआई तकनीक की मदद से प्रसिद्ध जापानी एनिमेटर हयाओ मियाजाकी की शैली में निर्मित अपनी, परिजनों और अन्य तस्वीरों की बाढ़-सी ला रखी है। मियाजाकी सुप्रसिद्ध घिबली स्टूडियो के संस्थापक हैं, जिसने पिछले चार दशकों में जाने-माने एनिमेशन चरित्रों को पैदा किया है। हल्के, पेस्टल रंगों में पात्रों को चित्रित करने की विशिष्ट शैली को घिबली कला के रूप में जाना जाता है। हालांकि, उपयोगकताओं द्वारा ऑनलाइन पोस्ट की जा रही कला मूल घिबली न होकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) टूल्स का उत्पाद है, जो कि परीक्षण के आधार पर मुफ़्त में उपलब्ध है। राजनेता, फैशन और खेल जगत के स्थापित चेहरे और मशहूर हस्तियों सहित लाखों उपयोगकर्ता इस शैली में चित्र बनाने के लिए एआई टूल्स का उपयोग कर रहे हैं।

हालांकि जेनेरेटिव एआई टूलझ्र जो इस सामग्री को बनाने में उपयोग किए जा रहे हैं झ्र पिछले कुछ सालों से वजूद में हैं, लेकिन वर्तमान चलन की चिंगारी को ओपन एआई द्वारा विकसित एक नए टूल्स ने भड़काया है। चैट जीपीटी हो या बृहद भाषा मॉडल (लार्ज लैंग्वेज मॉडल अर्थात एलएलएम), ये टूल्स चंद शब्दों वाली निदेर्शावली (टेक्स्ट) के आधार पर विस्तृत लेख, पुस्तक अध्याय, सोशल मीडिया पोस्ट इत्यादि वांछित सामग्री उत्पन्न कर देते हैं। नवीनतम मल्टीमॉडल जेनेरेटिव एआईटूल इनपुट के रूप में टेक्स्ट, तस्वीर, वीडियो, आवाज और संगीत के नमूने का उपयोग करते हुए वांछित आउटपुट को चित्र और वीडियो के रूप में निर्मित करके दे सकते हैं। मिडजर्नी, स्टेबल डिफ्यूजन और डीएएलएल-ई जैसे टूल इनपुट के रूप में टेक्स्ट से सचित्र आउटपुट पैदा कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, यदि कोई डीएएलएल-ईको एमएफ हुसैन या जैमिनी रॉय की शैली में दिल्ली की सड़क की पेंटिंग बनाने का निर्देश दे, तो वह कुछ सेकंड के भीतर बनाकर पेश कर देगा। ह्यलेंसाह्ल जैसे इमेज-टू-इमेज टूल भी हैं जो इनपुट छवियों के बदले छवि या उसका सुधरा संस्करण प्रदान कर सकते हैं। घिबली शैली में उत्पन्न छवियों ने लोगों की कल्पना को इसलिए भी अपनी ओर खींचा है क्योंकि वे बहुत मासूम और मजेदार

दिखती हैं। हालांकि, इस मासूमियत के तले टेक्स्ट और इमेज-जेनेरेटिव एआई सिस्टम से संबंधित गंभीर नैतिकता के मुद्दे छिपे हुए हैं।

कोई भी एआई सिस्टम विभिन्न स्रोतों से एकत्र किए गए वास्तविक डाटा पर काम करता है। एआई टूल्स को प्रशिक्षित करने में भारी मात्रा में डाटा (टेक्स्ट, इमेज, संगीत इत्यादि) की जरूरत पड़ती है। यदि किसी एलएलएम को अमिताभ घोष या रस्किन बॉन्ड की शैली में एक छोटी-सी कहानी बनाने के लिए कहा जाए तो इसे वह इन लेखकों की तमाम रचना का भारी-भरकम डाटा खंगालने के बाद उत्पन्न करता है। इस सामग्री का अधिकांश हिस्सा कॉपीराइट वाला होता है, और एआई कंपनियों ने अपने सिस्टम को ह्यप्रशिक्षितह्ल करने के लिए लेखकों से इसके लिए समुचित अधिकार खरीदे नहीं होते। यही बात घिबली स्टूडियो सरीखी या हुसैन जैसे उस्तादों की पेंटिंग्स बनाने पर लागू है।

एआई कंपनियां दावा करती हैं कि वे केवल सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध डाटा का ही उपयोग कर रही हैं, लेकिन उनके इस दावे को सृजनकर्ता पचा नहीं पा रहे। कॉपीराइट कानूनों में अंतर्निहित ह्यउचित इस्तेमालह्ल प्रावधान का दुरुपयोग यह तकनीक बनाने वाली कंपनियां कर रही हैं। इस तरह के उल्लंघन से निपटने के लिए मौजूदा कॉपीराइट ढांचे अपर्याप्त हैं। उत्तरी अमेरिका और यूरोप की अदालतों में तकनीक बनाने वाली कंपनियों के खिलाफ मामले पहले से चल रहे हैं।

दरअसल, जेनेरेटिव एआई रचनात्मकता के मूल विचार पर हमला कर रहा है। पेंटिंग हो या कोई किताब, कार्टून चरित्र या फिर संगीत का मुखड़ा, यह सब किसी कलाकार की रचनात्मक अभिव्यक्ति के स्वरूप हैं। यह सभी सांस्कृतिक उत्पाद हैं, जो व्यक्तिगत अनुभव और संदर्भ से उत्पन्न हुए होते हैं। उदाहरण के लिए, घिबली स्टूडियो का काम जापानी समाज और संस्कृति का एक नमूना है, यह ठीक वैसा है जैसा कि वॉल्ट डिजनी स्टूडियो की रचनाएं अमेरिकी संस्कृति को दशार्ती हैं।

ऐसे रचनात्मक कार्यों को किसी मशीन या एआई सिस्टम को बनाने के लिए सौंप देना मानवीय रचनात्मकता और जुनून के मूल विचार के विरुद्ध है। एक कलाकार को एक पेंटिंग पूरी करने में महीनों लग सकते हैं या एक लेखक को एक उपन्यास अथवा गैर-काल्पनिक किताब लिखने में कई साल लग सकते हैं। कार्टून या एनिमेशन स्ट्रिप बनाने में सैकड़ों घंटों की मेहनत खपती है। इसलिए, श्रेय और पैसा सृजनकारों का नैसर्गिक हक है। एआई कंपनियां वह करने में लगी हैं, जिसे आलोचक डाटा-चोरी कहते हैं और यह करके वे सृजनकर्ता के श्रेय और पैसा, दोनों पर डाका डाल रही हैं। प्रत्येक नए जेनेरेटिव मॉडल बनने के साथझ्र जो सृजनकताओं के अनगिनत काम और मेहनत पर आधारित होता हैझ्र एआई कंपनियों की दौलत में खरबों डॉलर का इजाफा हो जाता है। वे इन मॉडलों को प्रति संस्करण हजारों डॉलर मूल्य में दुनिया भर के उपयोगकताओं को बेच रही हैं, जबकि मूल सृजनकर्ता के पल्ले कुछ नहीं पड़ता। इमेज जेनेरेटर खुद कलाकार नहीं हैं, लेकिन कलाकारों के लिए एक चुनौती हैं।

एआई टूल के मुफ़्त संस्करणों के उपयोग से निर्मित छवियों के साथ डिजिटल दुनिया में मची रेलमपेल, जैसा कि घिबली कला के मामले में हुआ पड़ा है, प्रौद्योगिकी कंपनियां ऐसी मशीन-जेनेरेटेड कला को सामान्य बनाना चाहती हैं। व्यावसायिक फिल्म स्टूडियो और नेटवर्क उन्हें सिर्फ श्रम लागत बचाने की गर्ज से अपना रहे हैं। वे एनिमेटरों की फौज को काम पर रखने की बजाय एआई तकनीक में पारंगत चंद लोगों से काम चलाने लगी हैं। इस प्रवृत्ति से भारत में भी खतरे की घंटी बज जानी चाहिए, क्योंकि हजारों भारतीय तकनीकी विशेषज्ञ हॉलीवुड स्टूडियो के लिए आउटसोर्स ठेके पर एनिमेशन कार्य में लगे हुए हैं। हालांकि, वे भी कंप्यूटर ग्राफिक्स और अन्य टूल्स का उपयोग करते हैं। लेकिन जेनेरेटिव एआईटूल स्वचालित होने की वजह से सब कुछ बनाना किसी दूसरे ही स्तर पर पहुंच चुका

भाजपा प्रदेश भर में मनाएगी स्थापना दिवस, होंगे विविध कार्यक्रम; 13 अप्रैल तक चलेगा ये अभियान

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

लखनऊ। भाजपा के 45वें स्थापना दिवस समारोह पर प्रदेश में अलग-अलग तरह के आयोजन होंगे। पूरे सप्ताह भर कई तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

भाजपा के 45वें स्थापना दिवस पर प्रदेश ईकाई की ओर से रविवार को प्रदेश भर में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर पार्टी कार्यकर्ता प्रदेश भर में पार्टी कार्यालयों को सजाने के साथ ही अपने घरों पर पार्टी का झंडा लगाएंगे। वहीं, जिला स्तर पर भाजपा की सफल यात्रा से संबधित प्रर्दशनी भी लगाई जाएगी।

प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने शनिवार को पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में पत्रकारों को बताया कि स्थापना दिवस को लेकर मनाए जाने वाले कार्यक्रमों के दौरान चरणवार अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित होंगे। उन्होंने पार्टी की स्थापना से लेकर अब तक की प्रदेश भाजपा

की यात्रा की चर्चा करते हुए कहा कि कार्यकताओं की मेहनत की वजह से भाजपा आज देश की सबसे बड़ी पार्टी है।

सप्ताह भर होंगे ये कार्यक्रम

प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि छह अप्रैल को सभी पार्टी कार्यालयों पर सजावट की जाएगी। सात अप्रैल को प्रत्येक बूथ पर कार्यकर्ता डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पं. दीनदयाल उपाध्याय व भारतमाता का चित्र लगाकर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। आठ व नौ अप्रैल को प्रदेश के हर विधानसभा क्षेत्र में सक्रिय सदस्य सम्मेलन होंगे। इसमें भाजपा के चुनावी व संगठनात्मक विस्तार, भारतीय राजनीति में भाजपा द्वारा लाया गया परिवर्तन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 11 वर्षों में विकसित भारत की यात्रा पर चर्चा होगी। वहीं, 10 से 13 अप्रैल तक पार्टी गांव चलो अभियान चलाएगी।

सात सदस्यीय समिति गठित

चौधरी ने बताया कि बूथ पर आयोजित कार्यक्रमों में बूथ समिति के सदस्य और पन्ना प्रमुखों, प्राथमिक व सक्रिय सदस्य व वरिष्ठ कार्यकर्ता शामिल होंगे। स्थापना दिवस कार्यक्रमों के लिए एक समिति का गठन किया गया है। प्रदेश के महामंत्री संजय राय को इसका संयोजक बनाया गया है। दिनेश शर्मा, मानवेन्द्र सिंह, त्रयम्बक त्रिपाठी, प्रदेश मंत्री शंकर गिरि, अर्चना मिश्रा, शिव भूषण सिंह को समिति का सह संयोजक बनाया गया है।

सपा सरकार में होती थी बंदरबाट

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा प्रदेश सरकार पर लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोप पर भूपेंद्र चौधरी ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि सपा सरकार में लूट और अपराध की चर्चा आज भी लोगों की जुबान पर है। सरकारी धन का जमकर बंदरबाट होता था। सपा ने हमेशा समाज बांटने की राजनीति की है। भाजपा की केंद्र या प्रदेश सरकार पर भ्रष्टाचार का कोई आरोप नहीं है।

प्राण प्रतिष्ठा के बाद पहली बार राम मंदिर पहुंचे अवधेश प्रसाद, बोले राम की वजह से बना सांसद

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

अयोध्या। रामनवमी के मौके पर अयोध्या के सांसद अवधेश प्रसाद राम मंदिर दर्शन करने पहुंचे। उन्होंने कहा कि मैं राम की कृपा से ही सांसद बना हूं।

राम नवमी के मौके पर अयोध्या से सांसद अवधेश प्रसाद मंदिर दर्शन करने पहुंचे। अमर उजाला से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि मेरे नाम में ही राम का नाम है। मेरे परिवार के कई लोगों के नाम में राम है। मेरा इस मंदिर से रिश्ता आज का नहीं है। जब मैं यहां पढ़ाई करता था तब से प्रभु के दर्शन के लिए यहां आया करता था।

अवधेश प्रसाद ने कहा कि मैं अपने को मैं सौभाग्यशाली मानता हूं कि मेरा जन्म यहीं हुआ। मेरा बाबा, पिता और भाई सबके नाम में राम का नाम है। राम की कृपा से ही मैं अयोध्या से सांसद हूं। उसकी चर्चा पूरी दुनिया में है।

यूपी में झुलसाने लगी गर्मी... कई जिलों में पारा 40 डिग्री के पार, लू के थपेड़ों की चेतावनी

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

लखनऊ । यूपी में गर्मी झुलसाने लगी है। कई जिलों में पारा 40 डिग्री के पार पहुंच चुका है। दिल्ली एवं आगरा से सटे 10 जिलों के लिए लू के थपेड़ों की चेतावनी जारी की गई है। पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है। आठ अप्रैल से पुरवाई चलने के साथ बूंदाबांदी के आसार हैं।

उत्तर प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में झुलसाने वाली गर्मी पड़नी शुरू हो गई है। पश्चिमी यूपी और दिल्ली से सटे कई जिले लू की चपेट में हैं। अगले दो दिनों तक फिलहाल तेज धूप और गर्मी से कोई राहत नहीं मिलने वाली। रात के पारे में भी बढ़ोतरी आएगी।

मौसम विभाग की ओर से सोमवार को आगरा और दिल्ली से सटे लगभग 10 जिलों गाजियाबाद, हापुड़, गौतम बुद्ध नगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, आगरा, फिरोजाबाद और आसपास के इलाकों में लू

चलने की चेतावनी जारी की गई है।

तराई इलाकों में बूंदाबांदी के आसार

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक आठ अप्रैल से एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है। इसके असर से पुरवा हवाएं चलेंगी। तराई इलाकों में बूंदाबांदी के आसार हैं।

पुलिस उत्पीड़न से त्रस्त श्रद्धालु ने सोशल मीडिया पर निकाली भड़ास, बोला- नहीं आएं वृंदावन

मथुरा। वृंदावन के मंदिरों में भीड़ नियंत्रण और व्यवस्था संभालने के बजाय पुलिसकर्मी मोबाइल में व्यस्त रहते हैं। जब कोई श्रद्धालु उनसे व्यवस्था में सुधार को कहे तो वह उसे चोरों की तरह परिवार के सामने पीटते हैं। मंदिरों में वीआइपी दर्शन कराने के नाम पर रुपये लिए जाते हैं। श्रद्धालुओं से अपील है कि वृंदावन में परिवार के साथ दर्शन करने नहीं आना। पीड़ा सुनाते हुए रो रहे श्रद्धालु का इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है।श्रद्धालु कहता है कि नव संवत्सर (तीस मार्च) पर सुबह मंदिर में परिवार के साथ दर्शन करने आया था। बांकेबिहारी मंदिर में एक महिला श्रद्धालु की हालत बिगड़ी। उसे बचाने का जतन किया। फिर कहा कि बांकेबिहारी व अन्य मंदिरों में वीआइपी दर्शन के नाम पर रुपये लिए जाते हैं। ठाकुर राधावल्लभ मंदिर में सुबह 10:30 बजे गेट पर कुर्सी पर बैठे चार पुलिसकर्मी मोबाइल पर रील देख रहे थे। एक महिला पुलिसकर्मी ने हेडफोन लगा रखा था। जब उन्होंने व्यवस्था पर ध्यान न देने को लेकर शिकायत की तो उसे पकड़ लिया। एकांत में ले जाकर जमकर पीटा। उसने लोगों से परिवार के साथ वृंदावन न आने की अपील की। उन्होंने कहा कि पुलिस कभी भी उनके साथ अभद्रता कर सकती है। श्रद्धालु ने 3.40 मिनट के वीडियो में बताया उसने पुलिस की ज्यादती की शिकायत सीएम व डीजीपी से की है। उसे चोट भी लगी है। सीओ सदर संदीप कुमार ने बताया कि झगड़ा होने पर वह भी मौके पर पहुंचे थे। श्रद्धालु वहां से चला गया था। उसने जाने के बाद वीडियो प्रसारित किया है। इसकी जांच की जा रही है।

बांके बिहारी मंदिर में चोरी,गुल्लक से पार किए लाखों रुपये, बैंककर्मी रंगे हाथ गिरफ्तार

मथुरा। वृंदावन के प्रसिद्ध बांके बिहारी मंदिर में चोरी की बड़ी घटना हुई। मंदिर की गुल्लक से लाखों रुपये चोरी कर लिए गए। घटना का खुलासा शनिवार को हुआ, जब बैंककर्मी को चोरी करते हुए रंगेहाथ दबोच लिया गया। जानकारी के अनुसार आरोपी ने मंदिर की गुल्लक से बड़ी राशि चुराई और उसे अपने पास रख लिया। शनिवार को कुछ सेवायतों ने उसे संदिग्ध गतिविधि करते हुए देखा और तत्काल मंदिर प्रशासन को सूचित किया। मंदिर प्रशासन ने आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने आरोपी बैंककर्मी से पूछताछ शुरू कर दी है और उसकी पहचान भी सार्वजनिक कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपी के पास से चोरी की गई रकम भी बरामद की है।

मथुरा में नए बस स्टैंड पर टोंटी उगल रहीं खौलता पानी

मथुरा। नए रोडवेज बस स्टैंड पर यात्रियों को खारा और गर्म पानी पीने को मजबूर होना पड़ रहा है। ये सरकारी व्यवस्था का स्याह सच है। बाकायदा टिकट लेकर यात्री रोडवेज बसों में सफर करते हैं, लेकिन उनकी सुविधाओं पर अफसर ध्यान नहीं दे रहे हैं। बस स्टैंड पर पानी की बेहतर व्यवस्था नहीं है। टंकी से टोंटियों में गर्म खौलता पानी आ रहा है। पांच में से दो टोंटी बंद पड़ी हैं। अप्रैल की शुरूआत में ही गर्मी अपना असर दिखाने लगी है। बस स्टैंड पर इन दिनों नरी सेमरी मेले में जाने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है, लेकिन श्रद्धालुओं के साथ अन्य यात्रियों को यहां टिनशेड के नीचे गर्म हवा और गर्म पानी ही नसीब हो रहा है। बस स्टैंड पर शनिवार को अलग-अलग रूटों पर जाने वाले यात्री बस का इंतजार कर रहे थे। निगम के अधिकारियों ने यात्रियों के पीने के पानी के लिए पांच टोंटियां लगवाई हैं, लेकिन इसमें से तीन टोंटी पानी दे रही हैं वह भी खारे के साथ गर्म पानी उगल रही हैं।

कोतवाली में पूजा अर्चना कर हुआ कन्या पूजन व प्रसाद वितरण

उत्तर प्रदेश रामपुर शाहबाद। कोतवाली स्थित मंदिर पर श्रीराम नवमी पर पूरे बिधि विधान से हवन पूजन के साथ मनाई गई चैत्र नवरात्रि। कोतवाली मे पूजा अर्चना हुई महानवमी जिसमें मां सिद्धिदात्री की पूजा का विधान है।इस तिथि को मयार्दा पुरुषोत्तम राम भगवान श्रीराम का जन्म हुआ था,जिसे राम नवमी के रूप में मनाया जाता है।रामलला के जन्मोत्सव की खुशी में मन्दिरों व घरों में पूजा अर्चना व कन्या पूजन कर प्रसाद वितरण किया गया।वहीं कोतवाली प्रभारी निरीक्षक पंकज पंत ने भी कोतवाली परिसर में बने मंदिर में वरिष्ठ उप निरीक्षक कुलदीप सिंह तोमर,उप निरीक्षक आदेश कुमार,अमित कुमार व भारी मात्रा मे स्टाफ के साथ मिलकर पूरे विधि विधान के साथ पूजा अर्चना की गई।इसके पश्चात कन्यापूजन कर प्रसाद वितरण किया गया।

शाहाबाद मंडी में गेहूं खरीद क्रय केंद्रों का तहसीलदार ने किया निरीक्षण

उत्तर प्रदेश रामपुर शाहबाद।रविवार को शाहाबाद मंडी में गेहूं खरीद केंद्रों का निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान मंडी सचिव और नायब तहसीलदार शाहाबाद उपस्थित रहे। मंडी में सभी सेंट्रो पर गेहूं क्रय किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान मंडी में पानी की व्यवस्था सही पाई गई। मंडी में उपस्थित किसानों से वार्ता की गई किसानों के द्वारा बताया गया कि गेहूं खरीद में उन्हें किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं है ।मंडी प्रांगण में लगा हुआ एक आर ओ खराब पाया गया जिसे मंडी सचिव को तत्काल सही कराए जाने के निर्देश दिए गए। तहसीलदार शाहाबाद

बाल-बाल बचे कांग्रेस युवा नेता शाजमान आर्यन

उत्तर प्रदेश रामपुर शाहबाद।नगर में स्थिर बजरंग चौक पर शाजमान आर्यन की लेडीज शूज की दुकान है सुबह के समय वह अपनी दुकान खोल रहे थे साफ सफाई कर रहे थे छत पर लगा पंखा चल रहा था अचानक चलते-चलते ऊपर से गिर गया जिसमें कांग्रेस नेता शाजमान आर्यन दुकान के बाहर सफाई कर रहे थे और बार-बार बचे सामने लगे सीसीटीवी में सब रिकॉर्ड हुआ

राया पुलिस व स्वाट टीम की 4 चोरों की मुठभेड़ ने एक

मथुरा। थाना राया पुलिस व स्वाट टीम की मोटर साइकिल सवार 04 शातिर चोरों से थाना राया क्षेत्रान्तर्गत हुयी मुठभेड़, दौराने पुलिस मुठभेड़ 01 बदमाश के पैर में गोली लगने से हुआ घायल

दिनांक 05.04.2025 की रात्रि में मुखबीर द्वारा सूचना दी गई कि थाना राया की 02 चोरियों की घटना व थाना सदर की एक चोरी की घटना से संबंधित वांछित अभियुक्तगण नईम ,वसीम ,अतर सिंह व नौशाद कारव की तरफ से कच्चे रास्ते पर होते हुए राया कट की तरफ आ रहे हैं इस सूचना पर थाना राया पुलिस व स्वाट टीम द्वारा चेकिंग की गई तो दौराने चेकिंग दो मोटरसाइकिल आती दिखाई दी जिनको रोकने का प्रयास किया गया परंतु मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति फायर करते हुए भागने लगे , आत्माक्षार्थ पुलिस टीम द्वारा जवाबी फायरिंग की गई जिसमें अभियुक्त नईम पुत्र रफीक निवासी अनार का नगला थाना कोतवाली जनपद अलीगढ़ घायल हो गया तथा वसीम व अतर सिंह को पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया तथा नौशाद पुत्र साबू निवासी सारशोल थाना बन्नादैवी जनपद अलीगढ़ भागने में सफल रहा। घायल अभियुक्त नईम को उपचार हेतु जिला अस्पताल मथुरा भेजा गया तथा मौके पर फील्ड यूनिट को बुलाया गया। अग्रिम कार्यवाही की जा रही है। फरार बदमाश नौशाद की तलाश की जा रही है ।

महागौरी की आराधना कर कन्या-लांगुराओं को जिमाया

मथुरा। नवरात्र में मातारानी के नवमी स्वरूप मां महागौरी की पूजा-अर्चना की गई। अष्टमी का उपवास करने वाले श्रद्धालुओं ने रविवार को नवमी पर घर व मंदिरों में आराधना के बाद कन्या-लांगुराओं को भोजन कराया और प्रसाद ग्रहण कर उपवास खोला। श्रद्धालुओं ने विधि विधान से महागौरी की पूजा-अर्चना की। ज्योतिषाचार्य कामेश्वर चतुवेर्दी ने बताया कि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार महागौरी की उपासना से ही मनुष्य को सभी पापों से मुक्ति मिल जाती है। उपवास रखने वाले अधिकांश लोग नवमी पर कन्याओं को भोजन कराते हैं। वहीं, प्रसाद ग्रहण कर उपवास खोलते हैं। जिससे उन्हें माता दुर्गा का आशीर्वाद प्राप्त होता है। बताया कि मां महागौरी के रूप का वर्णन पूर्णतः गौर वर्ण से है। इनकी उपमा शंख, चंद्र और कुंद के फूल से की गई है। इनके सभी वस्त्र श्वेत हैं। इसलिए इन्हें श्वेताम्बरा भी कहा गया है।

जयंती: जिगर मुरादाबादी की जयंती:

वो शायर जिसने पाकिस्तान के बुलावे को ठुकरा दिया, गोंडा से है ऐसा रिश्ता

गोंडा । मशहूर शायर जिगर मुरादाबादी की जयंती है। उनका गोंडा से सीधा नाता है। जिगर मुरादाबादी को पाकिस्तान से कई बुलावे आए लेकिन उन्होंने भारत छोड़ने से मना कर दिया।

मशहूर शायर जिगर मुरादाबादी की जयंती आज है। उनका गोंडा से सीधा नाता है। जिगर की स्मृतियों को संजोने के लिए जिगर अदबी सोसाइटी के माध्यम से युवाओं को शेरो-शायरी से जोड़ा जा रहा है। साथ ही साहित्यिक गतिविधियों को एक नया आयाम दिया जा रहा है।

पेशे से शिक्षक व शायर जमशेद वारसी का कहना है कि जिगर मुरादाबादी राजभक्त शायर थे। पाकिस्तान से बहुत सारे आफर आए थे, लेकिन उन्होंने वहां की पेशकश को ठुकरा दिया था। आज भी लोगों की जुबां पर जिगर की रचनाएं है।

साहित्यकार सूर्य प्रसाद मिश्र का कहना है कि जिगर मुरादाबादी दुनिया को बड़ी बारीकी से देखते थे। तभी तो वह कहते हैं कि- आदमी आदमी से मिलता है, दिल मगर कम किसी से मिलता है। उनकी रचनाओं में गजब की शोखी और मस्ती है। उन्होंने जिंदगी को अपने तरीके से जिया। गुलशन परस्त हूं मुझे गुल ही नहीं अजीज, कांटों से भी निबाह किए जा रहा हूं मैं। कविता व समालोचना में

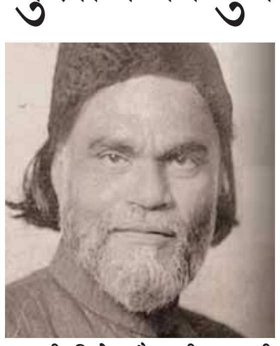

उनकी विशेष पैठ थी। उनकी गजलों की भाषा सहज एवं सरल है। वे हिंदी व उर्दू दोनों का समान रूप से प्रयोग करते थे।

\जिगर मुरादाबादी का पूरा नाम अली सिकंदर है। छह अप्रैल 1890 को उनका जन्म हुआ था। मुरादाबाद में परवरिश के बाद चश्मे के कारोबार के सिलसिले में वह गोंडा आए। यहां पर उन्होंने शेरो-शायरी शुरू की। आतिश-ए-गुल के लिए उन्हें 1958 में साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उनकी अन्य रचनाओं में शोला-ए-तूर, कुल्लियात-ए-जिगर, दागे जिगर, नग्मा-ए-जिगर शामिल हैं। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में उन्हें ऑनरेरी डॉक्टरेट की उपाधि दी गई। 9 सितंबर 1960 को उनका निधन हो गया। सभासद फहीम सिद्दीकी ने बताया कि जिगर की स्मृति में जिगर इंटर कॉलेज, जिगर मार्केट, जिगरगंज मुहल्ला के साथ ही उनकी मजार भी है।

जिगर की रचनाओं ने लोगों को गजल सिखाया

बज्मे असगर व जिगर गोंडा के जनरल सेक्रेटरी नजमी कमाल खान का कहना है कि जिगर मुरादाबादी ने उनका जो फर्ज है वो अहले सियासत जाने, मेरा पैगाम मोहब्बत है जहां तक पहुंचे...की चंद लाइनों के जरिए आवाम तक मुहब्बत का पैगाम पहुंचाने का काम किया है। जिगर की रचनाओं ने लोगों को गजल लिखना सिखाया। उनकी रचनाएं आज भी लोगों की जुबां पर है। तरन्नुम में शायरी पढ़ने की शुरूआत जिगर ने ही की थी। उनकी गजलों में सौंदर्यबोध के साथ ही सियासत का भी जिक्र रहता था, यह नेताओं के लिए एक सबक का काम करता है।

अन्नपूर्णा सेवा संघ द्वारा संचालित अन्नपूर्णा भोजनशाला के 9 वर्ष पूरे , दसवें वर्ष में प्रवेश

एनपीटी ब्यूरो ललितपुर

ललितपुर अन्नपूर्णा सेवा संघ का दसवां स्थापना दिवस समारोह संपन्न । प्रियदर्शी चौबे ने एक कमरे के लिए ढाई लाख तथा डॉ राजकुमार जैन ने निर्माण हेतु संरक्षक सदस्य के रूप में 1लाख के दान की घोषणा की।

नेत्रहीन भिक्षुक दंपति श्रीमती शशिमती बृजेश जोशी का सम्मान किया गया

स्थापना दिवस एवं सम्मान समारोह के शुभ अवसर पर सहयोगी पत्रकार साथियों का एवं अन्नपूर्णा निराश्रित आश्रम में दान दे रहे दानदाताओं का सम्मान किया गया।

मुख्य अतिथि श्री अरविंद सराफ ने अन्नपूर्णा मां एवं सरस्वती मां के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विशिष्ट अतिथि श्रीमती सुषमा भगवानदास साध ने बताया कि अन्नपूर्णा सेवा संघ के अंतर्गत दिनांक 7 अप्रैल 2016 से अन्नपूर्णा भोजनशाला का शुभारंभ जिला अस्पताल परिसर ललितपुर में किया गया जिसमें जरूरतमंदों के निशुल्क भोजन हेतु दोनों समय यह सेवा शुरू की गई 9 वर्ष पूर्ण होने पर जिला अस्पताल परिसर ललितपुर में स्थित अन्नपूर्णा भोजनशाला हाल में अन्नपूर्णा सेवा संघ का दसवां स्थापना दिवस एवं सम्मान समारोह मनाया जा रहा है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्री महेंद्र बड़घरिया ने अन्नपूर्णा की सातों योजनाओं को जनहित में वरदान बताया। विशिष्ट अतिथि भगवान महावीर नेत्र चिकित्सालय के अध्यक्ष अरविंद जैन ने बताया कि अन्नपूर्णा सेवा संघ के अंतर्गत दिनांक 7 अप्रैल 2016 से अन्नपूर्णा भोजनशाला शुरू की गई जिसमें ललितपुर जिले के जो व्यक्ति जिला अस्पताल ललितपुर में इलाज कराने के लिए आते हैं वह अन्नपूर्णा भोजशाला में निशुल्क भोजन प्राप्त करते हैं इस वजह से ललितपुर में कोई भी व्यक्ति भूखा नहीं रह सकता ।उसके उपरांत 18 मई 2021 से अन्नपूर्णा

ऑक्सीजन बैंक का शुभारंभ कोरोना काल में ऑक्सीजन की कमी को पूरा करने के लिए शुरू किया गया जिससे सैकड़ो लोगों को ऑक्सीजन तो मिला ही साथ में कोरोना काल में लोगों को हिम्मत भी प्रदान हुई कि अब उन्हें ऑक्सीजन की कोई कमी नहीं होगी इसके उपरांत आज भी लगातार 40 से 50 लोगों को प्रतिदिन आक्सीजन प्रदान की जा रही है, 6 जून 2021 से अन्नपूर्णा एंबुलेंस सेवा का शुभारंभ गंभीर मरीजों को उच्च अस्पतालों में इलाज हेतु निशुल्क आवागमन के लिए किया गया, चुकी ललितपुर मध्य प्रदेश से घिरा हुआ है तथा लोग सागर भोपाल और ग्वालियर अपने मरीज को इलाज के लिए ले जाते हैं जहां पर सरकारी एंबुलेंस नहीं जाती है ऐसे समय में अन्नपूर्णा की एंबुलेंस निशुल्क मरीज को अच्छे अस्पतालों में इलाज के लिए भेज देती है जो उसकी जान बचाने में सहायक होता है अन्नपूर्णा क्लॉथ बैंक 25 दिसंबर 2022 से, अन्नपूर्णा नेकी की दीवार 5 नवंबर 2023 से, अन्नपूर्णा शव वाहन सेवा 7 अप्रैल 2024 से एवं इस वर्ष 16 फरवरी 2025 से अन्नपूर्णा मुक्ति रथ का संचालन लोगों की सुबह को मुक्तिधाम ले जाने हेतु जनहित में निशुल्क एवं लगातार किया जा रहा है। श्री जेपी यादव ने कहा कि अन्नपूर्णा के कार्यों की जितनी सराहना की जाए उतनी कम है जरूरतमंदों की सही सेवा अन्नपूर्णा सेवा संघ द्वारा की जा रही है अन्नपूर्णा के संरक्षक श्री बीके अग्रवाल ने कहा कि मानव की सेवा करना इंसान का परम कर्तव्य है अन्नपूर्णा का यही उद्देश्य है जो कार्य शहर की आवश्यकता हो अन्नपूर्णा सेवा संघ उसे स्वीकार कर पूरा करने का प्रयास करती है डॉक्टर पूरन सिंह निरंजन ने अन्नपूर्णा द्वारा किए गए कार्यों की सहायता करते हुए बताया कि जिला ललितपुर में अन्नपूर्णा द्वारा इतनी सारी योजनाओं का निशुल्क एवं सफल संचालन किया जा रहा है अन्नपूर्णा सेवा संघ द्वारा पधारे हुए समस्त पत्रकारों का सम्मान किया गया उसके बाद अन्नपूर्णा निराश्रित आश्रम के दानदातार लागौन परिवार ,अरविंद ऑप्टिकल्स परिवार, महेंद्र बड़घरिया ,सुषमा भगवानदास आदर्श साक्षी साध, कुमारी कंचन सिंह, नेहा जैन शशांक जैन एडवोकेट, श्रीमती अर्चना बीके अग्रवाल, जेपी यादव ,डी एस विवेक ,रामरतन यादव ,अलका जैन ,अंश जैन आदर्श रावत, अर्चना रावत श्रीमती तेजिंदर कौर जगजीत सिंह बॉबी सरदार नरेश गुप्ता सरकार पुरोहित साहू पीएनबी कुमारी आराध्या आध्या एवं अध्यांश अग्रवाल रामशरण स्वदेश अग्रवाल श्री नरेंद्र यादव फौजी ,मोहन जैन, गुप्ता मेडिकल परिवार, बसंती सुरेंद्र लारिया, सुनील जैन मंगोड़ी वाले ,सुनील जैन, प्रियदर्शी चौबे, अंकुर जैन ,पीयूष टडैया ,कपिल कुशवाहा, अनुपम अनौरा, संजय अग्रवाल ,मोहित अग्रवाल, श्रीमती प्रीति अमित तिवारी, राजीव जायसवाल ,संजीव उपाध्याय ,गिरीश पाठक पार्षद, नितिन देव साहू, संग्राम सिंह ग्वाला, अशोक जैन, ममता वर्मा ,मंजू राजेंद्र जैन, रवि संजय जैन, विपिन कुमार जैन, अमित जैन चंदन, डॉक्टर बृजेश किशन निरंजन ,श्रीमती दिलीप कौर, सुभाष चंद्र राकेश कुमार जैन ,अश्विनी कुमार वर्मा ,सुबोध शर्मा वासु शर्मा ,नरेंद्र कौर अरोरा, कपिल जैन मोपेड मित्र व चंद्रशेखर राठौर का सम्मान पत्र देकर सम्मान किया गया इस अवसर पर श्री प्रियदर्शी चौबे ने एक कमरे के निर्माण हेतु 2 लाख 51000 तथा डॉ राजकुमार जैन ने अन्नपूर्णा के संरक्षक सदस्य हेतु एक लाख रुपए की धनराशि की घोषणा की । जिसके लिए उन्हें सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर संचालक सदस्य के रूप में प्रतिवर्ष 21000 रुपए की स्वीकृति श्री अतुल सोनी, श्रीमती प्रीति अमित तिवारी, श्री पीयूष टड़ैया, रविंद्र सिंह रवि राजा द्वारा प्रदान की गई। तथा निराश्रित आश्रम के निर्माण हेतु एक बार के ?11000 की स्वीकृति श्री उमेश शर्मा द्वारा उनके सुपुत्र के जन्मदिन पर एवं सेतु यादव श्री एवं श्री विजय सिंह परमार द्वारा प्रदान की गई श्री अंकित जैन मोदी शिक्षक द्वारा 1 दिन की भोजनशाला एवं एक दिन की एंबुलेंस सेवा की स्वीकृति प्रदान की गई।

इस अवसर पर विशेष रूप से नेत्रहीन भिक्षुक दंपति श्रीमती शशिमती बृजेश जोशी का सम्मान किया गया। जिन्होंने आज स्थापना दिवस की शुभ अवसर पर पिछले वर्ष की भांति एक समय के अन्नपूर्णा भोजन शाला का संचालन किया।

इस अवसर पर अनुराग जैन डिंपू अभिषेक सराफ, विनय ताम्रकार, दीपक बुखारिया ,प्रमोद सक्सेना एडवोकेट, दीपक गुप्ता राहुल शुक्ला आदि ने सराहनीय योगदान प्रदान किया इस अवसर पर डॉक्टर पूरन सिंह निरंजन रविंद्र दिवाकर संजीव नामदेव सुनील जैन महेश शर्मा समीम उमेश शर्मा अमित जैन मा मनोज जैन राजू सुनील जैन के उपाध्यक्ष लक्ष्मी नारायण विश्वकर्मा अनूप नांगल पूजा कश्यप गोरा बजाज सुरेंद्र पाल सिंह रवि चुंगी देवेंद्र पाठक रमेश रैकवार कृष्णकांत सोनी एवं पंकज रैकवार आदि उपस्थित रहे।

प्रभारी मंत्री ने अग्निपीड़ितों को उपलब्ध कराई आर्थिक मदद

राजापुर, चित्रकूटः तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत भदेदू में बीते शनिवार को लगी आग से प्रभावित 92 घरों की सूचना को संज्ञान में लेते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री ने जनपद के प्रभारी मंत्री मनोहर लाल (मन्नू कोरी) को घटनास्थल पर जाकर प्रभावितों को सहायता लाभ दिलाने के लिए निर्देशित किया। जिसके क्रम में प्रभारी मंत्री ने रविवार को अग्निपीड़ितों से मुलाकात कर उन्हें आर्थिक सहायकता उपलब्ध कराई।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि यह उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा यह सहायता दी जा रही है। अग्निपीड़ितों परिवारों को मनरेगा में भी कार्य दिया जाएगा। मुख्य चिकित्साधिकारी से कहा कि आग से प्रभावित लोगों का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर प्राथमिक उपचार कराए। इसके कोई भी पीड़ित परिवार छूटने न पाए, सभी सम्बन्धित अधिकारी इसका सत्यापन कर अवगत कराए। इस दौरान मंत्री ने घटना स्थल का निरीक्षण कर हुए नुकसान का जायजा लिया। साथ ही अधिकारियों को अग्निपीडितों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के निर्देश दिए। उन्होंने जिलाधिकारी से कहा कि आप समय पर आकर व्यवस्थाओं का देखें कि किसी प्रकार की समस्या नहीं आनी चाहिए। इस दौरान अग्निपीड़ित हेमराज, रामसूरत, लक्ष्मी, रामराज, मनी चंद्र, जेद्दा, बृजेश, रामकरण, मुकरी, रामबाबू, विश्वास, ढुनगू राम, संतोष, भुडा, झाबुआ, चुन्नी, राधेश्याम, राजेश, रमेश, अनुवा, कलमत, राजा, अनिरुद्ध, राजेश, हरि, दसुआ, नथ्थू, राजकुमार, पुन्नू, भोडू, सुनील, श्याम को पूर्ण क्षतिग्रस्त मकान के लिए (गृह अनुदान) एक लाख बीस हजार व आंशिक क्षतिग्रस्त मकान के लिए 4 000 अनुग्रह अनुदान, गाय की मौत के लिए गौपाल को 37,500 अनुदान राशि, अहैतुक सहायता के लिए सभी को 5000 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की। इस प्रकार कुल 29,93,500 रुपये का अनुदान प्रदान किया। इसके साथ ही खाद्य सामग्री व कपड़े भी वितरित किए गए। इसी क्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव ने बाल्टी, मग, आलू, नमक, तेल सहित तिरपाल, गमछा, बिस्किट व नगर पंचायत अध्यक्ष राजापुर संजीव मिश्रा ने लाभार्थियों को कपड़ों का वितरण किया।

इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष महेन्द्र कोटार्य, पूर्व सांसद आरके सिंह पटेल, भैरव प्रसाद मिश्रा, पूर्व विधायक मऊ मानिकपुर आनंद शुक्ला, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद कर्वी नरेंद्र गुप्ता, अध्यक्ष नगर पंचायत राजापुर संजीव मिश्रा, ब्लॉक प्रमुख पहाड़ी सुशील द्विवेदी, देव त्रिपाठी, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन, पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह, अपर जिलाधिकारी उमेश चंद्र निगम, उप जिलाधिकारी राजापुर हर्षिता देवडा, पुलिस क्षेत्राधिकार राजापुर जयकरण सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधियों व अधिकारी मौजूद रहे।

पुलिस ने दो तस्करों को दो कुंतल 60 किलो गांजा के साथ किया गिरफ्तार

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

चित्रकूट ब्यूरोः बिहार के दो गांजा कारोबारियों को एसटीएफ और कर्वी कोतवाली पुलिस टीम ने गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। जिनके पास से दो कुंतल 60 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ है।

पुलिस अधीक्षक अरुण सिंह ने बताया कि नशे के कारोबारियों के विरुद्ध पुलिस निरंतर अभियान चला रही है। इसी क्रम में यूपी एसटीएफ फील्ड इकाई प्रयागराज व उनकी टीम को मुखबिर के जरिए सूचना मिली थी कि अंतर्राज्यीय गांजा तस्करों द्वारा छत्तीसगढ़ के रायपुर से छह पहिया कंटेनर गाड़ी से गांजे की बड़ी खेप लाई जा रही है। गांजे की खेप को सतना से देवांगना होकर कर्वी की ओर ले जाने की सूचना मिलने पर एसटीएफ के उपनिरीक्षक रणेन्द्र सिंह, कर्वी कोतवाली प्रभारी उपेन्द्र प्रताप सिंह, अपराध निरीक्षक राजकुमार वर्मा, उपनिरीक्षक अंशुल कुमार, एसटीएफ के मुख्य आरक्षी प्रभंजन पाण्डेय, संतोष कुमार, किशनचंद, कर्वी कोतवाली आरक्षी संजीव सोनी व कुलदीप द्विवेदी ने देवागंना घाटी गढ़ीवा के पास वाहनों की जांच शुरू कर दी। जिसमें छह पहिया कंटेनर वाहन के अंदर 26 बोरी रबर स्क्रैप की आड़ में नीचे छिपाकर व 27 पैकेटों में भूरे-नीले रंग की प्लास्टिक के पैकेट में गांजा बरामद किया गया। गाड़ी में मौजूद बिहार के वैशाली जिले के राजापाकर निवासी मोहम्मद मोईन व सुनील कुमार पंडित को एसटीएफ और कर्वी कोतवाली की संयुक्त टीम ने गिरफ्तार करते हुए गाड़ी को कब्जे में ले लिया। बताया गया कि कुल दो कुंतल 60 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ है। दोनों आरोपियों पर कर्वी कोतवाली में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। साथ ही बरामद छह पहिया कंटेनर को सीज कर दिया गया।

भाजपा कार्यालय में झंडा फहराकर मनाया स्थापना दिवस

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

चित्रकूट ब्यूरोः भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने रविवार को पार्टी का स्थापना दिवस मनाया। इस दौरान कार्यालय में झंडा फहराकर कार्यकताओं को भाजपा सरकार की उपलब्धियों का प्रचार-प्रसार बूथ स्तर तक करने के लिए प्रेरित किया गया।

जिला मुख्यालय में रविवार को भाजपा जिलाध्यक्ष महेन्द्र कोटार्य, पूर्व सांसद भैरों प्रसाद मिश्रा, पूर्व विधायक आनंद शुक्ला ने पत्रकारों को बताया कि 1951 में गठित जनसंघ से अलग होकर छह अप्रैल 1980 को भारतीय जनता पार्टी की स्थापना हुई थी। भाजपा आज भारत की प्रमुख राजनीतिक पार्टी है। यह संसद और विधानसभा में प्रतिनिधित्व के मामले में और प्राथमिक सदस्यता के मामले में दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक दल है। अपने

वैचारिक अधिष्ठान के साथ विचारधारा के स्तर पर भाजपा एक राष्ट्रवादी पार्टी है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के साथ भाजपा के वैचारिक और संगठनात्मक सम्बन्ध हैं। 1980 में भाजपा की स्थापना के बाद उत्तर प्रदेश में संगठन के अध्यक्ष वर्ष 1980 से 1984 तक माधव प्रसाद त्रिपाठी रहे। इसके बाद 1984 से 1990 तक कल्याण सिंह, 1990 में राजेन्द्र गुप्त और इसके बाद कलराज मिश्र प्रदेश अध्यक्ष बनाए गए। इसके बाद राजनाथ सिंह, ओमप्रकाश सिंह, कलराज मिश्र, विनय कटियार, केशरीनाथ त्रिपाठी, रामापति राम त्रिपाठी, सूर्य प्रताप शाही, लक्ष्मीकांत वाजपेयी, केशव प्रसाद मौर्य, डॉ महेन्द्र नाथ पाण्डेय और स्वतंत्र देव सिंह के बाद वर्तमान समय में भूपेन्द्र सिंह चैधरी प्रदेश के अध्यक्ष है।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने आम जनता के लिए आवास, बिजली और पानी देने की महत्वाकांक्षी योजनाओं को धरातल पर उतारने के साथ अपराध और अपराधियों के प्रति जीरों टालरेंस नीति को लागू किया है और 7.5 लाख लोगों को सरकारी नौकरी, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत प्रदेश की 15 करोड़ गरीब जनता को राशन की व्यवस्था की जाती है। पार्टी कार्यकर्ता भाजपा सरकार की नीतियों का प्रचार-प्रसार बूथ स्तर कर करें। जिससे पात्रता के अनुरुप सभी लोग सराकरी योजनाओं का लाभ ले सकें।

इस मौके पर पूर्व जिलाध्यक्ष चंद्रप्रकाश खरे, रामनगर ब्लाक प्रमुख गंगाधर मिश्र, जिला महामंत्री राजेश जायसवाल, आलोक पाण्डेय, जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष पंकज अग्रवाल, जिला उपाध्यक्ष मुन्ना करवरिया, अंजू वर्मा, देव त्रिपाठी, मीडिया प्रभारी भागवत त्रिपाठी, पहाड़ी मंडल मीडिया प्रभारी दिनेश सिंह कुशवाहा आदि मौजूद रहे।

चेहरे को सुंदर और आकर्षक बनाता है कपोल शक्ति विकासक योग- रमेश

चित्रकूट ब्यूरोः जिला मुख्यालय के कुबेरगंज निवासी योगाचार्य रमेश सिंह राजपूत ने कपोल शक्ति विकासक क्रिया सिखाते हुए बताया कि पिंपल्स, पिगमेंटेशन, फ्रेकल्स रिंकल्स, आंखों के आसपास काले धब्बे चेहरे के स्वास्थ्य की एक बड़ी समस्या है। इससे छुटकारा पाने के लिए कपोल शक्ति विकासक क्रिया एक बेहतर योग क्रिया है।

बताया कि लोगों का कृत्रिम सौंदर्य प्रसाधन केंद्रों की तरफ अंधी दौड़ व केमिकल युक्त क्रीम पाउडर का उपयोग इस समस्या को और भी भयावह बना देता है, जबकि इस समस्या का कारण विकृत सोच, विकृत खानपान, विकृत रहन-सहन, प्रदूषण, असंतुलित दिनचर्या, अवस्था परिवर्तन में बदलते हार्मोंस, व्यायाम या श्रमहीन जीवन शैली आदि हैं। इन तमाम कारणों में बदलाव लाकर प्रतिदिन कपोल शक्ति विकासक क्रिया को निष्ठा पूर्वक करके इस बड़ी समस्या से छुटकारा पा सकते हैं और अपने चेहरे को प्राकृतिक तरीके से सुंदर, चमकदार आकर्षक और निरोग बना सकते हैं।

योग की इस सूक्ष्म क्रिया को करने से चेहरे की मांसपेशियां मजबूत बनती है, गालों का आकार सुडौल होकर आकर्षक बनता है, झुर्रियां, झाइयां मिटती हैं, त्वचा में कसाव आता है, इस क्रिया को करने से चेहरे की मृत कोशिकाएं हटती हैं, रक्त संचार बेहतर होता है जिससे चेहरे की चमक-दमक बढ़ती है। गालों पर होने वाले मुंहासे, फुंसियां कम होने लगते हैं, बंद नाक खुलती है, आंखों की थकान, मस्तिष्क का तनाव दूर होता है, चेहरे का अतिरिक्त फैट कम होता है। चेहरे में आकर्षण बढ़ता है, इतना ही नहीं पेट की एसिडिटी कम होती है, आयु बढ़ती है, मुख के रोग दूर होते हैं, मन में शांति आती है और बालों का झड़ना, असमय पकना रुकता है।

बताया कि इस क्रिया को करने के लिए साम्यावस्था में एड़ी पंजा मिलाते हैं, हाथों में पंच मुख मुद्रा अर्थात तर्जनी को तर्जनी से मध्यमा को मध्यमा से अंगूठे को अंगूठे से अनामिका को अनामिका से कनिष्ठिका को कनिष्ठिका से परस्पर मिलाते हैं। सिर को पीछे ले जाकर दोनों अंगूठों से नाक बंद करते हैं, मुंह में काकी मुद्रा बनाकर तेजी से 8 काउंट तक श्वास भरते हैं, हवा से गाल फुलाते हैं, आंखें बंद करके सर को आगे की ओर झुका कर ठुड्ढी को कंठकूप से लगाकर जालंधर बंध बनाते हैं। कनिष्ठिका सीने पर स्पर्श करती हैं। इस दशा में 32 काउंट तक सांस रोकते हैं, गर्दन सीधी करके दोनों हाथ नीचे लाते हैं और नाक से सांस को 16 काउंट में धीरे-धीरे बाहर छोड़ते हैं। सांसों का यह अनुपात 1:4:2 का रहता है। इस क्रिया को तीन बार करते हैं। सावधानी के तौर पर सर्वाइकल से पीड़ित साधक इसे बिना गर्दन झुकाए, उक्त अनुपात में काउंट कम करके कर सकते हैं।

बु. वि.सेना ने खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल

सैम्पल के नाम पर छोटे व्यापारियों का उत्पीड़न किया जा रहा है:- टीटू कपूर

एनपीटी ब्यूरो ललितपुर

ललितपुर बु. वि. सेना की एक आवश्यक बैठक स्थानीय कंपनी बाग में बु. वि. सेना प्रमुख हरीश कपूर टीटू की अध्यक्षता में आहूत की गई । बैठक में ललितपुर जिले में खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्यप्रणाली और व्यापारियों पर सैम्पलिंग के नाम पर किए जा रहे शोषण पर गहरी चिंता और रोष व्यक्त किया गया ।

बु. वि. सेना प्रमुख हरीश कपूर टीटू ने कहा कि औषधि और खाद्य प्रशासन के अधिकारी सैम्पलिंग के नाम पर छोटे व्यापारियों को छापा का भय दिखाकर धमकाते हैं और अवैध वसूली करके उनका उत्पीड़न करते हैं। जिस कारण छोटे व्यापारियों में डर का माहौल बना हुआ है।

बु. वि. सेना प्रमुख हरीश कपूर टीटू ने कहा कि जहां एक ओर माननीय योगी जी की सरकार रामराज्य की बात करती है तो वहीं दूसरी ओर खाद्य सुरक्षा विभाग के बेलगाम अधिकारी छापे का डर दिखाकर व्यापारियों का उत्पीड़न कर रहे हैं। छोटे छोटे व्यापारी जैसे तैसे इस कठिन दौर में अपना भरण-पोषण कर पा रहे हैं तो खाद्य सुरक्षा विभाग के उत्पीड़न के कारण उनके धंधे बन्द होने की कगार पर आ गये हैं ।

उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की है कि खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर लगाम लगायें। मांगे नहीं माने जाने की दशा में बु. वि. सेना उग्र आन्दोलन छेड़ने को बाध्य हो जायेगी ।

बैठक में बु.वि सेना के वरिष्ठ सदस्य राजमल बरया , कदीर खान , राजकुमार कुशवाहा , फूलचंद रजक, अमरसिंह बुन्देला , मुन्ना त्यागी , विनोद साहू , रामप्रकाश झा, कमल विश्वकर्मा, जगदीश झा, प्रदीप साहू, लल्लू विश्वकर्मा, संजू राजा , अनिल अहिरवार , भैय्यन कुशवाहा , प्रदीप साहू , विक्की सोनी , पुष्पेन्द्र शर्मा , कामता प्रसाद शर्मा आदि उपस्थित रहे ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विश्व पटल पर अहम छाप छोड़ रही है भाजपा - राधेश्याम बैरागी

भाजपा स्थापना दिवस पर वरिष्ठ नेता राधेश्याम बैरागी ने कहा - विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनने के सफर में हर छोटे से छोटे कार्यकर्ता का अहम योगदान

ब्यरो -एनपीटी

बूंदी 6 अप्रैल। शहर सहित जिले भर में भाजपा स्थापना दिवस के अवसर पर कार्यकताओं ने अपने निवास पर पार्टी का झंडा लहरा कर भाजपा स्थापना दिवस मनाया। लांबाखोह स्थित निवास पर पार्टी का झंडा लहरा कर कार्यकताओं को भाजपा स्थापना दिवस की शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए ओबीसी मोर्चा प्रदेश मंत्री राधेश्याम बैरागी ने कहा कि भाजपा संगठन स्थापना के साथ ही राष्ट्र सर्वोपरि भावना के साथ काम करते हुए आज विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनने के मुकाम तक पहुंचा है। 45 वर्षों में विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनने के सफर में भाजपा के हर छोटे से छोटे कार्यकर्ता का अहम योगदान रहा है। भाजपा नेता राधेश्याम बैरागी ने कहा कि वर्तमान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी विश्व पटल पर अपनी अहम छाप छोड़ रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने जनता से किए अपने वादों को पूरा किया है। चाहे राम मंदिर निर्माण की बात हो या जम्मू कश्मीर से धारा 370 हटाने का वादा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में केंद्र सरकार ने देश को सशक्त बनाने का काम किया

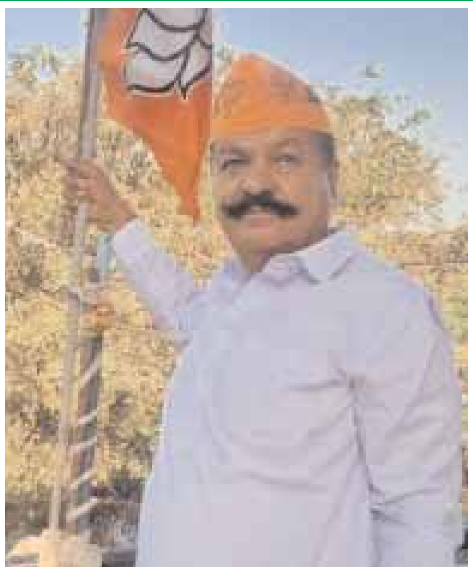

है। महिलाओं को समान अवसर देने एवं महिलाओं का सम्मान बनाए रखने की दिशा में काम करते हुए केंद्र की मोदी सरकार ने तीन तलाक कानून तथा नारी शक्ति वंदन अधिनियम लाकर यह साफ कर दिया कि मोदी सरकार महिलाओं के सम्मान को बरकरार रखने का काम कर रही है। भाजपा नेता राधेश्याम बैरागी ने भारतीय जनता पार्टी के संस्थापक सदस्य भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का स्मरण करते हुए कहा कि भाजपा आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के सपने को साकार कर रही है जो उन्होंने 45 वर्ष पहले देखा था। बैरागी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा के कार्यकर्ता भारत को पुनः विश्व गुरु बनाने के लिए कृत संकल्पित है। बैरागी ने क्षेत्र के कार्यकताओं को भाजपा स्थापना दिवस की शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए सदैव राष्ट्र एवं संगठन हित में कार्य करने का आह्वान किया है।

शहर में हुए विभिन्न आयोजन, जिला अध्यक्ष ने किया झंडारोहण* -भाजपा स्थापना दिवस के अवसर पर बूंदी शहर में विभिन्न आयोजन हुए। दोपहर को भाजपा के जिला कार्यालय में जिला अध्यक्ष रामेश्वर मीणा ने झंडा रोहण करते हुए कार्यकताओं को शुभकामनाएं प्रेषित की। शाम को चौगान गेट पर आतिशबाजी कर कार्यकताओं ने एक दूसरे का मुंह मीठा कराया। वहीं मीसा बंदियों एवं वरिष्ठ कार्यकताओं का सम्मान किया गया।

सरकार से एक वर्ष में ही त्रस्त हुयी जनता-धीरज गुर्जर

कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव पहुंचे बूंदी

ब्यरो -एनपीटी

बूंदी 5 अप्रेल।अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव उत्तर प्रदेश के सह प्रभारी पूर्व राज्य मंत्री धीरज गुर्जर ने कहा कि राजस्थान में भाजपा की राज्य सरकार से जनता एक वर्ष में ही त्रस्त हो चुकी है।उन्होंने कहा कि जनता मूलभूत सुविधाओं के लिये भी तरस रही है।एआईसीसी सचिव धीरज गुर्जर शनिवार को बूंदी में एक रिसॉर्ट में कार्यकताओं को सम्बोधित कर रहे थे।गुर्जर ने कहा कि राज्य सरकार को राजनैतिक दुर्भावना छोड़कर जनता की सुध लेनी चाहिये।

रोजगार के नाम पर युवाओ से छलावा

राजस्थान बीज निगम के पूर्व निदेशक चर्मेश शर्मा ने कहा कि युवाओ के साथ रोजगार के नाम पर छलावा किया जा रहा है।युवा कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष संजय तंबोली ने कहा कि कांग्रेस गाँव गरीब किसान की पार्टी है जो सभी वर्गो को साथ लेकर चलती है।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर देव सेना जिलाध्यक्ष जीएल टाइगर,एनएसयूआई छात्र नेता किशन नेखाड़ी,देव सेना कार्यकारिणी सदस्य राजाराम गुर्जर विनोद गुर्जर,रामचरण कसाना, यश गुर्जर,रामराज बगड़वाल रोहित नेखाड़ी विशाल,बंटी चाड गुर्जर, हरिफूल गुर्जर,राकेश चांदना,महावीर मीणा, भोजराज गुर्जर,जगदीश गुर्जर,कालूलाल मीणा, हरिशंकर वर्मा आदि उपस्थित रहे।देव सेना जिलाध्यक्ष जीएल टाइगर के नेतृत्व में गुर्जर माल्यार्पण व पुष्पवृष्टि के साथ स्वागत किया गया।

कोटा संभाग के दौरे पर रहे गुर्जर

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव धीरज गुर्जर शनिवार को कोटा संभाग के सामाजिक दौरे पर रहे।सर्वप्रथम गुर्जर बूंदी पहुंचे।जहाँ देवसेना के जिलाध्यक्ष जीएल टाइगर के नेतृत्व में बड़ी संख्या में गुर्जर समाज के प्रतिनिधियों ने धीरज गुर्जर का स्वागत किया।

झड़ायां बजरंग धाम आश्रम में रामनवमी पर आयोजित मेले में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

झुंझुनूं। उदयपुरवाटी उपखंड क्षेत्र के पचलंगी के पास स्थित झड़ायां बजरंग धाम आश्रम पर रामनवमी को आश्रम के महंत सीताराम दास महाराज के सानिध्य में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी विशाल मेले का आयोजन किया गया जिसमें कई गांवों के लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। मेला कमेटी संयोजक मदनलाल भावरिया एवं कमेटी अध्यक्ष हनुमान प्रसाद यादव ने बताया कि पंडित वासुदेव मिश्रा चौकड़ी, संजय कुमार शास्त्री, पवन शर्मा गुहला, अजय शर्मा कंचनपुर, कालूराम शर्मा कांवट के द्वारा मंत्रोचार के साथ पांच जोड़ों ने हवन में पूणार्हुति दी। बजरंग धाम आश्रम के महंत सीताराम दास महाराज, दाऊ धाम काला कोटा के महंत बाहुबलीद्वाराचार्य बलदेव दास महाराज, कैरोठ धाम के महंत रामकृष्ण बिहारी दास महाराज के सानिध्य में राम दरबार की स्थापना की गई। इसके बाद भगवान को प्रसाद का भोग लगाकर उपस्थित श्रद्धालुओं को भंडारे का प्रसाद वितरण किया गया। मेले में आसपास के गांवों के लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। लोगों ने मेले में सजी दुकानों में जमकर खरीदारी की वहीं बच्चों और महिलाओं ने झूलों का लुफ्त उठाया। तेज गर्मी के कारण ठंडे पेय पदार्थों की दुकानों पर भीड़ लगी रही। स्काउट गाइड अध्यापक सांवरमल यादव के नेतृत्व में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भागेगा की स्काउट टीम ने मेले की व्यवस्था बनाए रखने में अपना योगदान दिया। शाम सवा 4 बजे कुश्ती दंगल का शुभारंभ किया गया जो देर रात्रि तक चला। आज रात्रि में प्रकाश चंद गुर्जर एंड पार्टी में शिवानी म्यूजिकल ग्रुप के कार्यक्रम की प्रस्तुतियां दी जाएंगी। जिसमें महिला कलाकार सिमरन जयपुर, तब्बू तोरावाटी, निशा यादव नृत्य कला की अदाएं बिखरेगी। इस दौरान बनवारी लाल दादरवाल, भगवान सहाय, महेंद्र सिंह तेतरवाल, घासीराम नूंन, विकास जांगिड़, जागी राम कसाणा सहित कई लोग मौजूद रहे।

आशापुरा माताजी की विधि विधान से की पूजा अर्चना

ब्यरो -एनपीटी

बूंदी महाराव राजा वंशवर्धन सिंह ने मोती महल स्थित आशापुरा माताजी का विधि विधान से किया अष्टमी पूजन ।बूंदी जिले के निवासियों के लिए की सुख-समृद्धि की प्रार्थना महाराव राजा ने बताया कि मोती महल (रावला) स्थित आशापुरा माता का इतिहास काफी प्राचीन है आशापुरा माता जी के मंदिर का निर्माण 1626 ईसवी में राव रतन सिंह जी ने करवाया था तथा मूर्ति की स्थापना 1627 ईस्वी में हुई थी महाराव राजा ने बताया कि नवरात्री मतलब नौ रात और नौ दिन माता रानी के अलग- अलग स्वरूपों की पूजा के लिए मनाए जाते हैं. मां दुर्गा का हर रूप एक अलग मतलब रखता है आशापूर्णा, शाकंभरी, आर्दशक्ति, रक्तदंतिका, जोगणिया, कालिका, विंध्यवासिनी, दुर्गा सहित अनेक नाम है और इन नौ के नौ रूप का अर्थ है शक्ति और मजबूती. नवरात्री में अष्ठमी का सर्वाधिक महत्त्व है मुख्यतय यह कुलदेवी का दिन माना जाता है इस दिन मां दुर्गा के आठवें स्वरूप महागौरी की पूजा अर्चना करने का विधान है।

खैरथल में रामनवमी पर मंदिरों में हुए भंडारेः अन्नपूर्णा रसोई में कन्या पूजन किया, भण्डारों मे उमड़ा जनसैलाब

खैरथलः खैरथल में चैत्रीय नवरात्र के समापन पर धार्मिक कार्यक्रम हुए। नवदुर्गा के समापन पर पूणार्हुति यज्ञ संपन्न हुआ। शहर के घर-घर में कन्या पूजन किया गया। शहर के विभिन्न मंदिरों और सार्वजनिक स्थानों पर भंडारों का आयोजन हुआ।

अन्नपूर्णा भोजनालय, अग्रसेन चौराहे पर लगाए गए भंडारे में सुबह 11बजे अटूट भण्डारा का शुरू हुआ। शाम तक चला श्रद्धालुओं ने पूरी,हल्वा,चना,सब्जी का प्रसाद ग्रहण किया पंडित सुभाष शर्मा ने बताया कि नवदुर्गा महोत्सव के समापन पर पूणार्हुति हवन यज्ञ के बाद भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सुभाष शर्मा, अन्नपूर्णा होटल वाले, विक्की शर्मा,गुलशन शर्मा,गोलू पंडित आकाश शर्मा,बृजेश शर्मा,सुनील, मोहित, रिंकू शर्मा, रामचरण, दीपक,मुनमुन ने सेवाऐ दी खैरथल पहाड़ी स्थित माता रानी मंदिर पर भी विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया भण्डारे मे जनसैलाब देखा गया खैरथल गांव हिंगलाज माता के मंदिर में नवरात्र उत्सव के अवसर पर शनिवार को दुर्गाष्टमी के पुजन के साथ नवरात्र का समापन किया गया। इस अवसर पर सुबह सर्वप्रथम पुजन किया गया तथा तथा 10:15 बजे हवन 12:15 से आम भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें बडी संख्या में लोगों ने प्रसादी ग्रहण की और माता का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर।, पुरुषोत्तमपुरी गोस्वामी, हीरापुरी गोस्वामी मिहिरपूरी ,गोस्वामी आकाश सहित अन्य भक्त मौजूद रहें

अन्नपूर्णा रसोई हरसौली रोड़ पर हुआ कन्या पूजन

खैरथल हरसोली रोड स्थित अन्नपूर्णा रसोई 106 पर नवरात्र समापन पर कन्या पूजन किया गया संचालिका रामभूतेरी ने बताया कन्याओं का पूजन कर आर्शिवाद लिया गया संस्थान ने कन्याओं को पठनसामग्री दी और उज्जवल भविष्य की कामना की कार्यक्रम में प्रेरित,राम भूतेरी,आशा,दीक्षा,दीव्या,तरूण ा,सानिया,मुस्कान सहित अन्य मौजूद रहे।

प्रहरी सीधी भर्ती परीक्षा 2024: अधिकारियों-कर्मचारियों के अवकाश व मुख्यालय छोड़ने पर प्रतिबंध

खैरथल-तिजारा, 6 अप्रैल। परीक्षा समन्वयक एवं अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट ने बताया कि राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा आयोजित प्रहरी सीधी भर्ती परीक्षा 2024 का आयोजन 12 अप्रैल 2025 को दो पारियों में (प्रातः 10:00 से 12:00 बजे तक एवं अपराह्न 3:00 से 5:00 बजे तक) जिला मुख्यालय खैरथल-तिजारा के 9 परीक्षा केंद्रों पर किया जाएगा। उन्होंने बताया कि परीक्षा के सुचारु संचालन हेतु 10 अप्रैल से 14 अप्रैल 2025 तक समस्त राजकीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों के अवकाश एवं मुख्यालय छोड़ने पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाया गया है। अति आवश्यक परिस्थितियों में ही परीक्षा समन्वयक एवं अतिरिक्त जिला कलेक्टर खैरथल तिजारा से पूवार्नुमति प्राप्त करने के पश्चात अवकाश पर जा सकेंगे या मुख्यालय छोड़ सकेंगे।

14 अप्रैल को गुढ़ागौड़जी में धूमधाम से मनाया जाएगा संविधान निमार्ता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जयंती समारोह

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

झुंझुनूं गुढ़ागौड़जी। टोडी सड़क मार्ग स्थित आदिवासी मीणा छात्रावास में रविवार को 14 अप्रैल को आने वाले संविधान निमार्ता डॉ भीमराव अंबेडकर के जयंती समारोह की तैयारी को लेकर बैठक का आयोजन किया गया। जिसमे सर्वसम्मति से समाज के लोगो ने जोर शोर से बाबा साहब की जयंती मनाने का फैसला लिया। सभा को संबोधित करते हुए सीनियर एडवोकेट समाज सेवी प्रताप सिंह चौहान ने कहा कि इस दिन सभी समाज के संगठन एकजुटता के साथ जयंती समारोह में भाग लेगे। बहुजन समाज के नेता ख्याली राम टोडी ने जयंती समारोह को ऐतिहासिक बनाने के लिए सभी की राय जानी। पूर्व जिला परिषद राजीव गौरा, गुढ़ा नगरपालिका के पूर्व चेयरमैन प्रतिनिधि राजीव दायमा, विकास कलावत ने हर तरह से जयंती को सफल बनाने का निर्णय लिया। आदिवासी श्री मीन सेना के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश मीणा किशोरपुरा ने कहा कि बाबा साहब की जयंती हो चाहे अन्य समाज हित का कोई मुद्दा एससी/एसटी ओर ओबीसी समाज ने मिलकर ऐतिहासिक भीड़ जुटाकर रिकॉर्ड बनाया है। इस बार भी रैली यादगार होगी उन्होंने गांव से शहर तक के नौजवानों को इसमें सहयोग करने के लिए अपना योगदान देने का आह्वान किया है। समाज सेवी रतन जोधपुरा और हॉस्टल के अध्यक्ष रामचंद्र मीणा ने अपनी ओर से पूरा समर्थन सहयोग देने की घोषणा की है।इस अवसर पर रामचंद्र मीणा, सुरेश मीणा, राजीव गोरा, बनवारी लाल, एडवोकेट सीताराम, पूर्व सरपंच ख्यालीराम विकास कलावत, राजीव गुढा, नंदलाल वर्मा, रामावतार मीना, शिवचंद मीणा, राजेश बोयल, जगदीश मीणा, विद्याधर मीना, रोहितास मीणा, भागूराम, एडवोकेट प्रताप सिंह, हरलाल सिंह, बृजलाल धोलीवाल, सुभाष चंद्र वर्मा, राजेश कुमार, बजरंग लाल, ओमप्रकाश मीणा, अंकित कुमार, सीताराम सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

भाजपा जिलाध्यक्ष रामेश्वर मीणा का भावभट्ट व्यायामशाला के पहलवानों ने किया स्वागत

ब्यरो -एनपीटी

बूंदी 6 अप्रैल। भाजपा नवनियुक्त जिलाध्यक्ष रामेश्वर मीणा का स्वर्ग आश्रम भावभट्ट व्यायामशाला के संचालक रामनारायण राठौर व अध्यक्ष महेश गौतम के नेतृत्व में पहलवानों ने साफा बंधवाकर व पुष्प की मालाओं को पहनाकर जोशीला जोरदार स्वागत किया स्वागत। भारतीय जनता पार्टी जिलाध्यक्ष रामेश्वर मीणा भी भावभट्ट व्यायामशाला के नियमित सदस्य हैं। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष रामेश्वर मीणा ने कहां की व्यायामशाला बेहतर स्वास्थ्य के लिए वरदान साबित हुई है देश के नवनिर्माण में स्वास्थ्य के प्रति सजक रहने वाले सबसे ज्यादा जाता है तो व्यायाम के पहलवानों को जाता है जो राष्ट्र के प्रति अच्छी सोच और अपने परिवार के बेहतर शारीरिक सौष्ठव से नियमित दिनचर्या में काफी सेहत भरी जीवन

में योगदान साबित होती है। रामेश्वर मीणा ने कहा कि रोजाना नियमित व्यायाम करने वाले हमेशा तंदुरुस्त दिखाई देते हैं जिसका जीता जागता उदाहरण भागवत व्यायाम शाला है। मेरा जो सम्मान व्यायाम शाला में किया गया है इसका मैं आभारी रहूंगा जब भी मेरी जहां चाहे वहां जरूर हो मैं आपके लिए सदा तट पर रहूंगा। व्यायाम शाला के संचालक रामनारायण राठौर ने कहा कि भागवत व्यायाम शाला 150 वर्षों से स्थापित है जब से नियमित व्यायाम शाला और कुश्ती में राजस्थान भर में अपना लोहा मनवा चुका है। आजकल के परिवेश के अनुसार व्यायाम शाला में अब अत्याधुनि के मशीनों द्वारा जिम जैसा भी बना दिया है। यहां आने वाले नियमित व्यायाम करने वाले खुले आसमान के नीचे एवं जिम में अपना व्यायाम करते हैं। व्यायामशाला में सिद्धनाथ महादेव मंदिर, हनुमान जी की प्रतिमा लोगों की मनोकामनाएं पूर्ण करती है। अध्यक्ष महेश गौतम ने कहा कि हमारे अखाड़े में आने वाले नियमित सदस्य भाजपा जिला अध्यक्ष रामेश्वर मीणा का स्वागत के लिए आज सभी पहलवानों में हर्ष का वातावरण देखा गया है। हमें नाज है हमारे अखाड़े के पहलवान को भारतीय जनता पार्टी का जिला अध्यक्ष बनाया। भाजपा जिलाध्यक्ष रामेश्वर मीणा का स्वागत करने में उपाध्यक्ष पहलवान तरुण राठौर, पप्पू नौसलिया, रमेश तोषनीवाल, बृजेश कुमार, पहलवान मूलचंद, अजय त्यागी, गिरिराज, वीरेंद्र यादव, राजेंद्र सोनी, महावीर बिरला, हनुमान बिरला, रमेश जांगिड़ आदि ने स्वागत किया।

जंगल मे ट्रक से उतारकर दो युवको से मारपीट कर 5 हजार की नगदी लूटी

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो
चौसाना। ट्रक सवार खंडलाना जिला सहारनपुर निवासी दो मजदूर युवको के साथ मारपीट करते हुये पाँच हजार की नगदी लूटने की घटना से हडकम्प मच गया। आरोप है कि आरोपी युवको की बाइक सडक के बीचोबीच खडी थी, जिसको ट्रक सवार युवको ने विरोध किया,जिस पर आरोपी युवको ने अपने साथियों को बुला लिया और सरेराह मारपीट की गई।घटना मे युवको को गम्भीर चोटे आई है। पीडितो ने पुलिस को शिकायत करते हुये कार्यवाही की मांग की है। पानीपत से गैस के ट्रक सहारनपुर तक सप्लाई देते है। रविवार को दोपहर को ट्रक के वापस पानीपत जाते समय पंकज व सुमित निवासीगण खंडलाना जिला सहारनपुर कलालहटी से ट्रक मे लिफ्ट लेकर बैठे। दोनो युवक करनाल मे किसी फैक्टरी मे मजदूरी करते है। आरोप है कि जैसे की खोडसमा मे मैरिजहोम के निकट पहुँचे तो सडक के बीचोबीच दो

युवको ने बाइक को खडा किया हुआ था। युवको के विरोध पर गाली गालौच व मारपीट की गई। आसपास के लोगो ने दोनो पक्षो की मारपीट को शांत करा दिया। इसके बाद आरोपी युवको ने बिडौली से कुछ युवको को बुला लिया और खोडसमा से निकलते ही करीब पाँच मीटर की दूरी पर फिर से ट्रक को रूकवा लिया और ट्रक सवार दोनो युवको को ट्रक से उतारकर जमकर पीटा और पाँच हजार की नगदी को लूट लिया। इसके बाद आरोपी युवको मौके से फरार हो गये। पीडितो ने आरोपियों की संख्या करीब 8 बताई है। पुलिस ने मेडिकल के लिये भेजा है आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

इन्होंने ने कहा,
इस तरह की घटना गम्भीर है। पीडितो द्वारा बताई गई घटना सच पाई जाती है तो तत्काल आरोपियों को पकडा जायेगा और कडी कार्यवाही की जायेगी।
-जितेन्द्र शर्मा, प्रभारी निरीक्षक झिंझाना थाना

सुरक्षा पर उठे सवाल, विडियो वायरल

चौसाना। ट्रक सवार युवको के साथ मारपीट के कारण अभी तक स्पष्ट नही हो सके। लेकिन सरेराह गुंडीगर्दी का परिचय देते हुये दबंगो द्वारा घटना कारित करना सुरक्षा पर सवाल खडा करता है। एक ओर तो पुलिस बुलेट से पटाखा मारने वालों की खबर ले रही है वही इस तरह की घटना हो जाना चुनौती जैसा प्रतीत होता है।

मारपीट के आरोप में महिला सहित चार पर मुकदमा दर्ज

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो कैराना। पुरानी रंजिश के चलते पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर दंपति सहित चार लोगों के खिलाफ सुसंगत मुकदमा दर्ज किया है। मोहल्ला रेतावाला निवासी पीड़िता सलमा पत्नी खालिद ने कोतवाली पर तहरीर देकर महिला सहित चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।बताया है कि गत शनिवार की शाम लगभग छह बजे घर पर रोजमर्रा के कार्य कर रही थी। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाली शौकीना पत्नी मौसम आई और आते ही मेरे पति खालिद के बारे में पूछताछ करने लगी। आरोप है कि थोड़ी देर बाद ही मौसम पुत्र मुमताज, इस्तिकार व सुहैल पुत्रगण मौसम व शौकीना पत्नी मौसम घर में घुस आए और आते ही गाली-गलौज करने लगे, विरोध करने पर खालिद के साथ लाठी डंडों से मारपीट की। पति को बचाने आई सलमा के साथ भी गाली-गलौज व मारपीट की गई।परिजनों द्वारा घायल पति -पत्नी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर भर्ती कराया गया है,जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया है। दबंग भविष्य में मौका मिलने पर जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर दंपति सहित चार लोगों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

विवाहिता महिला की मौत के प्रकरण में कार्रवाई को लेकर दी तहरीर

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो
कांधला,थाना क्षेत्र के गांव हुरमजपुर में विवाहिता महिला की मौत के मामले में परिजनों ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। मामले में रिपोर्ट दर्ज न होने पर मृतका महिला के परिजनों ने उच्चाधिकारीयों को मामले की शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। जनपद बागपत के गांव छछरपुर निवासी नीतू की शादी गांव हुरमजपूर निवासी अंकित के साथ 19 जनवरी 2019 में शादी हुई थी। शादी के बाद उसके यहां एक पुत्र ने जन्म लिया। बीते शनिवार को नीतू की शामली के एक निजी चिकित्सालय में उपचार के दौरान मौत हो गई थी। पिता मगन सिंह ने थाना कांधला पर हत्या का आरोप लगाते हुए पति, ससुर, सांस, देवरा के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की थी। मामले में 2 दिन बीत जाने के बाद भी रिपोर्ट दर्ज न होने पर मायके पक्ष के लोगों ने उच्च अधिकारीयो से प्रकरण को लेकर वार्ता की थी। भाई सौरभ ने जानकारी देते हुए बताया कि अधिकारियों ने जांच के बाद कार्रवाई का आश्वासन दिया है। उधर ससुराल पक्ष के लोगों के अनुसार महिला काफी समय से बीमार थी। और उसका एक निजी चिकित्सालय में शामली उपचार चल रहा था।जिसकी पूरी जानकारी मायके पक्ष के लोगों को भी थी। रविवार को घटना के संबंध में पीड़ित परिजनों ने अधिकारियों को मामले से संबंधित शिकायती पत्र देकर अभियोग पंजीकृत कर कार्रवाई की मांग की है। थाना पुलिस का कहना है कि घटना के संबंध में जांच की जा रही है।

सफाईकर्मी के साथ मारपीट में 5 लोगों पर मुकदमा दर्ज,दो गिरफ्तार

- महिला सफाई कर्मी ने जातिसूचक शब्दो के साथ मारपीट का लगाया था आरोप

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो
कैराना। पुलिस ने महिला सफाईकर्मी को जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करने,गाली-गलौज व मारपीट के आरोप में दो महिलाओं सहित पाँच लोगों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।
मोहल्ला दरबार खुर्द निवासी महिला सफाईकर्मी संतोष पत्नी जयप्रकाश ने कोतवाली पर तहरीर देकर दो महिलाओं सहित पाँच लोगों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया है। बताया है कि गत शनिवार की सुबह अपने सफाई क्षेत्र मदीना मस्जिद के बराबर में वार्ड नम्बर 10 मोहल्ला छड़ियान में सफाई कार्य कर रही थी।आरोप है कि इसी दौरान परवेज पुत्र कय्यूम मोहम्मद हसन,नईम व खतीजा पत्नी नईम, इरफान पत्नी परवेज ने आते ही गाली- गलौज व जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए मारपीट की। इस दौरान उसका मंगलसूत्र भी टूट गया,जो अभी तक मिल नहीँ रहा है।पीड़िता ने दबंगों पर गला घोंटकर हत्या करने का भी आरोप लगाया है और आशंका व्यक्त की है कि उसके साथ कोई भी दुर्घटना घटित हो सकती है। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने मामले में दो महिलाओं को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया है।

महिला के साथ महिला ने संबंध बनाने का बनाया दबाव

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो
कांधला,थाना क्षेत्र की महिला ने पड़ोसी महिला पर जबरन यौन संबंध बनाने का आरोप लगाया है। महिला ने घटना के संबंध में पुलिस को शिकायत कार्रवाई की मांग की है। थाना क्षेत्र के मोहल्ला निवासी महिला ने पुलिस को तहरीर देते हुए बताया कि पड़ोस की एक महिला ने उसके कीमती जेवर व पैसे ले रखे हैं। आरोप है कि जब भी पीड़िता महिला ने उक्त महिला से अपने जेवर व पैसे लौटाने की बात कही तो उक्त महिला पीड़िता महिला के साथ पुरुषों की तरह रिलेशनशिप में रखा यौन संबंध बनाने का दबाव बनाती है। जब महिला ने आरोपी महिला का विरोध किया तो उक्त महिला ने पीड़ित का हजारो रुपए का मोबाइल तोड़कर पति को झूठ दुष्कर्म के केस में फंसने की धमकी। पीड़िता ने पुलिस से कार्रवाई की मांग की।

बाइक की टक्कर से वृद्ध की मौत, चिकित्सक पर लापरवाही का आरोप

चौसाना। बिडौली मार्ग से खोडसमा गांव से अपने घर चौसाना लौट रहे 62 वर्षीय एक वृद्ध को पीछे से आ रही बाइक ने टक्कर मार दी। वृद्ध बाइक की टक्कर से गम्भीर घायल हो गया। आसपास के लोगो ने वृद्ध को निकट के क्लीनिक पर भर्ती कराया। चिकित्सक ने उपचार के बाद वृद्ध को घर भेज दिया। जहॉ वृद्ध ने दम तोड दिया। परिजनो ने चिकित्सक पर लापरवाही का आरोप लगाया है वही आरोपी बाइक चालक पर भी कार्यवाही की मांग की है। पीडितो की शिकायत पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिये भेजा है। चौसाना चौकी क्षेत्र के दलित मौहल्ले मे रहने वाला वृद्ध जनेश्वर शनिवार की देरशाम को खोडसमा से अपने घर लौट रहा था। रास्ते मे सुंदरनगर तिराहे के निकट पीछे से आ रही बाइक ने वृद्ध जनेश्वर को टक्कर मार दी। जिससे वृद्ध सडक पर जा गिरा और लहुलुहान हो गया। आसपास के लोगो को वृद्ध को निकट के चिकित्सक के पास भर्ती कराया और पुलिस व परिजनो को हादसे की जानकारी दी गई। आरोप है कि चिकित्सक ने लापरवाही करते हुये वृद्ध जनेश्वर को घर ले जाने की बाते कही। परिजन घर ले गये जहॉ वृद्ध जनेश्वर ने दम तोड दिया। पीडितों ने चिकित्सक पर लापरवाही आरोप लगाते हुये बाइक चालक के खिलाफ नामजद तहरीर दी है। वही पीडित परिवार की तहरीर पर पुलिस ने शव का पोस्टमोर्टम कराया। पीडित मजदूरी व खेती से परिवार का पालनपोषण करता आ रहा था।

दोस्त ने बेच डाली बाइक, वापस मांगने पर की मारपीट

बाबरी निवासी पीडित की तहरीर पर पुलिस ने दो आरोपितों पर दर्ज किया मुकदमा

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो
शामली। दोस्त की बाइक लेकर उसे बेचने के मामले में बाबरी पुलिस ने पीडित की तहरीर पर दो आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार बाबरी निवासी अवनीश ने थाने पर तहरीर देते हुए बताया कि वह मेरठ-कंकरखेडा बाईपास पर गाडी चलाने का काम करता है, जहां उसकी जान पहचान रिहान के साथ हो गयी। जनवरी 2024 में उसने एक बाइक लोन पर ली थी। कुछ दिन बाद रिहान उससे मिलने शामली आया तथा कुछ दिनों के लिए उसकी बाइक मांगी। उसने दोस्त समझकर रिहान को बाइक दे दी, कुछ दिन बाद जब उसने रिहान से अपनी बाइक मांगी तो उसने उसके साथ गाली गलौच करते हुए बाइक देने से साफ इंकार कर दिया। अवनीश ने बताया कि उसे पता चला कि रिहान ने उसकी बाइक एक अन्य युवक अरूण को 80 हजार रुपये में बेच दी है। कुछ दिन बाद रिहान व अरूण ने उसे बाइक वापस करने की बात कहकर बुलाया तथा उसके साथ बुरी तरह मारपीट की जिसमें वह घायल हो गया। आरोपितों ने बाइक देने से भी इंकार कर दिया। पीडित ने पुलिस से आरोपित के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिहान पुत्र शकील कुरैशी निवासी गांव खिर्वा जलालपुर जनपद मेरठ व अरूण निवासी मऊ खास जनपद मेरठ के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

संक्षेप समाचार :

पुआल के ढेरों में लगी भयंकर आग, मची अफरातफरी

कैराना : नगर के खुरगान मार्ग पर कबाड़ी की दुकान के निकट पुआल के ढेरों में अज्ञात कारणों से भयंकर आग लग गई। आग लगने से आसपास के दुकानदारों में अफरातफरी मच गई। आसपास के लोगों ने बड़ी मशक्कत के आग पर काबू पाया। खुरगान मार्ग पर स्थित अलीशेर के निकट कबाड़ी व्यापारी तहसीन उर्फ मोटा की दुकान के निकट पुआल का ढेर लगा हुआ था। रविवार को पुआल के ढेर में अज्ञात कारणों से आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। वहीं आसपास के व्यापारियों व लोगों में अफरातफरी मच गई। जिसके बाद लोगों ने मिट्टी व पानी से आग पर काबू पाया। गामिनत रही की समय रहते आग पर काबू पाने के कारण भारी नुकसान होने से बच गया। उसके उपरांत सभी ने राहत की सांस ली है।

जिजौला में तीन सीसी सड़कों के निर्माण की मांग

चौसाना। जिजौला के ग्रामीणों की मांग के अनुसार पहला मार्ग फैक्टरी वाली सडक से अनीस की टयूबवैल तक है, दूसरा मार्ग चौसाना के मुख्य मार्ग से अलीपुरा में नसीम के मकान तक और तीसरा मार्ग जिजौला के खेल मैदान से बल्लामाजरा की सीमा तक है। तीनों मार्गों की कुल लंबाई लगभग तीन हजार मीटर है।ग्रामीणों का कहना है कि ये रास्ते आवागमन के लिहाज से बेहद जरूरी हैं और इनका निर्माण लंबे समय से लंबित है। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में कई बार जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। उपजिलाधिकारी ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए जल्द ही लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से रिपोर्ट मंगवाकर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।इस दौरान आदिल ग्राम प्रधान,नाजिम राणा,दिलबहार,सददाम,अकरम,दिलशाद आदि मौजूद रहे।

विवाद को लेकर हुई हत्या के मामले में अभियुक्त गिरफ्तार

कांधला। बीते सोमवार के देर रात गांव सुन्ना में गांव निवासी अफसरुन व आशु के बीच बच्चों के झगड़े को लेकर विवाद हो गया था। मामले में आशु पुत्र लतीफ, जावेद पुत्र नूरहसन व ताजुदीन पुत्र इशबू व अपसाना पत्नी आशु भी रास्ते मे आशु के मकान के सामने आ गये ओर इन चारो लोगों ने अफशरून को रास्ते में गिराकर मारपीट की थी। जिससे की मौत हो गई थी। मामले में पीड़ित के भाई साजिद ने महिला अफसाना सहित 5 लोगो के विरुद्ध नामजद तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामला पंजीकृत करते हुए कार्रवाई शुरू कर दी है। थाना प्रभारी निरीक्षक क्षितिज कुमार का कहना है कि घटना के संबंध में ताजुद्दीन को रेलवे फाटक से गिरफ्तार किया है।

टंकी में शौच के मामले में नाबालिग के खिलाफ मुकदमा

झिंझाना। गांव वेदखेड़ी स्थित पानी की टंकी में शौच के मामले में ग्राम प्रधान की तहरीर पर नाबालिग युवक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। मंगलवार को थाना क्षेत्र के गांव वेदखेड़ी में गांव के ही एक बालक द्वारा प्राइमरी स्कूल के निकट निमार्णाधीन टंकी के ऊपर चढ़कर शौच करने आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने हंगामा कर दिया था। आरोपी बालक के खिलाफ कार्यवाही की मांग की गाई थी। इस कृत्य की एक अन्य युवक ने वीडियो भी बना ली थी जो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रही है। गांव के प्रधान आमिर आलम ने बताया कि पानी की टंकी अभी निमार्णाधीन है तथा पानी की सप्लाई डायरेक्ट दी जा रही है, इसलिए किसी को भी कोई नुकसान नहीं हुआ है, वहीं आरोपी बालक के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी गई है। पुलिस ने पानी की टंकी में शौच करने वाले बालक के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर कार्यवाही शुरू कर दी है।

हूटर बजाने के विरोध पर मारपीट की

झिंझाना। कार में लगे हूटर बजाने से मना करने पर कार चालक तथा उसके परिवार ने पीड़ित के साथ मारपीट कर दी, पीड़ित ने थाने में दी तहरीर के आधार पर पुलिस ने मामला पंजीकृत कर कार्यवाही शुरू कर दी है। रवि कुमार पुत्र राजकुमार निवासी गुगन पुरा मेरठ करनाल हाईवे ने थाने में दी तहरीर में बताया कि शनिवार की सुबह वह अपनी पेस्टिसाइड की दुकान खोलकर बैठा था तभी पडौस में रहने वाले अरुण कुमार एवं उसके पुत्रों द्वारा अपनी काले रंग की स्कार्पियों में तेज आवाज में गाने एवं हूटर बजा रहा था। जब हूटर बजाने का विरोध किया गया तो उपरोक्त अरुण कुमार एवं उसके पुत्र विनय कुमार, रितिक उर्फ लाले, सोनू के द्वारा अपने हाथों में लाठी व डंडे लेकर मेरी दुकान में घुस आए और दुकानदार के साथ मारने पीट कर दी, जिसमे दुकानदार को काफी चोटे आई है। पीड़ित रवि द्वारा दी गाई तहरीर के आधार पर पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कार्यवाही शुरू कर दी है।

अलग अलग मामलों में दो लोग टक्कर लगने से घायल

झिंझाना। दो अलग अलग मामलों में बाइक सवार दो लोग टक्कर लगने से घायल हो गए। पीड़ित के परिजनों द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत करते हुए कार्यवाही शुरू कर दी है। थाना क्षेत्र के गांव चौसाना निवासी जनेश्वर खोड़सामा से चौसाना बाइक द्वारा जा रहा था, कि पीछे से आ रहे चौसाना निवासी रहमान पुत्र मुव्वर बाइक चालक ने पीछे से टक्कर मार दी, घायल को हॉस्पिटल में भर्ती कराया। दूसरी ओर थाना कैराना क्षेत्र के गांव पावटी कलां निवासी ने थाने में तहरीर में बताया कि उसका विकलांग भाई अजय पुत्र नाथीराम स्कूटी से वापिस घर जा रहा था, की गाड़ी वाला चौक पर सड़क पार करते समय शामली की दिशा से आ रहे अज्ञात बाइक चालक ने स्कूटी में टक्कर मार दी, जिससे उसका भाई गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे एंबुलेंस द्वारा सीएचसी में भर्ती कराया। पुलिस ने दोनों मामलों को दर्ज कर कार्यवाही शुरू कर दी है।

रामनवमी के अवसर पर निकाली भव्य शोभायात्रा

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो
कैराना। नगर में रामनवमी के अवसर पर भगवान श्रीराम की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इस से पूर्व डीएम अरविंद सिंह चौहान व एसपी रामसेवक गौतम ने पूजन किया। सुरक्षा की दृष्टिगत पुलिस व पीएसी बल तैनात रहा। रविवार को नगर में स्थित प्राचीन सिद्धपीठ बाबा बनखंडी महादेव मंदिर परिसर से रामनवमी के पावन पर्व पर शिव सेवा सनातन मंडल द्वारा भगवान श्रीराम की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इसे पूर्व एडीएम संतोष सिंह ने कन्याओं के पैर धोकर उनका पूजन कर उपहार वितरित किए। वहीं डीएम अरविंद सिंह चौहान व एसपी रामसेवक गौतम ने शोभायात्रा से पूर्व मंदिर में पूजन किया। जिसके बाद प्रति वर्ष की भाती सारथी व सेवक की बोल कर शोभायात्रा आरंभ की गई। शोभायात्रा चौक बाजार, जोड़वा कुआं बाजार, पुराना बाजार, निर्मल चौराहा, गुंबद आदि से होते हुए पुनः मंदिर परिसर में जाकर संपन्न हुई। इस अवसर पर ढोल-नगाड़ों तथा बैंड-बाजों के साथ ही सुंदी झांकियां शामिल थीं, जो आकर्षण का केंद्र बनी हुई थी। नगरवासियों ने शोभायात्रा पर पुष्पवर्षा कर स्वागत भी किया। इस अवसर पर अशोक अग्रवाल, अनिल मित्तल एडवोकेट, राकेश वर्मा व शगुन मित्तल, अभिषेक गोयल, अमित सिंघल, संजीव गोयल, राकेश सप्रेटा, आलोक गर्ग आदि मौजूद रहे। वही सुरक्षा की दृष्टिगत अंडर ट्रेनिंग सीओ जितेंद्र कुमार, कोतवाली प्रभारी निरीक्षक बिजेंद्र सिंह रावत, किलागेट चौकी प्रभारी एसआई आनंद कुमार व इमामगेट चौकी प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार पीएसी बल तैनात रहा।

धूमधाम के साथ निकाली रामनवमी की शोभायात्रा

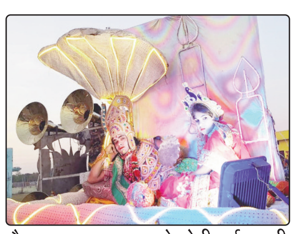

कांधला। रविवार को नगर के श्री रामलीला कमैटी मड़प पंचवटी के तत्वधान में प्रति वर्ष की तरह चैत मास रामनवमी के उपलक्ष में भव्य शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। श्री रामलीला कमेटी मंडप पंचवटी के प्रबंधक रामकुमार सिंघल द्वारा भगवान श्री गणेश, श्री रामलला के विधिवत पूजन के बाद शोभायात्रा का उद्घाटन कर शुभारंभ कराया गया। श्रीरामचन्द्र की जय घोष उत्साह के साथ शोभा यात्रा कैराना मार्ग कांधला पर निकली। शोभा यात्रा में भगवान श्री गणेश, माता दुर्गा, कौशल्या श्री हरि विष्णु, रामजन्म कौशल्या, सहित सुन्दर झांकी के साथ राम लला का विमान शामिल रहा। शोभा यात्रा नगर के कैराना कांधला मार्ग, पुराना पीएनबी शाखा जैन मन्दिर, जैन स्थानक, मैन बाजार, जामा मस्जिद, कानूनगोयान, मौहल्ला रायजादगान से होती हुई लक्ष्मी नारायण मन्दिर पर आकर देर रात सम्पन्न हुई। शोभा यात्रा में शामिल बैण्ड बाजो और डीजे ने श्रीराम के भजनों का गुणगान करते हुए श्रद्धालुओं को झूमने पर विवश कर दिया। इस दौरान दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष नत्थूमल जैन, हंस कुमार, दीपक जैन, नीरज गुप्ता, श्याम कुमार, सिंघल, ब्रज कुमार मित्तल, राजीव गोयल, राजेन्द्र आचार्य, श्याम शिवम गोयल, निखिल महेश्वरी, धनप्रकाश गोयल मौजूद रहे।

हनुमान धाम पर धूमधाम व उल्लास से मनाया श्रीराम प्रकटोत्सव

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो
शामली। शहर के मंदिर हनुमान टीला हनुमान धाम पर रविवार को श्रीराम प्रकटोत्सव श्रद्धा से मनाया गया। इस अवसर पर श्रीराम दरबार में चल रहे श्री रामचरित मानस पाठ का भी समापन हो गया, इसके बाद भगवान श्रीराम की महाआरती भी हुई जिसमें अनुराग शर्मा, आदेश शर्मा, वंश नामदेव, नमन कर्णवाल ने भगवान श्रीराम के कई भजन प्रस्तुत किए। इस अवसर पर एडीएम संतोष कुमार सिंह, हनुमान धाम के प्रधान सलिल द्विवेदी, सचिव राजकुमार मित्तल ने भगवान श्रीराम की आरती। इसके पश्चात मंदिर प्रांगण से श्रीरामायण जी की शोभायात्रा का शुभारंभ हुआ। शोभायात्रा में सदर विधायक प्रसन्न चौधरी रहे जिनका मंदिर के पदाधिकारियों ने स्वागत किया। शोभायात्रा में महिलाएं सिर पर रामायण रखकर चल रही थी। शोभायात्रा हनुमान धाम से प्रारंभ होकर वीवी इंटर कालेज, कबाडी बाजार, बडा बाजार, गांधी चौंक, शिव चौंक होते हुए हनुमान धाम पर संपन्न हुई। शोभयात्रा का जगह-जगह पुष्पवर्षा से भव्य स्वागत भी किया गया। हनुमान धाम के प्रधान सलिल द्विवेदी ने बताया कि मंदिर में चल रहे बूढे बाबा मेले का भी समापन हो गया। शोभायात्रा के पश्चात मंदिर में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इस अवसर पर पुनीत द्विवेदी, मुकेश मैनेजर, रमेश धीमान, पं. देवानंद शास्त्री, पं. रामकुमार, पं. मोहित, नगर पालिका चेयरमैन अरविन्द संगल, अमित मुंशी, डा. अनुराग शर्मा, मुकेश कर्णवाल, अमित प्रजापति, वंश नामदेव, गुरुशरणम रुहेला, सागर मित्तल, मनोज मित्तल, संजीव वर्मा, अमित गर्ग, भोला, अमित तरार, मोंटी, रोबिन गर्ग, रविकांत, रोहित संगल आदि मौजूद रहे।

दलित पर फावड़े से जानलेवा हमला

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो
कांधला। संवाददाता थाना क्षेत्र के गांव असदपुर जिडाना में खेत पर कार्य कर रहे हैं दलित किसान पर गांव के ही दबंग लोगों ने फावड़े से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना के संबंध में पीड़ित ने पुलिस को शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। थाना क्षेत्र के गांव असदपुर जिडाना निवासी दलित किसान तिरपाल सिंह ने पुलिस को मामले की शिकायत करते हुए बताया कि गांव में अपने खेत पर पानी चल रहा था इसी दौरान गांव के इस्लाम व शोराज ने मौके पर पहुंचकर किसान के साथ अबेद्रता करते हुए जाति सूचक शब्दों का प्रयोग किया। जब किसान ने उक्त दबंगो का विरोध किया तो आरोप है कि दोनों लोगों ने फावड़े से हमला कर किसानों को गंभीर रूप से घायल कर दिया। जिसमें किसान बुरी तरह से घायल हो गया। घायल की चीख पुकार सुनकर आसपास के लोग मदद के लिए मौके पर पहुंचे, तो आरोपी हमलावर मौके से घटना को अंजाम देने के बाद फरार हो गए। परिजनों घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कांधला में भर्ती कराया। जहां से उपचार के लिए घायल को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

ग्लोब स्टार एकेडमी ताना में ब्राह्मण समाज का सम्मेलन आयोजित

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो

झिंझाना। ग्लोब स्टार एकेडमी ताना में ब्राह्मण समाज का सम्मेलन आयोजित किया गया, वहीं कार्यक्रम में सभी छात्रों को उनके अंक पत्र वितरित किए गए तथा प्रतिभावान छात्रों को पुरस्कृत देकर सम्मानित किया गया।

रविवार को ग्लोब स्टार एकेडमी ताना में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ऊन ब्लॉक अध्यक्ष रामपाल सिंह, बंटी चौधरी जिला उपाध्यक्ष किसान मोर्चा, विशिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सर्व ब्राह्मण महासभा संपूर्ण

भारत के राष्ट्रीय महामंत्री डॉक्टर संदीप शर्मा की प्रेरणा पर जनपद शामली के युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष पंकज शर्मा को मनोनीत किया गया। उन्होंने कहा कि महासभा के दायित्व्यों का निर्वहन करते हुए लग्न और मेहनत से कार्य किया जायेगा। कार्यक्रम के बीच में एकेडमी के छात्रों को उनके अंक पत्र वितरित किए कर मेधावी छात्रों को पुरस्कृत देकर सम्मानित किया गया। ग्लोब स्टार एकेडमी ताना के प्रबंधक सचिन शर्मा व प्रधानाचार्य पंकज शर्मा ने सभी अतिथियों को फूल माला पहनाकर सम्मानित किया। पंकज शर्मा को ब्राह्मण समाज जिला अध्यक्ष बनने सभी का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर सर्व ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री संदीप शर्मा, हरीश गौतम सहित एकेडमी स्टाफ उपस्थित रहा।

महिला ने लगाया मारपीट
कांधला, थाना क्षेत्र के गांव असदपुर निवासी महिला ने पुलिस को तहरीर देते हुए बताया कि खेत पर मजदूरी का कार्य कर रही थी। इसी दौरान गांव का एक व्यक्ति खेत पर पहुंचा और महिला के साथ अश्लील हरकत करने लगा। जब महिला ने विरोध किया तो आरोपी व्यक्ति ने महिला के साथ जबरन दुष्कर्म का प्रयास किया। महिला ने विरोध किया तो आरोपी व्यक्ति ने महिला के साथ लात घूसों से मारपीट करते हुए घायल कर दिया। पीड़िता ने थाने जाकर पुलिस को

आवश्यकता है
दैनिक नेशनल प्रेस टाइम्स में शामली थानाभवन जलालाबाद झिंझाना बिडौली ऊन चौसाना बाबरी गढ़ी पुख्ता एलम बनत आदि स्टेशनों पर रिपोर्टरो की आवश्यकता है
इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें
आदिल राणा
जिला प्रभारी शामली
91-9082190000,
91-9997173786

शान्तिपूर्ण माहौल में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया रामनवमी पर्व, जिला प्रशासन रहे एक्टिव

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़ (झा०खं०), शान्तिपूर्ण माहौल में आपसी सौहार्द को बनाये रखते हुए हर्षोल्लास के साथ रामनवमी पर्व मनाये जाने को ले जिला प्रशासन एक्टिव रहे। त्यौहार को ले काफी सुरक्षा बलों की तैनाती की गई थी। जिले भर के सभी चौक-चौराहे व सेंसिटिव एरिया में काफी सुरक्षा बलों की तैनाती की गई थी। सुरक्षा बलों के द्वारा हर एक गतिविधियों पर पैनी नजर रखी जा रही थी।

ड्रोन एवं सीसीटीवी कैमरे से भी निगरानी की जा रही थी। त्यौहार को ले जिले के डीसी मनीष कुमार और पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार को अलर्ट मोड पर देखा गया। सुरक्षा व्यवस्था की पुख्ता इंतजाम के ध्यानार्थ डीसी- एसपी ने जायजा लेने के साथ मोर्चा संभाले हुए थे। पाकुड़ नगर में रामनवमी त्यौहार के मौके पर गाइडलाइन के मुताबिक अखाड़े की हर एक परिदृश्य की नजर रखी जा रही थी। जिले भर में जिला प्रशासन एक्टिव देखे गये। भक्तजनों ने धूमधाम और हर्षोल्लाह के साथ रामनवमी पर्व के शुभ मुहूर्त पर अखाड़े में शामिल हुए और अखाड़े में शास्त्र कला की तरह-तरह कलाकारी देखी गई। शास्त्र कला दिखाने में युवाएं माहिर रहा। लोगों को भक्ति गीतों के साथ झूमते हुए भी देखा गया। वही समाचार लिखे जाने तक शान्ति व सौहार्दपूर्ण वातावरण में श्रद्धा, भक्ति व उत्साह के साथ रामनवमी पर्व धूमधाम से पाकुड़ जिला में मनाया जा रहा था।

इसके सफल क्रियान्वयन को लेकर उपायुक्त मनीष कुमार व पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के द्वारा गांधी चौक, अम्बेडकर चौक, रेलवे फाटक के पास फ्लैग मार्च किया जा रहा था। सभी अखाड़ा की निगरानी ड्रोन कैमरों से भी किया गया है। उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक ने अखाड़ा सदस्यों को रामनवमी की बधाई दिया तथा आपसी सद्भावना एवं भाईचारा पूर्वक पूजा मनाने हेतु अनुरोध किया।

विधायक निशात आलम ने विद्युत आपूर्ति एवं पेयजलापूर्ति की

समस्या से निपटने को ले अधिकारियों से की बैठक, दिया निर्देश

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़ (झा०खं०), झारखण्ड विधानसभा चुनाव में सार्वाधिक मतों से विजयी रहे पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक निसात आलम ने सर्किट हाउस सभागार में जलापूर्ति एवं बिजली की समस्या को लेकर सम्बन्धित विभाग के पदाधिकारियों के साथ समीक्षात्मक बैठक किया। विधायक ने खराब पड़े सभी जलमीनार को शीघ्र मरम्मति करने का निर्देश पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता को दिया। पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता द्वारा बताया गया कि एक माह के अन्दर सभी जलमीनारों को ठीक कर दिया जावेगा। साथ ही चापानल के लिए तीन टीम लगातार कार्य कर रही है, जहां सूचना मिलती है, वहां का चापानल तुरन्त ठीक किया जा रहा है। विधायक द्वारा चापानल मरम्मती के लिए सभी आवश्यक सामग्री सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। वही प्रशासक, नगर परिषद को निर्देश दिया गया कि आवश्यकतानुसार तत्काल पांच टैंकर एवं एक ट्रैक्टर जिला प्रशासन की मदद से क्रय कर तत्काल रूट लाइनिंग बनाकर सभी वार्डों में पानी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। सभी खराब चापाकल की मरम्मति के लिए विशेष टीम बनाकर कार्य कराये। सप्लाई वाटर के लिए कनेक्शन हेतु सभी आवश्यक सुविधा सुनिश्चित की जाए। विधायक ने बिजली विभाग के कार्यपालक अभियंता को निर्देश दिया कि बिजली से सम्बन्धित सूचना प्राप्त होते ही नियमानुसार तत्काल ठीक करायें तथा जले हुए ट्रांसफार्मर को बदला जाना तथा तार बदलने आदि का रोड मैप तैयार कर निर्धारित समय सीमा के अनुसार सुनिश्चित किया जाए। मौके पर उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता राहुल श्रीवास्तव, विद्युत विभाग के कार्यपालक अभियंता, पीएचईडी के सभी अभियंता एवं विद्युत विभाग के अभियंता उपस्थित थे।

निबंधित संवेदकों की बैठक में विधायक हुए शामिल, दिलाया भरोसा

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़ (झा०खं०), पाकुड़ स्थित लड्डू बाबू आम बागान में पाकुड़ जिले के निबंधित संवेदकों की बैठक आयोजित हुई। बैठक में बतौर मुख्यातिथि लिट्टीपाड़ा विधानसभा क्षेत्र के विधायक हेमलाल मुर्मू ने अपनी भागीदारी सुनिश्चित किया। बैठक के दौरान उपस्थित सभी संवेदकों ने विधायक हेमलाल मुर्मू को पाकुड़ में टेंडर वर्क में यहां बिलों में वर्क अलर्ट होने के कारण कई संवेदक कार्य से अपने से ही वंचित रह जाते हैं की जानकारी साझा किया। साथ ही संवेदकों ने विधायक के समक्ष पाकुड़ में ऑफलाइन टेंडर करने की बाते कही। संवेदकों ने बताया कि पाकुड़ के लगभग सभी विभागों के द्वारा जारी टेंडर वर्क में स्थानीय संवेदकों को प्राथमिकता देने की भी बात रखी। वही विधायक हेमलाल मुर्मू ने संवेदकों के द्वारा साझा की गई मुद्दे को गंभीरता से सुनने के पश्चात आश्वस्त करते हुए कहा कि इस मामले में डीसी से वातार्लाप कर पाकुड़ से जारी टेंडर वर्क में पाकुड़ जिले के ही संवेदकों को ही प्राथमिकता दिलाने का कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि जहां तक बिलो की बात है तो प्रयास उनका रहेगा कि विभागीय गाइडलाइन के अनुसार कम से कम बिलो तक 5 से 10 प्रतिशत बिलो टेंडर डालने का प्रावधान सुनिश्चित कराया जायेगा। विधायक ने कहा कि उनकी सोच है कि पाकुड़ के जितने भी निबंधित संवेदक है, सभी को कुछ ना कुछ कार्य मिले, ताकि उन्हें रोजगार का आयाम मिल सके। अगर इन बातों का कोई उल्लंघन करता है तो वैसे लोगों को धरातल पर शत- प्रतिशत काम कराया जायेगा। विधायक हेमलाल मुर्मू ने कहा कि जल्द ही कैबिनेट की बैठक में यह निर्णय आ जायेगा कि टेंडर वर्क में बीलो अधिक से अधिक 10% ही हो, इस सम्बन्ध में उनकी ग्रामीण विकास मंत्री से वातार्लाप भी हुई है।

उन्होंने कहा कि पाकुड़ में काम की कोई कमी नहीं है, सभी लोग संयम से कार्य करे, सबको कुछ ना कुछ कार्य निश्चित रूप से मिलता रहेगा और मैं काम दिलाऊंगा। बैठक के दौरान संवेदकों के चेहरे पर मुस्कान जगजाहिर रहा, उनकी उम्मीद है कि उनकी डिमांड निश्चित रूप से पूरी होगी। वही बैठक में झारखू मुक्ति मोर्चा के पाकुड़ जिला अध्यक्ष अजीजुल ईस्लाम, उपाध्यक्ष हाजी समद अली, चंचल कुमार, जावेद अंसारी चंचल, बबलू, रंजन साहा, पंकज साहा, देवाशीष यादव, सुनील साह अन्य संवेदक मौजूद रहे।

सीएम हेमन्त सोरेन पत्नी संग की पुजा-अर्चना, की राज्य की खुशहाली की कामना

एनपीटी ब्यूरो

रांची, मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने पूरे विधि विधान के साथ रामनवमी का त्यौहार मनाया। इस दौरान सनातनी रीति-रिवाज के मुताबिक मुख्यमंत्री निवास पर उन्होंने ध्वज पताका लगाया। मुख्यमंत्र आवाज स्थित मंदिर में पूजा अर्चना की। मुख्यमंत्री ने इस दौरान अपनी पत्नी कल्पना सोरेन के साथ भगवान शिव की पूजा की। झारखण्ड मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन उनकी पत्नी विधायक कल्पना सोरेन ने रामनवमी पर्व के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री आवास स्थित मंदिर में पूजा-अर्चना कर राज्य की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मंदिर में श्रद्धालुओं और पुजारियों ने सीएम हेमन्त सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन का स्वागत किया।

झारखण्ड प्रदेश युवा कांग्रेस कमिटी में बेलाल शेख बने पाकुड़ जिलाध्यक्ष

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़ (झा०खं०), कांग्रेस के युवा कर्मठ एवं सक्रिय कार्यकर्ता बेलाल शेख को झारखण्ड प्रदेश युवा कांग्रेस कमिटी में पाकुड़ जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। झारखण्ड प्रदेश युवा कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष अभिजीत राय के द्वारा पत्रांक जारी करते हुए उल्लेख किया गया है कि पार्टी में सक्रिय भूमिका निभाने और कर्तव्य निष्ठा के कारण ही आपको झारखण्ड प्रदेश युवा कांग्रेस कमिटी में पाकुड़ जिलाध्यक्ष नियुक्त/ मनोनीत किया जाता है। उन्होंने आशा व्यक्त करते हुए कहा है कि आप निश्चित रूप से अपने दायित्व का निर्वहन करने में शत-प्रतिशत भूमिका अदा करेंगे। साथ ही पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का हाथ मजबूत करेंगे। वही झारखण्ड प्रदेश युवा कांग्रेस कमिटी में नव मनोनीत पाकुड़ जिलाध्यक्ष बेलाल शेख ने बताया कि पार्टी के झारखण्ड प्रदेश युवा कांग्रेस कमिटी के आलाकमान ने जिस उद्देश्य और लक्ष्य के साथ मुझे झारखण्ड प्रदेश युवा कांग्रेस कमिटी में पाकुड़ जिलाध्यक्ष के रूप में मनोनीत किया है, निश्चित रूप से पार्टी का विकास में अपनी कर्तव्यों का शत- प्रतिशत निर्वहन करेंगे और पार्टी को नई दिशा देने का प्रयत्न करते हुए पार्टी के शीर्ष (केन्द्रीय) नेतृत्व का हाथ मजबूत करने में अहम भूमिका सुनिश्चित करेंगे। बेलाल शेख ने अध्यक्ष बनाये जाने पर आभार प्रकट किया है।

पुलिस ने जमीन घोटाले के तीन गवाहों को भेजा जेल

पत्र भेजकर ईडी ने पूछा, गवाहों को कैसे भेजा जेल?

एनपीटी ब्यूरो

रांची, झारखण्ड में तीन गवाहों को जेल भेजने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। ईडी ने इस मामले में रांची पुलिस से डिटेल मंगायी है। दरअसल रांची पुलिस ने पिछले दिनों उमेश टोप्पो, शाहरुख और प्रवीण जायसवाल को जेल भेजा था। ये तीनों झारखण्ड के जमीन घोटाले में ईडी के गवाह थे। कांके के 5.37 एकड़ जमीन के कब्जा मामले में चल रही ईडी की जांच में ये तीनों बतौर गवाह रहे थे। अब रांची पुलिस से ईडी ने तीनों को जेल भेजने के मामले में जांच रिपोर्ट मांगी है। कांके थाना में 19 मार्च 2025 को दर्ज कांड में ईडी की ओर से रांची के पुलिस अफसरों से रिपोर्ट मांगी गयी थी। साथ ही ये पूछा है कि इस केस में कांके थाना की पुलिस द्वारा जेल भेजे गये केस की प्राथमिकी अभियुक्त और ईडी के गवाह उमेश टोप्पो, कांके अंचल कार्यालय में पदस्थ प्रवीण जायसवाल और शाहरुख खान को कैसे जेल भेजा गया। तीनों को जेल भेजे जाने को लेकर ये जानकारी आयी है कि चामा निवासी घोड़े उरांव की शिकायत पर केस दर्ज हुआ था, जिसमें 11 लोगों को आरोपी बनाया गया था। केस में शिकायतकर्ता का आरोप है कि आरोपी पक्ष के लोगों ने मिलकर उनकी कायमी जमीन को नीलामी जमीन का नेचर बताकर गलत दस्तावेज के सहारे ऑनलाइन छेड़छाड़ कर बेच दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स में आयी के मुताबिक कमलेश सिंह के अलावे उमेश टोप्पो, शंकर कुजूर, राजेश लिंडा, रंजीत टोप्पो, कुन्ना टोप्पो, सूरज टोप्पो, मादी टोप्पो, कांके सीओ ऑफिस के पदाधिकारी व कर्मी और अन्य अज्ञात को आरोपी बनाया गया है।

फॉरेस्ट विभाग की बड़ी कार्रवाई, अज्ञात वन माफियाओं के विरुद्ध मामला दर्ज, छापेमारी जारी

एनपीटी ब्यूरो, झारखण्ड के पाकुड़ जंगल में बैखौफ वनमाफिया/उदंड किस्म के लोगों के द्वारा शायद जंगलों को क्षति पहुंचाने की नीयत से ही चोरी छुपी पेड़ की कटाई कर अपने व्यक्तिगत फायदे के लिए वन संरक्षण के बजाय अपनी हित के लिए कार्य कर रहे हैं। नतीजातन अक्सर अखबारों के पन्नों में अवैध वृक्ष कटाई की वृतांत अखबारों के पन्नों में भी सुर्खियां बटोरी होती हैं। दरअसल पाकुड़ वन प्रमण्डल, पाकुड़ के द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक 3 अप्रैल देर रात रात्रि गश्ती के दौरान वन अपराध में सम्मिलित एक महेंद्रा ट्रैक्टर एवं उस पर लदे ताजा मिश्रित प्रकाष्ठ सहित को बिना परिवहन अनुज्ञा पत्रों के ही भटिंडा से कनकपुर मुख्य पथ पर थाना प्रभारी महेशपुर के द्वारा पकड़ा गया तथा अधोहस्ताक्षरी को सूचित किया। इस दौरान चालक अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे। सूचना के उपरांत घटनास्थल पर पहुंच कर अधोहस्ताक्षरी ने विधिवत महेंद्रा ट्रैक्टर एवं ट्रेलर बिना नंबर प्लेट पर लदे लकड़ी का बोटा को नियमतः जप्त करते हुए थाना परिसर महेशपुर सुरक्षा हेतु लाया तथा 4 अप्रैल 2025 को उक्त ट्रैक्टर ट्राली एवं उस पर लदा हुआ मिश्रित प्रकाष्ठ सहित को पाकुड़ वन क्षेत्र कार्यालय परिसर सुरक्षार्थ हेतु लाया गया। बताया जा रहा है कि वाहन में अंकित निबंधन संख्या के आधार पर अपराधी का नाम प्रकाश में नहीं आया, क्योंकि मोबाइल एप्लीकेशन में जांच करने पर पता चला कि ट्रैक्टर में अंकित नंबर मोटरसाइकिल का है। इसलिए तत्काल उक्त प्रकरण में किसी अपराधी का नाम प्रकाश में नहीं आया। इस दिशा में अज्ञात अपराधी के द्वारा भारतीय वन अधिनियम 1927 (बिहार संशोधन अधिनियम 9/ 1990) की धारा- 41, 42 तथा झारखण्ड वनोपज (अभिवहन का विनियमन) की नियमावली, 2020 की धारा 18,घ के उल्लंघन करने के जुर्म में धारा- 52 (क) के तहत जब्ती की कार्रवाई की गई है। साथ ही उक्त घटना का जांच किया जा रहा है, पाकुड़ में सक्रिय वन माफियाओं के विरुद्ध लगातार छापेमारी की जा रही है, उस सभी अपराधियों को तुरन्त गिरफ्तार कर जेल भेजने के लिए वन विभाग ने कमर कस ली है, गश्ती दल की कमान मुख्य रूप से रामचंद्र पासवान, वन क्षेत्र पदाधिकारी पाकुड़ ने संभाल रखा है। वही गश्ती दल में नंदन कुमार दास, वनपाल, संजीव कर्मकार, वचन यादव के साथ गृहरक्षक सुजीत पांडे, किशन यादव अन्य शामिल थे।

दो दिवसीय दौरे पर विदेश जा सकते हैं सीएम हेमन्त सोरेन, निवेश पर चर्चा की सम्भावना

एनपीटी ब्यूरो, रांची, मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन जल्द ही विदेश दौरे पर जायेंगे। माना जा रहा है मुख्यमंत्री इस दौरान इन्वेस्टर्स से मुलाकात करेंगे और झारखण्ड में निवेश के लिए आमंत्रित करेंगे। मीडिया में आयी खबरों के मुताबिक मुख्यमंत्री दो देशों का जल्द दौरा कर सकते हैं। मुख्यमंत्री का सचिवालय मुख्यमंत्री के दौरे की रुपरेखा बनाने में जुटा हुआ है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पहली बार बतौर मुख्यमंत्री विदेश दौरे पर जायेंगे। इस दौरान वो स्वीडन और स्पेन का दौरा कर सकते हैं। जानकारी के मुताबिक मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन निवेश के लिए विदेश जा सकते हैं। सीएम हेमंत सोरेन साथ नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू भी विदेश दौरे पर जायेंगे मुख्यमंत्री का विदेश दौर इसी महीने हो सकता है। सीएम के विदेश दौरे के लिए भारत सरकार के विदेश मंत्रालय से क्लियरेंस मांगी गई है। मुख्यमंत्री अपनी पूरी टीम के साथ विदेश दौरा पर जाएंगे। निवेशकों के साथ चर्चा के साथ-साथ झारखंड में उद्योगों के गठन को लेकर भी चर्चा होगी।

भाजपा की 46 वें स्थापना दिवस पर किया ध्वजारोहण, बांटे मिठाईयां

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़ (झा०खं०- भाजपा के 46 वें स्थापना दिवस के अवसर पर पाकुड़ स्थित भाजपा जिला कार्यालय में कार्यकत्ताओं के साथ जिलाध्यक्ष अमृत पाण्डेय ने ध्वजारोहण किया। ध्वजारोहण के बाद कार्यकत्ताओं को मिठाई बांटी गई। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष अमृत पाण्डेय ने कहा कि आज भारतीय जनता पार्टी अपना 46 वां स्थापना दिवस मना रही है। 6 अप्रैल 1980 को हुई पार्टी की स्थापना के बाद से भाजपा ने भारतीय राजनीति में महत्वपूर्ण स्थान बना लिया है। श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय, अटल बिहारी वाजपेयी के प्रयासों और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय द्वारा प्रतिपादित ह्यएकात्म-मानवदर्शनह्ल को अपने वैचारिक दर्शन के रूप में अपनाया है। साथ ही पार्टी का अंत्योदय, सुशासन, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, विकास एवं सुरक्षा पर भी विशेष जोर है। भारतीय जनता पार्टी ने पांच प्रमुख सिद्धांतों के प्रति भी अपनी निष्ठा व्यक्त की, जिन्हें ह्यपंचनिष्ठाह्ल कहते हैं। ये पांच सिद्धांत (पंच निष्ठा) हैं-राष्ट्रवाद एवं राष्ट्रीय अखंडता, लोकतंत्र, सकारात्मक पंथ-निरपेक्षता (सर्वधर्मसमभाव), गांधीवादी समाजवाद (सामाजिक-आर्थिक विषयों पर गांधीवादी दृष्टिकोण द्वारा शोषण मुक्त समरस समाज की स्थापना) तथा मूल्य आधारित राजनीति। जिलाध्यक्ष अमृत पाण्डेय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में देश में राम मंदिर निर्माण, धारा 370 को समाप्त और तीन तलाक व वक्फ बोर्ड बिल को पास होते देखा है। भाजपा हर गांव-बस्ती में जाकर आरक्षण के प्रति लोगों में फैलाई भ्रांतियों को दूर करेगी। भारतीय जनता पार्टी का स्थापना दिवस समारोह 6 अप्रैल से 12 अप्रैल तक पाकुड़ जिले में बड़े धूमधाम से मनाया जायेगा। इस दौरान पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता कार्यालयों और अपने घरों पर भाजपा का ध्वजारोहण करेंगे। इसके साथ ही वे सोशल मीडिया पर #bjp4viksitBharat के साथ सेल्फी लेकर पोस्ट करेंगे। इस अवसर पर प्रदेश मंत्री दुर्गा मरांडी जी, जिला महामंत्री रूपेश भगत, जिला उपाध्यक्ष धर्मेंद्र त्रिवेदी, युवा मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य प्रसन्ना मिश्रा, स्थापना दिवस के जिला सह संयोजक सपन दुबे, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष दीपक साह,हिसाबी राय, पवन भगत शामिल हुए।

सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल वसुंधरा की मनमानी के खिलाफ अभिभावकों का जिलाधिकारी आवास पर प्रदर्शन

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

गाज़ियाबाद। सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल, वसुंधरा गाज़ियाबाद द्वारा प्रशासनिक आदेशों की अवहेलना और डीएफआरसी (उक्र्रख्) द्वारा निर्धारित फीस न लेकर मनमानी फीस वसूली के विरोध में लगभग 200 अभिभावक जिलाधिकारी आवास पर अपनी शिकायत दर्ज कराने पहुँचे।

स्कूल प्रशासन ने DFRC द्वारा निर्धारित शुल्क को स्वीकार करने से इनकार करते हुए करीब 108 छात्रों को अगली कक्षा में प्रमोट नहीं किया और ना ही उनका सेक्शन घोषित किया है। इसी मुद्दे को लेकर 23 मार्च 2025 को भी लगभग 150 अभिभावक जिलाधिकारी कार्यालय पहुँचे थे, लेकिन उस समय जिलाधिकारी महोदय अनुपस्थित थे।

इसके बाद अभिभावकों ने सिटी मजिस्ट्रेट से मुलाकात कर उन्हें समस्त दस्तावेज सौंपे, जिनमें स्कूल द्वारा भेजे गए डिमांड नोटिस, ईमेल और संबंधित अधिकारियों को भेजी गई अभिभावकों की शिकायतें शामिल थीं। सिटी मजिस्ट्रेट ने तत्काल दूरभाष पर डीआईओएस (उक्र्डर) से वार्ता की और समस्या के समाधान हेतु निर्देश दिए। परंतु समाधान न होने पर अभिभावकों का एक प्रतिनिधिमंडल गत शुक्रवार को डीआईओएस कार्यालय पहुँचा, जहाँ दो घंटे तक बैठक चली। लेकिन अभिभावकों को यह महसूस हुआ कि डीआईओएस श्री शर्मा और स्कूल प्रिंसिपल की भाषा शैली और रवैया एक जैसा है। इसके बावजूद श्री शर्मा ने एक पत्र जारी कर स्कूल प्रिंसिपल को छात्रों का प्रमोशन व सेक्शन आवंटन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

ए 6 अप्रैल 2025 को शाम 4 बजे के करीब अभिभावकों को ईमेल प्राप्त हुआ जिसमें कहा गया कि यदि अभिभावकों ने स्कूल द्वारा तय की गई फीस नहीं जमा की, तो उनके बच्चों का नाम काट दिया जाएगा। इस असंवेदनशील रवैये से क्षुब्ध होकर दोबारा लगभग 200 अभिभावक जिलाधिकारी आवास पर एकत्र हुए। जिलाधिकारी महोदय ने स्वयं बाहर आकर वार्ता नहीं की, लेकिन उन्होंने एडीएम सिटी को अभिभावकों से मिलने और समस्या सुनने के निर्देश दिए। एडीएम सिटी ने मौके पर ही स्कूल प्रिंसिपल से फोन पर वार्ता की और स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि किसी भी छात्र का प्रमोशन या सेक्शन रोका नहीं जाएगा। अन्यथा स्कूल प्रशासन के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

काली माता मंदिर पर लगी भक्तों की लंबी कतार

नेशनल प्रेस टाइम्स, ब्यूरो

मुरादाबाद। प्राचीन काली माता मंदिर में प्रत्येक आज रामनवमी पर भक्तों की भारी भीड़ है। रविवार के दिन भक्तों ने यहां सुबह से ही पहुंचना शुरू कर दिया। नगर निगम और प्रशासन की ओर से मंदिर के आसपास साफ-सफाई की विशेष व्यवस्था की गई है। मंदिर और उसके आसपास पुलिस को भी व्यवस्था बनाने के लिए तैनात किया गया है। मान्यता है कि प्राचीन काली माता मंदिर में पूरी आस्था और श्रद्धा के साथ भक्त जो भी

मांगते हैं वह मनोकामना पूरी होती है। बताया जाता है कि बहुत से ऐसे लोग हैं जो यहां नियमित रूप से मां के दर्शन करने के लिए आते हैं। आज रामनवमी पर भक्तों की भारी भीड़ देखी गई। इसके अलावा पुलिस प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट है, जैसे शहर के किसी भी मंदिर में भक्तों के साथ किसी तरह की हरकत ना होने पाए। इसके लिए शहर के प्रमुख मंदिरों पर जिला प्रशासन की ओर से पुलिस के जवानों की तैनाती की गई है। वहीं कंट्रोल रूम से भी पुलिस के जवान नजर बनाये हुए हैं।

संभल की सतव्रत पुलिस चौकी सज धज कर हुई 100 दिन में तैयार

नेशनल प्रेस टाइम्स, ब्यूरो

संभल/ संभल हिंसा के बाद विवादित जामा मस्जिद स्थल को लेकर हिंसा भड़क गई थी उसी को ध्यान में रखते हुए विवादित ढांचा से कुछ कदमों दूर सत्यव्रत पुलिस चौकी का आज रामनवमी के अवसर पर आला अधिकारियों एवं कन्या के द्वारा फीता काटकर भव्य उद्घाटन किया गया

वेद मंत्रों के द्वारा यज्ञ में आहुति के साथ पूजा अर्चना कर जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने फीता काटकर सत्यव्रत पुलिस चौकी का उद्घाटन किया 100 दिन में सज धज कर तैयार हुई सत्यव्रत पुलिस चौकी जिस पर महाभारत के चित्र रथ आदि दर्शाए गए हैं गीता के श्लोक भी किए गए हैं अंकित सुबह से ही लोग सेल्फी लेते नजर आए। लोगों को किसी प्रकार की कोई परेशानी ना हो सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए कानून व्यवस्था मजबूत रहे इसको लेकर दो मंजिला सत्यव्रत चौकी का किया गया है निर्माण।

मंदिरों में रामनवमी का पर्व श्रद्धा और भक्ति के साथ धूम धाम से मनाया गया

नेशनल प्रेस टाइम्स, ब्यूरो

मुरादाबाद में रविवार को राष्ट्रीय पुजारी परिषद के आव्हान पर महानगर के 111 मंदिरों पर धूमधाम से प्रभु श्री राम का जन्मोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर श्रीराम का अभिषेक, श्रीहनुमान चालीसा पाठ, श्रीराम स्तुति गान, रामावतार गान और श्रीराम की महाआरती कर प्रसाद वितरण किया गया।

श्री प्राचीन हनुमान मंदिर सरार्फा बाजार मन्डी चौक पर पंडित प्रवीण शर्मा व पंडित कार्तिक शर्मा, हाथी वाला मन्दिर कानून गोयन में पंडित राम नायक, छतरी वाला मन्दिर कानून गोयन में पंडित विनोद शर्मा, लक्ष्मी नारायण मंदिर मोहल्ला अताई में पंडित केशव शर्मा, मोहल्ला गुजराती स्थित सीताराम मन्दिर में पंडित हरे कृष्णा दुबे, मोहल्ला जीलाल में ठाकुर जी महाराज मंदिर में पंडित प्रेस शंकर शर्मा,देहरी गांव स्थित काली माता मंदिर मे पुजारी महेंद्र, नारायण मंदिर लाजपत नगर में पंडित प्रतीक शर्मा, मोहल्ला साहू मंडी चौक माता अन्नपूर्णा देवी मंदिर में पंडित अंकित तिवारी, भावों वाला मन्दिर पर पंडित दीपक तिवारी, कटघर बीच होली का मैदान हनुमान मंदिर में पंडित प्रदीप ओझा, कटघर पचपेडा स्थिति नवदुर्गा मंदिर पर पंडित गोविंद जोशी और कंजरी सराय स्थिति शिव दुर्गा मन्दिर में पंडित रमेश चंद्र शर्मा के नेतृत्व में शहर के अनेको मन्दिरों में धूम घाम से श्री राम जन्मोत्सव के कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में राष्ट्रीय पुजारी परिषद के संस्थापक श्याम कृष्ण रस्तोगी, अनिल रस्तोगी, शम्मी रस्तोगी, शिव शंकर बंसल, सुबोध शर्मा, श्याम शुक्ला, नितिन दुबे, बबलू भटनागर, अज्जू भटनागर, अनुज राजपूत,अंकुर अग्रवाल रीना रस्तोगी, नवनीत शर्मा, सोनाली शर्मा, सुरेश गुप्ता, अशोक अग्रवाल आदि भक्तों ने भाग लिया

(नरेंद्र नंदी) परमाल ने कमेटी डालने के नाम पर लोगो से ठगे लाखों रुपये

नेशनल प्रेस टाइम्स, ब्यूरो

गाजियाबाद। थाना मधुबन बापूधाम के अंतर्गत ग्राम रईसपुर का एक मामला सामने आया है। जहां रईसपुर की भोली भाली जनता को कमेटी का झांसा देकर लूटने का काम किया गया है। नरेंद्र पुत्र कृष्णा परमाल नामक व्यक्ति जोकि रईसपुर के ही निवासी हैं कमेटी के नाम पर लाखों रुपए वसूल लिए अब मांगने पर लोगो को धमकी। दे रहे है। जब हमारे संवाददाता ने रईसपुर में कमेटी के मेंबर और निवासियों से बात की तो उन्होंने बताया कि हमें कमेटी का झांसा देकर हमसे कहा था कि हम आपको 1000 पर 50000 देंगे जब हम ने पैसे मांग तो हमें धमकी दी जा रही है कि हमारे पास कोई पैसा नहीं है अगर हमसे तुम पैसों की बात करोगे तो हम तुम्हें झूठे मुकदमे में फंसा देंगे और हमारा पुलिस कुछ नहीं बिगाड़ पाएगी। नरेंद्र नंदी परमल ने रईसपुर की जनता से लाखों रुपए ठगने का काम क्या है नहीं है कार्रवाई का डर।

सड़क पर पड़ा मोबाइल उठाने पर ऑटो सवार दंपती को पीटा

नेशनल प्रेस टाइम्स, ब्यूरो

मोदीनगर। भोजपुर थाना क्षेत्र स्थित हापुड़-मोदीनगर मार्ग पर पड़ा मोबाइल उठाने पर बाइक सवार तीन आरोपियों ने ऑटो सवार दंपती इसरार और फरहत को खींचकर बुरी तरह पीटा। आरोपियों ने इसरार पर लात घूंसों और ईंट से वार कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। हमले में इसरार का दांत

टूट गया। पुलिस ने घटना की रिपोर्ट दर्ज की है।

भोजपुर के गांव त्यौड़ी-7 बिस्वा निवासी इसरार ने बताया कि वह दोपहर के समय अपनी पत्नी फरहत के साथ ऑटो द्वारा हापुड़ से लौट रहा था। जैसे ही मोदीनगर-हापुड़ मार्ग स्थित किल्हौड़ा गेट के समीप पहुंचा तभी सड़क पर एक मोबाइल पड़ा दिखा। इसरार ने ऑटो रूकवाकर सड़क से मोबाइल उठाकर अपनी जेब में रख लिया। आरोप है कि जैसे ही वह कुछ दूर पहुंचे तभी बाइक सवार तीन युवकों ने जबरन ऑटो रुकवा लिया और मोबाइल उठाने पर इसरार से गाली-गलौज करने लगे। इसरार ने विरोध किया तो आरोपियों ने इसरार और उसकी पत्नी फरहत को ऑटो से खींच लिया और उनकी बुरी तरफ पिटाई कर दी। घटना की शिकायत करने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से भाग गए। एसीपी मोदीनगर ज्ञानप्रकाश राय ने बताया कि तहरीर के आधार पर इकरामुद्दीन, रिहान और इमामूद्दीन निवासी गांव त्यौड़ी-7 बिस्वा के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

काली माता मंदिर पर लगी भक्तों की लंबी कतार

नेशनल प्रेस टाइम्स, ब्यूरो

मुरादाबाद। प्राचीन काली माता मंदिर में प्रत्येक आज रामनवमी पर भक्तों की भारी भीड़ है। रविवार के दिन भक्तों ने यहां सुबह से ही पहुंचना शुरू कर दिया। नगर निगम और प्रशासन की ओर से मंदिर के आसपास साफ-सफाई की विशेष व्यवस्था की गई है। मंदिर और उसके आसपास पुलिस को भी व्यवस्था बनाने के लिए तैनात किया गया है। मान्यता है कि प्राचीन काली माता मंदिर में पूरी

आस्था और श्रद्धा के साथ भक्त जो भी मांगते हैं वह मनोकामना पूरी होती है। बताया जाता है कि बहुत से ऐसे लोग हैं जो यहां नियमित रूप से मां के दर्शन करने के लिए आते हैं। आज रामनवमी पर भक्तों की भारी भीड़ देखी गई। इसके अलावा पुलिस प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट है, जैसे शहर के किसी भी मंदिर में भक्तों के साथ किसी तरह की हरकत ना होने पाए। इसके लिए शहर के प्रमुख मंदिरों पर जिला प्रशासन की ओर से पुलिस के जवानों की तैनाती की गई है। वहीं कंट्रोल रूम से भी पुलिस के जवान नजर बनाये हुए हैं।

भारतीय जनता पार्टी की जिला व महानगर इकाई ने संयुक्त रूप से मनाया स्थापना दिवस

नेशनल प्रेस टाइम्स, ब्यूरो

मुरादाबाद। भाजपा स्थापना दिवस कार्यक्रम में सर्वप्रथम जिला व महानगर के सभी पदाधिकारियों व जनप्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से बुद्धि विहार स्थित कार्यालय के मुख्य द्वार पर ध्वजारोहण किया।

इस अवसर पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष व विधान परिषद सदस्य सतपाल सिंह सैनी एडवोकेट ने कहा कि छह अप्रैल का यह महत्वपूर्ण दिन हमें भारत की प्रगति के लिए काम करने और विकसित भारत के सपने को साकार करने की हमारी प्रतिबद्धता को दोहराता है।हमारे सभी कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ हैं, कार्यकताओं की बदौलत आज भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है।

क्षेत्रीय महामंत्री - भाजपा पश्चिम क्षेत्र के क्षेत्रीय महामंत्री हरिओम शर्मा ने कहा कि देश के 150 करोड़ से अधिक लोग हमारी पार्टी के सुशासन एजेंडे को देख रहे हैं, जो पिछले वर्षों में मिले ऐतिहासिक जनादेश में भी परिलक्षित होता है।

नगर विधायक नगर विधायक रितेश गुप्ता ने कहा कि भाजपा लोकसभा चुनाव, विभिन्न राज्यों के विधानसभा चुनाव, स्थानीय निकाय और पंचायत चुनाव में लगातार ऐतिहासिक जीत दर्ज कर रही है।

सदस्य विधान परिषद -विधान परिषद सदस्य डॉ जयपाल सिंह व्यस्त ने कहा कि भाजपा नेतृत्व वाला एनडीए गठबंधन सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास को प्राथमिकता देते हुए देश भर में काम कर रहा है।

एमएलसी गोपाल अंजान ने कहा कि भाजपा की स्थापना साल 1980 में तत्कालीन भारतीय जनसंघ के नेताओं द्वारा की गई थी। भाजपा ने 1984 में लड़े गए पहले आम चुनाव में केवल दो लोकसभा

सीटें जीती थीं। साल 2014 में पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा को प्रचंड बहुमत मिला, तब से ही हमारी पार्टी सत्ता के केंद्र में है।

जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ शेफाली चौहान देश में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और प्रदेशों में भाजपा नेतृत्व की सरकारें समाज की सेवा करती रहेंगी और सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करेंगी।

मुरादाबाद भाजपा जिला अध्यक्ष आकाश पाल और महानगर अध्यक्ष गिरीश भंडूला ने पार्टी स्थापना दिवस पर कहा कि पार्टी के सभी कार्यकर्ता सक्रिय रूप से जमीनी स्तर पर काम कर रहे हैं और सुरक्षा, सुशासन, विकास के एजेंडे को आगे बढ़ा रहे हैं।

इस अवसर पर जिला महामंत्री राजन बिश्नोई महानगर महामंत्री नत्थूराम कश्यप, दिनेश शीर्षवाल कमल गुलाटी, सुनीता शर्मा, क्षेत्रीय मीडिया सह प्रभारी निमित जायसवाल, जिला मीडिया प्रभारी संजय ढाका, महानगर मीडिया प्रभारी राजीव गुप्ता व राहुल सेठी, भाजपा बेटी बचाओ पढ़ाओ अभियान की महानगर संयोजिका अल्पना रितेश गुप्ता पूर्व सांसद वीर सिंह, डॉ विशेष गुप्ता, गिरीश वर्मा, नवदीप टंडन, राहुल शर्मा, हेमराज सैनी, विशाल त्यागी,चन्द्र प्रजापति, दिनेश सिसोदिया, सर्वेश पटेल, अजय वर्मा, शशिकिरण, मंडल अध्यक्ष विपिन प्रजापति, विशाल रस्तोगी, राजीव शर्मा, कपिल गुप्ता, मिथुन शर्मा, सोमपाल प्रजापति, सूर्य मोहन शमशेरी, धर्मेंद्र नाथ मिश्रा, अभिषेक चौबे, धर्मेश सैनी, डॉ गौरव श्रीवास्तव, सुरेंद्र बिश्नोई, पंकज शर्मा,सुनीता सैनी, आभा चौधरी, सोनल अग्रवाल, मुकेश भारद्वाज, गेत्रपाल सिंह, हरीश प्रजापति, आलोक सैनी, अमित सिंह मिंटू, संजीव चौहान, अभिषेक राठौड़,गजेंद्र सिंह, अनुज शर्मा,मयंक कश्यप,तुषार विश्वास, सौरभ सक्सैना,सुमित ठाकुर,हरिओम सैनी,बंटी सैनी, हरेंद्र शर्मा,संजीव चौधरी बाल्मीकि,वीरपाल,प्रमोद कुमार शर्मा, अश्वनी शर्मा, सचिन राघव,महेश सैनी,आशीष कुमार आदि सैकड़ो की संख्या में जिला व महानगर के विभिन्न मंडलों, मोर्चों एवं प्रकोष्ठों के पदाधिकारी एवं पार्षदगण आदि मौजूद रहे।

'नेशनल प्रेस टाइम्स'
दैनिक समाचार पत्र में एनसीआर के जनपदों के लिए ब्यूरो चीफ, तहसील ब्यूरो, संवाददाता व मार्केटिंग के लिए इच्छुक लड़के व लड़की सम्पर्क करें।
विज्ञापन, न्यूज, आदि के लिए संपर्क करें।
सुखपाल सिंह (संपादक)
प्रमोद मिश्रा (सह-संपादक)
8448184482
एस.के. राणा (सह-संपादक)
8938805409
पता : 209, द्वितीय तल, दुर्गा चैम्बर, आरडीसी, राजनगर, गाजियाबाद
फोन- 0120-4549844, मो. 9312606107
nationalpresstimes@gmail.com/
www.nationalpresstimes.com

नेशनल प्रेस टाइम्स की तरफ से मुफ्त कानूनी सलाह के लिए सम्पर्क कर सकते हैं।
एडवोकेट आदर्श कुमार राय
(इलाहाबाद हाईकोर्ट)
09415624173

स्वामी' प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक सुखपाल सिंह ने 209, द्वितीय तल, दुर्गा चैम्बर, आरडीसी, राजनगर, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश से प्रकाशित एवं **बैकुंठ मीडिया, 47 बेसमेंट, नवयुग मार्केट, गाजियाबाद** (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित। RNI No. : UPHIN/2015/64579 मुख्य कार्यालय-209, द्वितीय तल, दुर्गा चैम्बर, आरडीसी, राजनगर, गाजियाबाद। मो. 9312606107, फोन- 0120-4549844, **nationalpresstimes@gmail.com/ www.nationalpresstimes.com** नोटः- समाचार पत्र से संबंधित किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्याय क्षेत्र गाजियाबाद ही होगा। *पीआरबी अधिनियम के अनुसार समाचार चयन और संपादन के लिए उत्तरदायी। समाचार पत्र में छपने वाले विज्ञापन की सत्य/ असत्य की जानकारी स्वयं करें, किसी भी विज्ञापन की असत्यता की जिम्मेदारी समाचार पत्र की नहीं होगी।